@Qpatrika @qaumipatrikahindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 7 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 334 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मेडिकल सिर्फ साइंस और टेक्नोलॉजी का ही नहीं, दया और भरोसे का भी क्षेत्र : राष्ट्रपति मुर्मु

राष्ट्रपति ने एम्स बिलासपुर के पहले बैच के ग्रेजुएट्स को डिग्रियां दीं और उनसे जीवन भर सीखते रहने का आग्रह किया

एजेंसी

बिलासपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर स्वास्थ्य सेवा का आर्थिक बोझ कम करने में 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की भूमिका पर जोर दिया। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को हर परिवार के लिए सालाना 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य कवर मिलता है। हिमाचल प्रदेश में एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इस योजना के तहत इलाज पर 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं और इसके लाभार्थियों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा हो गई है। उन्होंने संबंधित लोगों से कहा कि वे यह पक्का करें कि स्वास्थ्य सुरक्षा के इन उपायों की जानकारी दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक पहुंचे। राष्ट्रपति ने एम्स बिलासपुर के पहले बैच के ग्रेजुएट्स को डिग्रियां दीं और उनसे जीवन भर सीखते रहने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ग्रेजुएट्स से कहा कि वे बदलते मेडिकल तरीकों और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ कदम मिलाकर

चलें और साथ ही रिसर्च को ऐसे इनोवेशन में बदलें, जिससे लोगों की जिंदगी बेहतर हो। उन्होंने कहा, 'मेडिकल का क्षेत्र सिर्फ साइंस और टेक्नोलॉजी का क्षेत्र नहीं है। यह असल में दया और भरोसे का भी क्षेत्र है।' उन्होंने ग्रेजुएट्स को अपने काम में लोगों की जरूरतों को सबसे ऊपर रखने के लिए प्रोत्साहित किया, खासकर उन लोगों की जरूरतों को जो दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में रहते हैं और जहां तक खास मेडिकल सुविधाएं आसानी से नहीं पहुंच पातीं।

एम्स बिलासपुर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, उन्होंने संस्थान और उसके ग्रेजुएट्स से कहा कि वे इस इलाके में उच्च-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में काम करें। इसमें टेली-मेडिसिन, एक्सपर्ट से सलाह, मेडिकल स्टाफ की ट्रेनिंग और आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शामिल है। इस मौके पर बोलते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने पिछले 12 सालों में देश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 384 से बढ़कर 800 से ज्यादा हो गई है, जबकि अंडरग्रेजुएट मेडिकल सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1.42 लाख हो गई है। नड्डा ने केंद्र सरकार के उस लक्ष्य के बारे में बताया, जिसके तहत 2029 तक 75,000 अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। इसमें 10,000 अतिरिक्त एमबीबीएस और पीजी सीटें बनाने के लिए 15,000 करोड़ रुपए का आवंटन भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एम्स नेटवर्क के विस्तार का जिक्र करते हुए, केंद्रीय मंत्री नड्डा ने बताया कि जहां कई दशकों तक देश में सिर्फ एक एम्स था, वहीं पिछले 12 सालों में 16 नए एम्स बनाए गए हैं।

एम्स बिलासपुर के बारे में बात करते हुए, नड्डा ने बताया कि संस्थान ने 750 बेड के शुरुआती लक्ष्य से आगे बढ़कर अब 776 बेड की क्षमता हासिल कर ली है, और यहां 26 स्पेशलिटीज और 15 सुपर-स्पेशलिटीज पूरी तरह से काम कर रही हैं। उन्होंने जटिल सर्जरी, कार्डियक कैथेटेराइजेशन इंटरवेंशन, न्यूरोसर्जरी, व्यापक देखभाल, कैंसर देखभाल और रेडियोथेरेपी सेवाओं की उपलब्धता पर जोर दिया और बताया कि यह प्रगति पिछले पांच सालों में हासिल की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछले चार सालों में संस्थान में ओपीडी कंसल्टेशन की संख्या 12 लाख और आईपीडी एडमिशन की संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है।

गुजरात के भावनगर में खड़ी ट्रेलर गाड़ी से एसयूवी की टक्कर, सात लोगों की मौत

एजेंसी

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे के किनारे सर्विस रोड पर खड़ी एक ट्रेलर गाड़ी से एसयूवी के टकराने के कारण अलंग शिपब्रेकिंग यार्ड में काम पर जा रहे सात लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे तलाजा तालुका के त्रापाज गांव के पास हुआ, जो अलंग पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। पुलिस के अनुसार, एसयूवी भावनगर से अलंग की ओर जा रही थी, तभी वह सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर के पिछले हिस्से से टकरा गई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पांडे ने बताया कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'ट्रेलर हाईवे की सर्विस रोड पर त्रापाज गांव के पास खड़ा था, तभी उसके पीछे आ रही बोलेरो उससे टकरा गई। छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।' इस टक्कर से बोलेरो पूरी तरह से पिचक गई और ट्रेलर से टकराने के बाद उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर की जोरदार ताकत ने खड़े ट्रेलर को भी आगे धकेल

दिया। एसयूवी को हुए भारी नुकसान के कारण बचाव कार्य में कठिनाई हुई। पुलिस और स्थानीय बचाव कर्मियों को उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लोहे की छड़ों का इस्तेमाल करके दरवाजे खोलने पड़े। स्थानीय खबरों में यह भी कहा गया है कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज में टक्कर की घटना कैद हो गई। गाड़ी में सवार सभी लोग अलंग जा रहे थे, जहां वे शिप-ब्रेकिंग यार्ड में काम करते थे।

जम्मू-कश्मीर सरकार का बड़ा फैसला, न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल हुई

• 'निर्देशों के पालन में, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके इस मामले पर विचार किया गया।'

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल कर दी है। कानून, न्याय और संसदीय मामलों के विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 'ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन और अन्य' बनाम अन्य मामले (डब्ल्यू.पी.(सी) नंबर 1022/1989) और इससे जुड़े मामलों पर विचार करते हुए, 22 जुलाई 2026 और 5 अगस्त 2026 के आदेशों के जरिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे 'संबंधित हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 61/62 साल करने के बारे में फैसला लें।'

कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि जहां भी ऐसी बढ़ोतरी पर सहमति बनती है, वह 31 मार्च 2026 से लागू होगी। इसमें वे न्यायिक अधिकारी भी शामिल होंगे, जो उस तारीख को

या उसके बाद रिटायर हुए हैं, बशर्ते सहमति हो और लागू होने वाली शर्तें पूरी की जाएं। आदेश में कहा गया, 'निर्देशों के पालन में, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके इस मामले पर विचार किया गया।' रजिस्ट्रार जनरल ने 30 जुलाई और 12 अगस्त के पत्रों के जरिए बताया कि फुल कोर्ट ने 10 अगस्त को हुई बैठक में रिटायरमेंट की उम्र 62 साल करने की सिफारिश करने का फैसला किया, बशर्ते अधिकारी 60 साल की उम्र के बाद भी काम जारी रखने के लिए फिट और योग्य पाए जाएं।

आदेश के अनुसार, वित्त विभाग ने 9 सितंबर के यू.ओ. (अनौपचारिक नोट) के जरिए अपनी सहमति दी और मंत्रिपरिषद ने 22 सितंबर 2026 के फैसले नंबर 146/12/2026 के जरिए इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।सरकारी आदेश में कहा गया, 'अब, इसलिए, 31 मार्च 2026 से रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने की मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट द्वारा फिटनेस, योग्यता, उपयुक्तता, परफॉर्मेंस और आगे भी काम जारी रखने की उपयोगिता के मूल्यांकन के अधीन है, और संबंधित नियमों में जरूरी बदलाव हाई कोर्ट के साथ सलाह-मशविरा करके किए जाएंगे।'

'क्या विपक्ष अराजकता फैलाना चाहता है?', रविशंकर प्रसाद ने इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन की निंदा की

• इससे पहले दिन में, राहुल गांधी ने कहा कि संसद के दोनों सदनों के लगभग 300 सांसदों को चुनाव आयोग से मिलने से रोका गया।

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के विरोध के बीच, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को सवाल किया कि क्या विपक्षी दल देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और विपक्षी इंडिया गठबंधन, आखिर वे क्या चाहते हैं? क्या वे अराजकता चाहते हैं? उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठकर, उन्होंने यहां एक संवेदनशील इलाके को घेर रखा है और कह रहे हैं कि (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के चंगुल में हैं। यह शर्मनाक है। मैं इसकी निंदा करता हूं। प्रसाद ने चुनाव रद्द करने और बैलेट पेपर का इस्तेमाल करके दोबारा चुनाव कराने की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित मांग की भी आलोचना की। भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने कहा था कि सभी चुनाव रद्द कर दिए

जाएं और बैलेट पेपर से दोबारा चुनाव कराए जाएं। यही उनका मकसद है और वे यही चाहते हैं। वे निष्पक्ष चुनाव नहीं जीत सकते। अब वे बूथ पर कब्जा करना चाहते हैं। वे दबाव डालकर चुनाव जीतना चाहते हैं। वे दलितों और गरीबों को वोट देने से रोकना चाहते हैं। कांग्रेस इसी तरह जीतती रही है, चाहे वह बिहार हो, पश्चिम बंगाल हो या कोई और राज्य।

उन्होंने आईएएनएस से ??कहा कि जब देश के लोगों को वोट देने का मौका मिला है, तो राहुल गांधी क्या चाहते हैं? जब दो करोड़ वोटर मर चुके हैं, तो क्या उन्हें अभी भी वोटर माना जाएगा? करोड़ों लोग दो जगहों पर वोटर हैं, जो कानून के तहत मान्य नहीं है।

भाजपा सांसद ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मई में दिए अपने फैसलों में विस्तार से बताया था कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास वोटर लिस्ट का 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह कानून के तहत है। आप हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार और बंगाल में हार गए हैं। इसलिए, आप चुनाव हार रहे हैं और कह रहे हैं कि यह ईसीआई की मिलीभगत है। आपको देश के वोटर्स का अपमान करना बंद करना चाहिए। आप जिस तरह से अराजकता फैला रहे हैं, हम उसकी निंदा करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर संवैधानिक और राष्ट्रीय संस्थाओं को बार-बार निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने विदेश में देश का अपमान किया है।

भगवंत मान को 100 से ज्यादा सीटें जीता कर पंजाबी देंगे भाजपा को धक्केशाही का जवाब: केजरीवाल

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। पंजाब में मुद्दा विहीन भाजपा ने अब अपनी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग शुरू कर दिया है। किसी तरह फर्जी मुद्दों के सहारे भाजपा को पंजाब में घुसाने की कोशिश कर रहे पीएम मोदी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर ईडी की रेड करा दी। विधानसभा चुनाव से चंद महीने पहले हुई इस रेड पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा और मोदी सरकार पर चौतरफा हमला बोला है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने हमेशा पंजाबियों के साथ धक्का किया है। चाहे किसान आंदोलन, पंजाब के पानी या पंजाब यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो और अब पंजाबियों के चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ धक्का कर रही है। लेकिन इस बार पंजाबियों ने भगवंत मान को 100 से ज्यादा सीटें जीता कर भाजपा को इस धक्केशाही का जवाब देने का मन बना लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय पर हुई सीबीआई की रेड पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव से दो महीने पहले पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय पर सीबीआई की रेड भाजपा की बौखलाहट का नतीजा है। जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है, उसने पंजाबियों के साथ हमेशा ही धक्का किया है। चाहे किसान आंदोलन हो, पंजाब के पानी का मुद्दा हो, पंजाब यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो और अब तो उनके चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ भी धक्का कर रही। भाजपा चुनाव ल ?कर पंजाब में जीत नहीं सकती तो ईडी-सीबीआई के सहारे चुनाव ल ?ना चाहती है। लेकिन पंजाबियों ने अपना मन बना लिया है और भाजपा के सीबीआई रेड का जवाब आने वाले चुनाव ने भगवंत मान को 100 से ज्यादा सीटों से जीता कर दोबारा मुख्यंत्री बना कर देंगे। वहीं, आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने

एक्स पर कहा कि ऑपरेशन ज्ञानेश कुमार पर देश भर में हंगामा हो रहा है तो पंजाब में चुनाव के लिए भाजपा की एडवांस पार्टी के रूप में सीबीआई को भेजा गया है। ये रेड ता ?त का नहीं बौखलाहट का सबूत है। उधर, ''आप'' के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी सीएम कैंप कायालय पर सीबीआई की रेड पर भाजपा को आ ? हाथ लिया। उन्होंने एक्स पर कहा कि हर चुनाव में भाजपा का सिर्फ एक हथियार ईडी-सीबीआई जांच एजेंसियों का दुरुपयोग है। पंजाब की जनता देख रही है कि किस तरह बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य पर अनुकरणीय काम करने वाली भगवंत सिंह मान सरकार को बदनाम करने में जुटी है। भाजपा इस तानाशाही का जवाब पंजाब की जनता चुनाव में देगी। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर हुई सीबीआई रेड पर दिल्ली ''आप'' यूनिट ने भी क ?ी प्रतिक्रिया दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि सीबीआई ने पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय पर छापेमारी की है। मोदी सरकार पंजाब में ठीक वही दिल्ली चुनाव वाला फॉर्मूला दोहरा रही है। पंजाब में चुनावी पैठ बनाने के लिए बेताब भाजपा सरकार अब झूठे मुकदमे दर्ज करेगी और हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियां करेगी। पंजाब की जनता देख सकती है कि धोखे से चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने दिल्ली के लोगों के साथ क्या किया है। पंजाब में यह धोखाध ?ी दोबारा नहीं दोहराई जा सकेगी। जबकि, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने एक्स पर कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री के कैंप ऑ ?स पर सीबीआई रेड मोदी जी की हताशा है। भाजपा पंजाब में राजनीतिक तौर पर घुस तक नहीं पा रही है। इसलिए सीबीआई को लगाया है। मोदी जी, आप किसी ग ?लत में मत रहियेगा, पंजाब को आप ऐसे नहीं डरा सकते। पंजाबी ऐसे नहीं दबते हैं।

महाराष्ट्र में 10 लाख ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अभियान - प्रताप सरनाईक

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार के मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस बारे में जानकारी दी। मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीडिया से कहा, 'महाराष्ट्र में करीब 10 लाख ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक काम कर रहे हैं, जिनमें से करीब 5 लाख अकेले मुंबई महानगर क्षेत्र में हैं। हमने कई लोगों को मराठी सीखने में मदद की है और 2 अक्टूबर से 23 जनवरी तक, गांधी जयंती से शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की जयंती तक, हमने बालासाहेब ठाकरे के नाम पर यह मराठी भाषा अभियान शुरू किया है।' उन्होंने बताया, 'हमारे बहुत सारे कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ के लोग यहां पर सभी रिक्शा और टैक्सी चालकों को आमंत्रित कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि अब तक एक लाख 65 हजार 800 लोगों को मराठी सिखाई गई है। यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है ताकि मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में काम करने वाले चालक मराठी भाषा में सहज रूप से बात कर सकें। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री प्रताप सरनाईक ने परिवहन से जुड़े एक और अहम फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'आरटीओ की बैठक में हमने प्रस्ताव रखा था कि टू-व्हीलर पूरी तरह से ईवी यानी इलेक्ट्रिक होनी चाहिए।' उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने उनका यह प्रस्ताव मंजूर भी कर लिया था। हालांकि कुछ ओला, उबर जैसी कंपनियों ने कहा है कि उनके पास पहले से ही पेट्रोल पर चलने वाली गाड़ियां हैं।

भाजपा-जेडीएस कार्यकर्ताओं ने जलाए एक लाख से ज्यादा फॉर्म-7 - मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से वोटर का नाम हटाने वाले 'फॉर्म-7' के एक लाख से ज्यादा आवेदन जबरदस्ती छीन लिए और उन्हें जला दिया। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाने वाले फॉर्म (फॉर्म-7) को एक साथ जमा करने और फिर वापस लेने की घटना को एक बड़ी आपराधिक साजिश बताया। उन्होंने कहा कि इसका मकसद चल ??रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के दौरान वोटर लिस्ट में हेरफेर करना था। डी.के. शिवकुमार ने कहा, 'कार्यकर्ताओं को बताना चाहिए कि उन्हें ये फॉर्म किसने दिए। इसकी जांच होनी चाहिए।' उन्होंने विपक्षी कार्यकर्ताओं से पहले से भरे हुए फॉर्म-7 और वोटर डेटा का स्रोत बताने की मांग की।

उनके ये आरोप कर्नाटक में वोटर लिस्ट के चल रहे एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में फॉर्म-7 आवेदन जमा किए जाने को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच आए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने कहा कि अब तक फॉर्म-7 आपत्तियों के आधार पर किसी भी वोटर का नाम नहीं हटाया गया है और आवेदनों की जांच तय प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर भाजपा और जेडीएस कार्यकर्ताओं को 500 से 3,000 फॉर्म-

7 आवेदन दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ कार्यकर्ताओं ने उन्हें बताया कि यह ऑपरेशन कैसे चलाया गया। उन्होंने दावा किया कि उनके चुनाव आयोग जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने बीएलओ के पास जाकर बड़ी संख्या में जमा किए गए फॉर्म-7 आवेदनों को छीन लिया और वापस ले लिया।

उन्होंने आरोप लगाया, 'उन्होंने उन्हें जला दिया। ये सब हुआ। सभी जगहों पर उन्होंने बीएलओ को धमकाकर ऐसे एक लाख से ज्यादा फॉर्म वापस ले लिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉर्म को वापस लेने की घटना से ही यह सवाल उठता है कि उन्हें किसने सप्लाई किया था और इतनी बड़ी संख्या में उन्हें क्यों बांटा गया था।

उन्होंने कहा, 'कार्यकर्ताओं को बताना चाहिए कि उन्हें फॉर्म-7 किसने दिया और इसकी जांच होनी चाहिए।' शिवकुमार ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ फॉर्म-7 आवेदनों में जीवित लोगों को मृत घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने फॉर्म जमा किए थे, उनमें से कुछ को यह पता नहीं था कि वे किस चीज पर साइन कर रहे हैं या फॉर्म पर बने निशानों का क्या मतलब है। उन्होंने सवाल उठाया कि कार्यकर्ताओं को वोटरों की जानकारी, जैसे उनके नाम और दूसरी चुनावी जानकारी, कैसे मिली। उन्होंने कहा कि फॉर्म और उनमें इस्तेमाल किए गए वोटर डेटा के स्रोत की जांच होनी चाहिए। ये आरोप तब लगाए गए, जब शिवकुमार ने कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी के दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था और बड़ी संख्या में जमा किए गए फर्जी फॉर्म-7 आवेदनों पर कार्रवाई की मांग की थी। विरोध-प्रदर्शन के बाद सीईओ ने चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया।

एयरपोर्ट के लेबर कैंप में आग, 33 कमरे जले

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में बने लेबर कैंप में मंगलवार सुबह 6ः30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीन मंजिला बिल्डिंग जल गई। धुआं 2 किमी दूर तक दिखाई दिया। तुरंत फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दो मजदूर घायल हुए हैं। एक आग की चपेट में आने से झुलस गया, जबकि दूसरा दूसरी मंजिल से कूदने की वजह से चोटिल हुआ। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह टर्मिनल से करीब 250-300 मीटर दूर है। इसे मजदूरों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर पीवीसी यानी प्लास्टिक से बनाया गया था। यही वजह थी कि आग बहुत तेजी से फैली। हालांकि, इस हादसे से विमानों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। किसी के हताहत होने की भी सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में 33 छोटे कमरे हैं। इसमें करीब 300 मजदूर रहते हैं। वे परिसर में एक होटल का निर्माण कर रहे हैं।

अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल युवक पकड़ाया, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल व्यक्ति को सरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा कर्मियों के एक दल ने सोमवार को थम्बालनू बाजार में अभियान चलाया और संदिग्ध को पकड़ा। वह अवैध हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की खरीद और बिक्री में शामिल है। जांच में पता चला कि आरोपी ने जुलाई में दो महिलाओं के जरिए 10,000 रुपए में एक व्यक्ति को एक हथगोला मुहैया कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुराचांदपुर जिले के कुकिमुन गांव में बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए। पुलिस के मुताबिक फ्ढो 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, तीन 9 एमएम पिस्तौल, सात सिंगल बैरल बोल्ट-एक्शन राइफल, एक हैंड ग्रेनेड, एक मोर्टार बम और दो देसी मोर्टार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि जब्त हथियार और गोला-बारूद जिले के हेंगलेप पुलिस थाने को सौंप दिए हैं। बता दें मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल मणिपुर के सभी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए अभियान चला रहे हैं। घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच मई 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष में कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कर्नाटक में बीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

बेंगलुरु(एजेंसी)। शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से जबरदस्त कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे क्वार्टर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य कारण बीयर और इंडियन मेड लिकर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है। कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में बीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स बीयर बेची गई, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69 प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। बीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

नई दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन से पहले पुलिस नोटिस पर हंगामा, दिपके ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि पुलिस दिल्ली में 10 अक्टूबर को होने वाले पार्टी के प्रस्तावित आंदोलन से पहले कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उन पर दबाव बना रही है। दिपके ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि एक देश, एक चुनाव सिर्फ एक नारा है और इसका असली मकसद एक देश, एक राजनीतिक पार्टी स्थापित करना है। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का आह्वान किया है। छत्रपति संभाजीनगर में प्रेसवार्ता को संबोधित कर दिपके ने बताया कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनसे दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल न होने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्यकर्ताओं के दिल्ली यात्रा खर्च के स्रोत के बारे में भी पूछताछ की। दिपके ने महाराष्ट्र पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस फोर्स बताकर दुख व्यक्त किया कि चंद्रपुर पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की है।

नरेंद्र मोदी, शाह और भागवत देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं: राहुल गांधी

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस योजना में उनकी मदद कर रहे

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी भाजपा पर बड़ा हमला बोलकर आरोप लगाया कि देश के लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोकने पर तीखे सवाल उठाए और कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें चुनाव आयोग जाने से रोक रही है और धमका रही है, जबकि 300 सांसद उनसे मिलना चाहते थे।
राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसदों को चुनाव आयोग के दफ्तर से मात्र 50 मीटर दूर ही रोक दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब चुने हुए प्रतिनिधि करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, तब उन्हें क्यों रोका जा रहा है? राहुल गांधी ने पूछा, देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले? उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डरे हुए हैं।
कांग्रेस नेता ने कहा कि वे केवल भाजपा से मुकाबला नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें खत्म कर देने वाले हैं। उन्होंने भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देश में लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश और यहां तक कि पुलिसकर्मी भी इस बात से सहमत हैं।
राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी, अमित शाह और मोहन भागवत ने वोट चोरी के जरिए देश पर कब्जा कर लिया है, और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसमें उनकी मदद की है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी और कहा कि हमारे देश के साथ जो किया गया है, इस देशद्रोह कहा जाता है, कोई भी बच नहीं पाएगा।
विपक्षी गठबंधन इंडिया का मार्च मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार को हटाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग को लेकर संसद मार्ग से निर्वाचन आयोग मुख्यालय तक जा रहा था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें नीति आयोग के दफ्तर के सामने ही रोक दिया, जिसके बाद विपक्षी सांसद धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान, राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी पुलिस बैरिकेड पर चढ़ गए। प्रियंका गांधी वाड्रा को हिरासत में लिए जाने के लिए एक बस में ले जाया गया, लेकिन वह जल्द ही उतरकर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी के पास पहुंच गईं। पुलिस ने कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद धरना खत्म हो गया। हालांकि, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस नेता आकाशवाणी भवन में ही बने रहे।

बद्रीनाथ धाम में 2023 का टूटा रिकॉर्ड, इस साल अब तक 18.67 लाख श्रद्धालु पहुंचे

चमोली (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम की तीर्थयात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अब तक 18.67 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या 2023 में बने 18.39 लाख भक्तों के पिछले रिकॉर्ड को पहले ही पार कर चुकी है। बद्रीनाथ धाम आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के बीच, इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही रिकॉर्ड टूट गया। तीर्थयात्रा में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए उम्मीद है कि इस साल भक्तों की संख्या 20 लाख का आंकड़ा पार कर जाएगी। अधिकारी और प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 14,000 से ज्यादा भक्त बद्रीनाथ धाम पहुंचे और भगवान बद्री नाथ की पूजा-अर्चना की। तीर्थयात्रा को कड़ी निगरानी और तैयारी के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भक्तों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में आपदा प्रबंधन विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट है। ये जिले चार धाम यात्रा मार्ग से जुड़े अहम जिले हैं। चार धाम यात्रा के दूसरे चरण में मानसून के बाद तीर्थयात्रियों की आवाजाही में फिर से तेजी आई है और बद्रीनाथ धाम की ओर जाने वाले भक्तों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।
रिपोर्ट के मुताबिक तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ के कारण बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर कई जगहों पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे मंदिर की ओर जाने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ते में गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण कर्णप्रयाग और बद्रीनाथ के बीच कई जगहों पर लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

भ्रष्टाचार से घिरी पंजाब सरकार, राहत के लिए पहुंची सुप्रीम कोर्ट

-हाईकोर्ट दे चुका है सीबीआई जांच का आदेश

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें मुख्यमंत्री के एक विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) भी शामिल हैं, पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए जाने के बाद पंजाब में सियासी भूचाल आ गया है। इस आदेश को अपनी सरकार पर सीधा हमला मानते हुए भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यह पुष्टि की थी कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी।
उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा साझा किए गए दस्तावेज प्रथम दृष्टया इन अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का संकेत देते हैं, जिसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपना उचित होगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब आम आदमी पार्टी (आप) सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की अपनी नीति का लगातार दावा करती रही है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से तत्काल इस्तीफे की मांग की। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि अदालत के फैसले ने आप सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। इसी तरह, पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष परगट सिंह ने भी उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया और जोर दिया कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और तय समय-सीमा के भीतर होनी चाहिए, जिसमें किसी भी प्रकार की देरी या राजनीतिक दबाव की गुंजाइश न हो।

मणिशंकर के बयान पर सिब्बल का पलटवार: भारत ही क्यों करे शांति के लिए रियायत?

पूर्व विदेश सचिव ने कांग्रेस नेता को दिखा दिया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन संबंधों को लेकर दिए बयान ने नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान पर पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया देकर सवाल उठाया है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए भारत ही क्यों एकतरफा रियायतें दे, जबकि पड़ोसी देश बदले में क्या देने को तैयार है?
दरअसल पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने कहा था कि दक्षिण एशिया की एक मजबूत आवाज तभी सामने आ सकती है, जब भारत पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करे और चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाए। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों मामलों का समाधान बातचीत से ही संभव है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने सवाल उठाया कि जब भारत सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस दिखा सकता है, तब फिर पाकिस्तान के साथ बातचीत की मेज पर बैठने का साहस क्यों नहीं दिखाता।
वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर के बयान पर कंवल सिब्बल ने पलटवार कर लिखा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ वर्षों तक बातचीत की है, इतना ही नहीं मुंबई आतंकी हमले के बाद भी शांति की कोशिश की, लेकिन इसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने सार्क को भी प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने सवाल किया कि मौजूदा पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान भारत के साथ शांति के लिए क्या रियायत देने को तैयार है, जबकि मुनीर दो-राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास रखते हैं और हिंदू-मुस्लिम के बीच समानता के विचार को स्वीकार नहीं करते।
चीन को लेकर भी सिब्बल ने अय्यर की दलील पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच भी वर्षों से बातचीत जारी है, लेकिन इसके बावजूद ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि चीन सीमा विवाद को समान और न्यायसंगत आधार पर सुलझाने को तैयार है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने कहा कि शांति स्थापित करने का पूरा दायित्व भारत पर डालना उचित नहीं है, और यह मानना कि भारत ही समस्या पैदा करने वाला पक्ष है, एक अनावश्यक कूटनीतिक आत्म-भर्त्सना है।

ज्ञानेश से जुड़े 2006 के मामले की केरल सरकार कराएगी जांच... समय को लेकर उठे सवाल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने करीब दो दशक पुराने मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। केरल सरकार में गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने 4 अक्टूबर को विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो (वीएसीबी) को जांच के निर्देश दिए। मामला 2006 में कुमार के केरल लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव रहते केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) में कथित अनियमितताओं और मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है।
केएसटीपी के तहत राज्य की प्रमुख सड़कों के उन्नयन का काम हो रहा था। एमसी रोड के एक हिस्से के विकास का करीब 215 करोड़ रुपये का ठेका इंडो-मलेशियन संयुक्त उपक्रम पाटिल-बीईएल को मिला था। परियोजना में जमीन अधिग्रहण में देरी के कारण काम प्रभावित हुआ और भुगतान को लेकर ठेकेदार तथा पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बीच विवाद सामने आया। रिपोर्टों के मुताबिक, करीब 17 करोड़ रुपये के भुगतान रोक दिए गए थे। इस दौरान पाटिल-बीईएल के केरल में प्रोजेक्ट मैनेजर ली सी बीन ने 2006 में मलेशिया में आत्महत्या कर ली। रिपोर्टों के अनुसार, उनके कथित सुसाइड नोट में तत्कालीन पाटिल-बीईएल सचिव ज्ञानेश कुमार सहित कुछ अधिकारियों के नाम थे। नोट में भुगतान जारी करने में कथित बाधाओं और रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे। हालांकि, ये आरोप उस समय सामने आए थे और मौजूदा जांच का उद्देश्य उनकी सत्यता तथा पूरे मामले की परिस्थितियों की फिर पड़ताल करना है।
ली की मौत के बाद 2006 में विजिलेंस जांच शुरू की गई थी। तब ज्ञानेश कुमार को पीडब्ल्यूडी सचिव पद से हटाया गया और बाद में वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए। पुरानी जांच आगे नहीं बढ़ सकी। अब सरकार ने शिकायत के आधार पर उस मामले को फिर खोलने का फैसला किया है। विजिलेंस विभाग 2005-06 के पीडब्ल्यूडी रिकॉर्ड और पहले हुई जांच से संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।
मामले को फिर खोलने का राजनीतिक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। यह कदम तब आया है जब ज्ञानेश कुमार को लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्षी दलों का विरोध जारी है और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग ने एसआईआर से जुड़े फैसलों को आयोग द्वारा सामूहिक रूप से लिया गया बताया है। केरल सरकार का कहना है कि कानूनी राय लेने के बाद जांच में कोई कानूनी बाधा नहीं पाई गई। वहीं, बीजेपी ने दो दशक पुराने मामले को फिर खोलने के समय और पिछली सरकारों में हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल ज्ञानेश कुमार की ओर से नई विजिलेंस जांच पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के जरिए अब पुराने आरोपों, परियोजना से जुड़े रिकॉर्ड और पहले की जांच की स्थिति की नए सिरे से पड़ताल की जाएगी।

छलका सीएम यादव का दर्द बोले– बहुत महंगी पड़ गई लाडली बहना

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लाडली बहना योजना को बहुत खर्चीली बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि आर्थिक बोझ इतना भारी होगा। राजधानी भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही, जिस पर राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।
मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल के रवींद्र भवन में बुंदेली समागम-2026 कार्यक्रम में छतरपुर की बुंदेली कंटेंट क्रिएटर बिन्नू रानी के सवालों का जवाब दे रहे थे। जब बिन्नू ने बेटियों के लिए सरकार की भावी योजनाओं के बारे में पूछा, तो सीएम यादव ने हंसते हुए कहा, मुझे क्या मालूम था कि मुख्यमंत्री बनते ही इतनी भारी मार पड़ती है, लाडली बहना योजना बहुत खर्चीली साबित हुई।
उन्होंने मजाकिया लहजे में आगे कहा, बेटा ये अंदर की बात है मुझे क्या पता था कि मुख्यमंत्री बनते ही ऐसी मार पड़ती है। मोहन यादव के इस बयान पर विपक्षी दल कांग्रेस ने तुरंत निशाना साधा। पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने तंज कसते हुए कहा, चुनाव से पहले लाडली और सत्ता में आते ही परेशानी। यही है भाजपा का महिला सम्मान। कांग्रेस ने भाजपा पर महिलाओं के प्रति दोहरे रवैये का आरोप लगाया, जिसमें चुनावी लाभ के लिए योजनाओं का वादा किया जाता है, लेकिन सत्ता में आने पर उनके वित्तीय बोझ पर चिंता व्यक्त की जाती है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि बहनों के मामले में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने लाडली बहना योजना के सफर का जिक्र किया, जो 1000 रुपये से शुरू हुआ था और अब 1500 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बिन्नू रानी से कहा, चिंता मत करो। अभी तुम लाडली बहना योजना के लिए योग्य नहीं हो। थोड़ी और बड़ी हो जाओ, फिर हम तुम्हें यह योजना दे देंगे। यह टिप्पणी उनके हल्के-फुल्के अंदाज को दर्शाती है।
सोशल मीडिया पर भी सीएम के बयान पर खूब चर्चा हुई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे बच्चों के साथ किया गया एक मजाक बताया और कांग्रेस पर चुनाव नजदीक आने के कारण अनावश्यक रूप से हमलावर होने का आरोप लगाया। वहीं, कुछ अन्य लोगों ने कहा कि सीएम यादव के मुंह से सच्चाई निकल आई है और यह योजना मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है।

लोकसभा चुनाव-2029 की बहस के बीच टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल!

विजय की पीएम उम्मीदवारी पर संशय

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), औपचारिक रूप से इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब देश में लोकसभा चुनाव 2029 के लिए, प्रधानमंत्री पद के चेहरे और तीसरे मोर्चे की संभावनाओं को लेकर गहन बहस जारी है। हालांकि, सियासी में फिलहाल टीवीके का कोई प्रतिनिधित्व न होने के कारण, इस गठबंधन का प्रभाव दिल्ली तक अभी सीमित है। कांग्रेस के तमिलनाडु प्रमुख बी माणिकम टैगोर ने टीवीके के इस फैसले को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में विपक्षी मोर्चा और अधिक मजबूत होगा, जिससे आरएसएस-भाजपा सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राजनीतिक मुकाबला और प्रभावी ढंग से लड़ा जा सकेगा।
विजय के इस निर्णय को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें हैं। एक पहलू इसे राजनीतिक मजबूरी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था, लेकिन उसे केवल 108 सीटें ही मिली थीं। सरकार बनाने के लिए उसे कम से कम 10 और सीटों की आवश्यकता थी। ऐसे में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने टीवीके का साथ दिया, और वीसीके व आईयूएमएल जैसे दलों के समर्थन से पार्टी राज्य की सत्ता तक पहुंच पाई। वहीं, इस फैसले को रणनीतिक आवश्यकता के रूप में भी देखा जा रहा है। पहली बात तो यह कि जिस गठबंधन के साथ टीवीके राज्य में सरकार चला रहा है, गठबंधन का ढांचा भी काफी हद तक वैसा ही है। दूसरा, यह कदम टीवीके को लोकसभा चुनाव 2029 में सीटों की मजबूत दावेदारी पेश करने का अवसर देगा, जिससे उसे राष्ट्रीय स्तर पर किसी नए गठबंधन की तलाश या गठन से मुक्ति मिलेगी।
शनिवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस, टीवीके, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, वीसीके, एमडीएमके और आईयूएमएल के शीर्ष नेता शामिल हुए। टीवीके का प्रतिनिधित्व अधव अर्जुन और मारी विल्सन ने किया। टीवीके पहले मजबूती से सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के अगले चेहरे के तौर पर पेश कर रही थी, जिसके चलते कांग्रेस के साथ उसकी तीखी बयानबाजी भी हुई थी। अर्जुन ने कहा था, मैं आज साफ तौर पर कहता हूं कि प्रधानमंत्री दक्षिण से ही आना चाहिए और दक्षिण से ही प्रधानमंत्री बनेगा, हो सकता है अभी नहीं। भविष्य में वह हर भारतीय का प्रतिनिधित्व करेगा और हर भारतीय के साथ समान व्यवहार करेगा। अब गठबंधन में शामिल होने के बाद विजय की प्रधानमंत्री उम्मीदवारी को लेकर नए सिरे से बहस शुरू हो सकती है। हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम सांसद कनिमोई कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चे के लिए क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रही हैं। इस संबंध में उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात की थी, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

समाजसेवी चरणजीव मल्होत्राने अपने पिता स्व.श्री कृष्ण लाल मल्होत्रा जी की प्रथम पुण्यतिथि मनाई

नई दिल्ली। फेजरोड करोल बाग नई दिल्ली में करोना योद्धा गऊमाता रक्षक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने अपने पिता जी स्व. श्री कृष्ण मल्होत्रा की प्रथम पुण्यतिथि उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, मित्रों, परिचितों और समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने उपस्थित होकर स्वर्गीय कृष्ण लाल मल्होत्रा जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान को याद किया। पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि माता-पिता का स्थान जीवन में कोई नहीं ले सकता। पिता की छत्रछाया भले ही अब उनके साथ नहीं है, लेकिन उनके द्वारा दी गई सीख और संस्कार हमेशा उनके साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि पिता की प्रथम पुण्यतिथि केवल उन्हें याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक मजबूती से निभाने का संकल्प लेने का दिन भी है। पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उपस्थित लोगों के लिए प्रसाद एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने स्वर्गीय कृष्ण लाल मल्होत्रा जी

के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस आयोजन में क्षेत्र के विधायक विशेष रवि एवं निमम पार्षद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दुश्यन्त गौतम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उन्होंने मल्होत्रा जी द्वारा क्षेत्र में किए गए समाज के प्रति सेवा के बारे में उन्होंने कहा कि मल्होत्रा जी ने करोना काल में जिन लोगों की सेवा उसे आज भी लोगों ने याद करते हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते है कि चरणजीव मल्होत्रा जी को आसीम शक्ति निरन्तर मिलती रहे और गरीब लोगों की सेवा करते रहे। इस कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने कहा कि स्वर्गीय श्री कृष्ण लाल मल्होत्रा जी का जीवन अपने परिवार के प्रति समर्पण और अच्छे संस्कारों का उदाहरण रहा। उन्होंने अपने बच्चों को हमेशा सही रास्ते पर चलने और मेहनत के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनके जीवन से जुड़ी स्मृतियां परिवार के लिए हमेशा अमूल्य रहेंगी। क्षेत्र के धार्मिक सगठनों और राजनैतिक लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, सुबह 11 बजे से लेकर 5ऱ00 बजे तक भण्डार चलता रहा, खुद मल्होत्रा जी ने अपने हाथों से आए हुए साधु-संत, महत्माओं और आश्रम से आए नेत्रहीन लोगों को जल-पान,भोजन ग्रहण कराया तथा साधु- सन्त महात्माओं के चरण स्पर्श क रके आशीर्वाद प्राप्त किया। सांध्य बेला में गरीब लोगों को राशन सामग्री बाटी और पूज्य पिता जी स्व. कृष्ण लाल मल्होत्रा जी की प्रथम बरसी पर गऊमाताओं की सेवा के लिए एक नई एम्बुलेश लॉन्च करते हुए कार्यक्रम में आए हुए महन्तों के हाथों से नारियल तुड़वाया वही चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली में स?को पर चलती गऊमाताओं को किसी भी समस्या हो या गऊमाताओं बीमारियों से जुझ रही हो, गऊमाताओं इलाज के लिए एम्बुलेश से पशु चिकित्सालय लाया जा सके। गऊमाताओं की सेवा के लिए यह एम्बुलेश चलाई गई है। उन्होंने कहा कि पिताजी के अनुपम्प आशीर्वाद से सेवा निरन्तर चलती रहेंगी। अन्त में समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल हरी पुत्र पूर्ण लाल एवं श्रीमती सितारा देवी पत्नी हरी निवासी एच-16/1247, संगम विहार, नई दिल्ली-110062 ने अपने पुत्र सुनील व पुत्रवधू संध्या एवं पुत्र राहुल व पुत्रवधू नेहा को इनके दुर्वव्यवहार व गलत आचरण व गलत संगत के कारण मेरे मुवक्किल के नियन्त्रण से पूरी तरह से बाहर हो गये हैं जिसके कारण मेरे मुक्किल ने अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते नाते विच्छेद कर लिये हैं। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवकिल के पुत्र व पुत्रवधू से भविष्य में किसी प्रकार का कोई भी लेन देन या किसी प्रकार का कोई करार करते है या मेरे मुवकिल के पुत्र राहुल व पुत्रवधू नेहा एवं पुत्र सुनील व पुत्रवधू संध्या किसी प्रकार का कोई अपराधिक कार्य करते हैं तो उसके लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे और उसके लिए मेरे मुवकिल व उनके परिवार के सदस्यों की किसी तरह की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

अमरिक सिंह (अधिवक्ता)
चैम्बर नं-610, लॉयर्स ब्लॉक,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

NAME CHANGE
I, Shambhu Kumar S/o Ram Chandar Mahato R/o Parthala Khanjarpur, Krishan Kunj Colony, Sector-122, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed the name of my minor daughter Mohani Mandal, aged 10 years and She shall hereafter be known as Sonakshi Kumari.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Suveb S/O Irsad, R/o 497, Chirauri, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as SHOAIB.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sachin Kumar S/O: Gajendra Singh, R/O aurangabad chandauk, Aurangabad Chandok, PO: Chandauk, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 202394, have changed my name and shall hereafter be known as JAI KUMAR.

NAME CHANGE
I, SHARINA BEGUM, is legally dependent wife of No-17022204L, Rank-CFN, Name-MD SHABIR KHAN, serving at UNIT- 122 IBG (EME) C/o 99 APO, residing at VILL-SANGAIYUMPHAM CHERAPUR MATHAK LEIKAI, ??- WANGJING, PS-THOUBAL, DIST-THOUBAL, MANIPUR- 795148, have changed my name from ARIBAM SHARINA BEGUM to SHARINA BEGUM, and vide Affidavit dated 28/08/2026, before Judicial Magistrate, Thoubal, Manipur.

NAME CHANGE
I, MEENU NAGAR W/O SHIVKUMAR LOHIA R/O H.NO-613,NEAR L.S.PUBLIC SCHOOL,GHITORNI, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110030, HAVE CHANGED MY NAME TO MEENU FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, hitherto known as LALITESH D/O RAMESH CHAND R/O SITHRAPUR, PO GARH UMRAO, GARH UMRAO , GARHUMRAO HATHRAS UTTAR PRADESH-281302 have changed my name and shall hereafter be known as RAINU.

NAME CHANGE
I Utkarsh Kapoor S/o Kapil Kapoor R/o 17, Park Drive Malibu Town, Sector 47, South City 2, Gurgaon have changed my name to Kartik Kapoor for all future.

Public Notice
It is for general information that, I VINOD KUMAR AGGARWAL S/o Late HAZARI LAL AGGARWAL R/o Gali No.03, Chhalera Bangar, Sector-44, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my minor Son has been wrongly written as VINOD AGGARWAL and DIVYANSHU in my minor Son namely DIVYANSHU AGGARWAL aged 14 years in his School record. The actual name of mine and my minor Son is VINOD KUMAR AGGARWAL and DIVYANSHU AGGARWAL. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as JAIPAL SINGH BISHAT S/o RUDRA SINGH BISHT R/o B – 7 Shiv Vihar Vikash Enclev , Uttam Nagar , West Delhi , Delhi - 110059 have changed my name and shall hereafter be known as JAYPAL SINGH BISHT.

NAME CHANGE
I hitherto known as CHHAVI BANSAL D/o PRAVEEN BANSAL R/o 1/4661 , Gali No. – 4 , Balbir Nagar Extension , PO : Shahdara , Dist : North East Delhi , Delhi - 110032 have changed my name and shall hereafter be known as CHAVI BANSAL .

NAME CHANGE
It is for general information that I DHAMENDRA KUMAR GAUTAM S/o NANAK CHAND R/oRZ – D – 12 3rd Floor , Gali No. – 8 , Rajpuri , Uttam Nagar PO : D.K Mohan Garden , Dist : West Delhi , Delhi - 110059, declare that the name of mine has been wrongly written as D K GAUTAM in my minor Son namely KISHALAY GAUTAM aged 15 years in his School Record. The actual name of mine is DHAMENDRA KUMAR GAUTAM , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Punyabrata Khatua S/o Ram Chjandra Khatua R/o 114, Silver Bell Shalimar City, Sahibabad, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 That in the Birth Certificate of my minor son Reyaansh Khatua aged 14 years his surname Khatua has not been mentioned which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AFAQ KHAN S/O MOHAMMAD ZAHIR resident of H NO-3359, THIRD FLOOR, KUCHA TARA CHAND, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD AFAQ KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 15678516Y Rank-HAV Name-RAMANUJ YADAV Residing at VILL-KAURDIHAR KATRA, PO-ATRAMPUR, TEHSIL-SORAON, DIST-PRAYAGRAJ, U.P-229412, have changed my mother's name from SEETA DEVI to AMARAWATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 06/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARNEET KAUR W/o SARWAN SINGH R/o C-1 STAFF QUARTER GURUDWARA MAJNU KA TILA CIVIL LINES NORTH DELHI-110054 have changed my name from NEETU KUMARI to PARNEET KAUR for all future purposes.That NEETU KUMARI and PARNEET KAUR both are the same person.

NAME CHANGE
I NIMALA YADAV legally wife of Army No Jc777554L, Rank - Sub, Name - Krishna Kant Yadav, of Unit - 247 Field Work Shop Salugaraha NJP, West Bengal, Presently Residing Post- TSL, Teh - Karchana, Dist- Prayagraj, State-UP, Pin- 211010 have changed my name from NIMALA YADAV to NIRMALA YADAV for all future purposes, vide affidavit dated 06/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Deep Ranjan Kumar S/o Shyam Nandan Singh Army No. 4285135Y, Rank - CHM Posted at 29 Bihar BN NCC, Patna Rajendra Nagar Pin - 800016 & Permanently Residing at Belaur Urf Baikurthpur Ragho, Vaishali, State - Bihar, Pin - 844111 have changed my Son's name from Dipansu Kumar to Deepanshu for all future purposes. My Son's Aadhar No. 846684947811. Vide Affidavit No. 656 Dated 16/09/2026 before The Notary Public at Patna Sadar (Patna) in presence of Advocate D. B. Kumar.

NAME CHANGE
I, DINESH KUMAR SHARMA S/O PHOOL SINGH R/O KHASRA NO-738 INAM VIHAR COLONY NEAR SABHA PUR LONI GHAZIABAD UP-201102 have changed my name to DINESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KANCHAN SHARMA W/O DINESH KUMAR R/O KHASRA NO-738 INAM VIHAR COLONY NEAR SABHA PUR LONI GHAZIABAD UP-201102 have changed my name to KANCHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUMIT KUMAR S/O GUROO PRASAD R/O E-2, HOUSE NO 190, SECTOR-4, MADAN GIRI DEVLI VILLAGE, NEW DELHI declare That my minor son name is mentioned in his school record as YESH VARMA instead of YASH VERMA. That I have to update/enter my minor son's name in his school record i.e. YASH VERMA.

NAME CHANGE
I, Jeetpal S/O:Ram Saran, R/O Daularajpur, Sikandrabad, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 203205, have changed the name of my minor son Bhoora aged 12 years and he shall hereafter be known as Rajeev.

NAME CHANGE
I, Debu, S/O Pyare Das, R/O F-1006, Tower- 1, Pyramid UB-2, Sector-86, Kherki Daula, Gurgaon, Haryana- 122004 have changed my name to Debu Mangta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajesh Singhwaya S/o Gopi Chand R/o A-295, Budh Nagar, Inderpuri, New Delhi-110012, have changed the name of my minor daughter Deepal Singhwaya aged 15 years and she shall hereafter be known as AARINI SINGHWAYA.

NAME CHANGE
I,NIGHAT W/O MOHD MURSALEEN R/O H NO-1011 HAVELI BAKHTAWAR KHAN MADRSA HUSSAIN BAKSH,BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO NIKHAT SULTANA

NAME CHANGE
I,WASEEM S/O MURSALIN R/O H NO-1011 HAVELI BAKHTAWAR KHAN MADRSA HUSSAIN BAKHS,BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD WASEEM

NAME CHANGE
I REKHA legally mother of Army no - 2815281 M Rank - RFN, Name - Londhe Rushikesh Maruti, Presently Residing At- Sangrul, Post - Sangrul Teh - Karvir, Dist - Kolhapur, State-Maharashtra, Pin -416204 have changed my name from REKHA to CHHAYA MARUTI LONDHE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/03/1976 instead of my correct date of birth as 01/01/1976 Vide affidavit dated 06/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-10304237L, Rank-HAV, Name-DEVENDRA SINGH TANWAR is legal father of HIMANK residing at PLOT NO-3, TARA NAGAR-B, JHOTWARA, JAIPUR, RAJASTHAN-302012, have changed my son's name from HIMANK to HIMANK SINGH TANWAR for all future purposes, vide Affidavit dated 06/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SSAHAB KHAN S/O SARDAR MOHAMMAD R/O VPO. SUDAKA TEHSIL NUH DISTT NUH HARYANA 122107 HAVE CHANGED MY NAME KHAN SAHAB FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, No-10304237L, Rank-HAV, Name-DEVENDRA SINGH TANWAR is legal father of UDAI TANWAR residing at PLOT NO-3, TARA NAGAR-B, JHOTWARA, JAIPUR, RAJASTHAN-302012, have changed my minor son's name from UDAI TANWAR to UDAY SINGH TANWAR for all future purposes, vide Affidavit dated 06/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, No-10304237L, Rank-HAV, Name-DEVENDRA SINGH TANWAR is legal father of UDIT TANWAR residing at PLOT NO-3, TARA NAGAR-B, JHOTWARA, JAIPUR, RAJASTHAN-302012, have changed my minor son's name from UDIT TANWAR to UDIT SINGH TANWAR for all future purposes, vide Affidavit dated 06/10/2026 before Notary Public Delhi.

Date of Birth Change
I MARUTI PANDURANG LONDHE legally father of Army no - 2815281 M Rank - RFN, Name - Londhe Rushikesh Maruti, Presently Residing At- Sangrul, Post - Sangrul Teh - Karvir, Dist - Kolhapur, State-Maharashtra, Pin -416204 in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1972 instead of my correct date of birth as 30/12/1972 vide affidavit dated 06/10/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Hardeep Singh alias Hardip S/O Mahendra Singh R/O Suthiyana, Kulesara Gautam Budh Nagar 201306 Have changed my name to Hardeep Singh Kamboj for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AMARJEET S/O LEKHRAJ SINGH R/O FLAT No 708, Tower Kadam -A Shalimar City, Ashok Vatika Wazirabad Road Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed the name of my minor son REON aged 13 years and he shall hereafter be known as REON ROYAL.

NAME CHANGE
I, AMARJEET S/O LEKHRAJ SINGH R/O FLAT No 708, Tower Kadam -A Shalimar City, Ashok Vatika Wazirabad Road Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed the name of my minor daughter DORIS aged 12 years and she shall hereafter be known as DORIS ROYAL.

NAME CHANGE
I, GULFASHA W/O MO AJAM R/O 52, Prem Nagar, Loni Dehat, Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201102 have changed the name of my minor son SAHIL aged 12 years and he shall hereafter be known as ARMAN.

NAME CHANGE
It is for general information that I MANKESHWAR KUMAR S/O SARV DEO PRASAD SINGH R/O A-7/6, E.W.S. Flat, O, O, Sector-71, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of my minor son has been wrongly written as ANURAG in my minor son namely ANURAG RAI aged 14 years his School Record. The actual name of my minor son is ANURAG RAI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I UJJAWAL KUMAR S/O SHAILENDRA CHAUDHARY R/O , A-4/444 PASCHIM VIHAR 110063 have changed my name to UJJAWAL CHAUDHARY Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I BANDNA SRIVASTAVA W/O BINOD KUMAR SRIVASTAV R/O PLOT NO - 156 KH NO 24/25/2 YAMUNOTRI ENCLAVE GOPAL NAGAR NAJAFGARH DELHI 110043 have changed my name to BANDANA SRIVASTAVA Permanently for all future purposes

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Lakshman Kumar S/o Mr. Nand Lal Verma is the owner of Freehold Residential Plot No. 35, area measuring 46.6 Sq. Yds., out of Khasra No. 43/23, situated in the area of Village Hastsal, Delhi State Delhi, Colony Known as Block-K-III, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 10.11.2025., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Meenakshi Gautam and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Laxmi Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client 1. Mr. Sanjay Garg S/o Mr. Ram Kumar Garg & 2. Mr. Vinod Shorey S/o Late Mr. Banwari Lal are the owner of Freehold Residential Plot No. 43-A, area measuring 33 Sq. Yds., out of Khasra No. 78/5, situated in the area of Village Hastsal, Delhi State Delhi, Colony Known as Mahesh Vihar, Part II (Hastsal Vihar), Uttam Nagar, New Delhi 110059. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 12.04.2026., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mrs. Masti Gupta and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

Public Notice
it is for general information that I, Ankit Kumar, s/o Radhe shyam Thakur, House no.08, Salarpur, Dadri Road, Near Swami Vivekanand Public School, Noida, Salarpur, PO: Baraula, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201304 declare that the name of mine has wrongly written as Gaurav Thakur in my Aadhar Card No.781597244156. The actual name of mine is Ankit Kumar. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, RAHUL S/O MAHAVEER SAINI R/O H NO-1456, GALI NO-3, WARD NO-28, NEW BASELWA COLONY, KHERI KALAN(113) FARIDABAD, HARYANA-121002 have changed my name to RAHUL SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE
I YADAV RAJMURAT RAMSURAT S/0 RAMSURAT YADAV R/0 293 A.KH.NO 21PANCH ENCLAVE COLONY CHHAPROLA GAUTAM BUDH NAGAR NOIDA UTTAR PRADESH CHANGED MY NAME TO RAJMURAT YADAV

NAME CHANGE
I, Mohd Aarif S/o Makbul Husain R/o H.No.T-88, Nafisa Masjid, Sarai Kale Khan, Hazrat Nizamuddin, Delhi-110013 have changed my name to Md. Arif Ansari.

NAME CHANGE
I Sanjay Kapoor S/o Krishan Kapoor R/o 17, Park Drive Malibu Town, Sector 47, South City 2, Gurgaon have changed my name to Kapil Kapoor for all future.

NAME CHANGE
I Mohammad IZRAIL S/O Sakil / D-1-119 Madan gir, Dr Ambedkar nagar, south Delhi 110062 changed My name to MOHD Izrail

NAME CHANGE
I NISHANT S/O HARISH ARORA R/O G-1/412 DAL MIL ROAD UTTAM NAGAR NEW DELHI - 110059:have changed my name to NISHANT ARORA Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I MOHMMAD ALI S/O FIMUDIN R/O H.NO 2542 PATEL NAGAR SONIPAT HARYANA 131001 have changed my name to MOHMAAD ALI Permanently for all future Purposes

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ram Babu Sharma** is purchasing the Entire Second floor, without roof rights, built up property bearing no. 4,5,6, out of Khasra no. 13 & 14, admeasuring 45 Sq. yards, situated at village hastsal, Delhi abadi colony known as Om Vihar, Phase-V, near Nawada lal Dora, Uttam Nagar, New Delhi- 110059 from **Mr. Ajay Kureel** who is the owner of the property vide **Notarized GPA, ATS and WILL dated 25.11.2025** and Intend to mortgage the said property with **Motilal Oswal Home Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Gulsana W/o Mohammad Shahrukh is the owner of Freehold Residential Vacant Plot of land area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.805 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 491, situated in the area of Village Ilaichipur, Pargana & Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 29.04.2026 duly regd. in the office of SR- Loni II, Ghaziabad, Vide Doc. No. 8544, in Book No. 1, Vol. No. 4687 on Pages No. 69 to 90, on dated 29.04.2026. & Rectification Deed dated 16.09.2026 duly regd. in the office of SR- Loni II, Ghaziabad, Vide Doc. No. 18074, in Book No. 1, Vol. No. 5195 on Pages No. 1 to 20 on dated 16.09.2026., in the chain Documents below mentioned documents not available i.e. Notarized ATS & Will dated 11.01.2025 executed by Mr. Om Prakash S/o Mr. Dalchand in favour of Mr. Rajendra Singh S/o Mr. Jile Singh., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, RESHMA W/o Dinesh Rawat R/o F-4, Plot No.11B, B1 Extn., Durga Mata Mandir, Sewak Park, Uttam Nagar, Delhi-110059 have changed my name from RESHMA to RESHMA RAWAT permanently.

NAME CHANGE
I, Jyotiji Lal alias Jyoti G lal W/O Hardeep Singh Kamboj R/O Suthiyana, Kulesara Gautam Budh Nagar 201306 Have changed my name to Jyoti Greesh Lall for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ASHIA KHANAM W/o Mohd Masid R/o Plot No.403-A, Second Floor, Gali No.4, Block-H, Raj Nagar-II, Delhi-110077 have changed my name to AASHIYA permanently.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mohammad Aslam S/o. Salamuddin R/o. C-871, Gali No. 5, Rishi Kardam Marg, Chauhan Bangar, New Seelampur, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Aslam.

NAME CHANGE
I, POONAM DEVI R/O VILLAGE CHAK-SIKANDAR, WARD NO-5, VAISHALI, BIHAR-844115. HAVE CHANGED MY NAME TO PUNAM DEVI.

NAME CHANGE
I, SARABJIT SINGH S/O JASWANT SINGH KHARBANDA R/O G-BLOCK,123,STREET NO-2, HARI NAGAR, WEST DELHI,DELHI-110058, HAVE CHANGED MY NAME TO SARAB JIT SINGH KHARBANDA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SARAB JIT SINGH KHARBANDA S/O JASWANT SINGH KHARBANDA R/O G-BLOCK, 123, STREET NO-2, HARI NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110058, HAVE CHANGE MY MINOR SON NAME FROM GURANSH KHARBANDA TO GURANSH SINGH KHARBANDA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, NAMAN VIJ, S/O AJAY VIJ, R/O WARD NO-11, NEAR DURGA MANDIR, JHAJJAR, HARYANA-124103, HAVE CHANGED MY NAME TO NAMAN FIR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कृष्णा भारद्वाज, खसरा नंबर 365Min में से 100 वर्ग गज (यानी 83.61 वर्ग मीटर) के खाली प्लॉट की मालकिन थीं। यह प्लॉट उन्हें श्री राजेंद्र प्रसाद शाह (पिता॰ श्री फूलो प्रसाद शाह) द्वारा श्रीमती कृष्णा भारद्वाज (पति॰ श्री शांति स्वरूप भारद्वाज) के पक्ष में 07.03.2011 को निष्पादित सेल डीड (बिक्री विलेख) के माध्यम से मिला था। यह डीड स्त्रह्र-द्वङ्क गाजियाबाद में 07.03.2011 को बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 17136, पेज 103-122 पर डॉक्यूमेंट नंबर 4812 के रूप में विधिवत पंजीकृत थी। इसके बाद, श्रीमती कृष्णा भारद्वाज का निधन हो गया। चूंकि श्रीमती कृष्णा भारद्वाज का SMC उपलब्ध नहीं था, इसलिए श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती आशा शर्मा, श्री विनोद भारद्वाज और श्री प्रमोद कुमार भारद्वाज (सभी श्री S.S. भारद्वाज की बेटियां और बेटे) ने श्री शांति स्वरूप भारद्वाज (पिता॰ श्री कन्हैया लाल) के पक्ष में 12.04.2024 को एक गिफ्ट डीड (उपहार विलेख) निष्पादित की, जो डॉक्यूमेंट नंबर 6582 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। इसके द्वारा यह बताया और पुष्टि की जाती है कि (i) श्रीमती उषा शर्मा (बेटी), (ii) श्रीमती आशा शर्मा (बेटी), (iii) श्री विनोद भारद्वाज (बेटा), (iv) श्री प्रमोद कुमार भारद्वाज (बेटा) और (1) श्री शांति स्वरूप भारद्वाज (पति) ही उनके एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी हैं, जो प्लॉट नंबर B-03 (क्षेत्रफल 100 वर्ग गज) पर बने रिहायशी सिंगल-स्टोरी (एक मंजिला) घर के मालिक बने। गाजियाबाद (.P.) जिले की लोनी तहसील और परगना के अंतर्गत आने वाले राजस्व गाँव सद्दुल्लाबाद में रूबी एन्क्लेव में स्थित खसरा नंबर 365Min से संबंधित जमीन (यार्ड्स, यानी 83.61 वर्ग मीटर); इसके बाद, श्री शांति स्वरूप भारद्वाज (पिता श्री कन्हैया लाल) द्वारा श्रीमती रानी देवी (पति श्री प्रेम सिंह) के पक्ष में 25.06.2024 को निष्पादित सेल डीड; उक्त संपत्ति श्री नरेश कुमार को बेची जानी है और इसके लिए स्स्न्नत इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/स्वामित्व या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near
HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mrs. Komal Baweja is the owner of Built-up Property Bearing No-A-159, on Second Floor Without Roof/Terrace Rights, Area Measuring 75 sq. Yds, Plot No.18/3, Old No. WZ-60, Part of Khasra No.7, situated in the Area of village Nangli Jalib, Colony Known As Ganesh Nagar, New Delhi-110018, Initially, Sale Deed 09.06.1955 Executed by Mr. Kala in Favour of Sardar Assa Singh Doc No.131 who expired on 08.08.1976 leaving Behind Legal Heirs (1) Mrs. Harbhajan Kaur (2) S. Ranjit Singh Maken (3) S. Prabhjot Singh (4) Mrs. Gharbir Kaur (5) Mrs. Gurbir Kaur .Later, Decree in Suit for Declaration Case No.138/77 dated 27.07.1977 in The Court of Sh. L. D. Malik (Plaintiff) Mrs. Harbhajan Kaur Versus (1) S. Ranjit Singh Maken (2) S. Prabhjot Singh (3) Mrs. Gharbir Kaur (4) Mrs. Gurbir Kaur (Defendant) in favour of Mrs. Harbhajan Kaur who expired on dated 21.06.2014 leaving Behind Legal Heirs (1) S. Ranjit Singh Maken (2) S. Prabhjot Singh (3) Mrs. Gharbir Kaur (4) Mrs. Gurbir Kaur Then, Relinquishment Deed 08.09.2014 Executed by (1) S. Ranjit Singh Maken (2) Mrs. Gharbir Kaur (3) Mrs. Gurbir Kaur in favour of S. Prabhjot Singh Doc No. 4200, Then, Rectification Deed 29.03.2016 Executed by (1) S. Ranjit Singh Maken (2) Mrs. Gharbir Kaur (3) Mrs. Gurbir Kaur in favour of S. Prabhjot Singh Doc No. 4685, (Regarding for as per Floor specify) Finally, Sale Deed 06.08.2019 Executed by S. Prabhjot Singh in favour of Mrs. Komal Baweja Doc No.16582, Book No.1, Volume No.4605, Page No. 59-65, SRO- IIB Janakpuri. That our abovementioned client intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 6/10/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, Surender Sharma S/O Jagmohan Sharma, A 66, Block A Badli Extensan, Badli Village. Libas Pur PO: Samai Pur Dist: North West Delhi Pin:110042 Have Changed My Name To Surender Kumar Sharma For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I Manish Kumar khanduja S/O Ram kishan,A-20/7 U.G.F Rana pratap Bagh Delhi pin 110007 Have changed My Name To Manish Kumar for All the future purposes.

NAME CHANGE
I, Nisha Chaudhary, W/O Anuj Sirohi, R/O House No A-40, Gali No 1, Harit Vihar, Sant Nagar, Burari, North Delhi, Delhi- 110084 have changed my name to Nisha Choudhary for all future purposes

NAME CHANGE
I, Preety Nagpal, W/O Pawan Kocher, R/O G-3/ 28, Model Town-3, Dr. Mukherjee Nagar, North West Delhi, Delhi- 110009 have changed my name to Preeti Kocher for all future purposes

NAME CHANGE
I, DINESH YADAV S/O BUDH YADAV R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021, declare that name of mine has been wrongly written as DINESH BISWAS in my son namely DEEP YADAV educational documents. The actual name of mine is DINESH YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ANITA YADAV W/O DINESH YADAV R/O A-81, T-HUTS, BLOCK-A, SANJAY CAMP, CHANAKYA PURI, DELHI-110021, declare that name of mine has been wrongly written as ANITA BISWAS in my son namely DEEP YADAV educational documents. The actual name of mine is ANITA YADAV, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री शहनवाज़ वारसी, संपत्ति संख्या A-97B, संपत्ति संख्या -96 के भाग, क्षेत्रफल 86 वर्ग गज, खसरा संख्या 489 में से, ब्लॉक॰, जवाहर पार्क, देवली रोड, खानपुर, नई दिल्ली में स्थित द्वितीय तल को श्री इश्तियाक हुसैन से खरीदने का इरादा रखते हैं, श्री इश्तियाक हुसैन उक्त संपत्ति के स्वामी हैं, जो उन्हें श्रीमती मंजू लता द्वारा दिनांक 11.02.2008 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विशेष मुख्तारनामा (SPA), विक्रय हेतु अनुबंध (Agreement to Sell) एवं वसीयतनामा (Will) के माध्यम से प्राप्त हुई है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों तथा अन्य तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त है। उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री इश्तियाक हुसैन के पास है, उपर्युक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए वित्तीय सहायता ditya Birla Housing Finance Limited, शाखा॰ गुरुग्राम द्वारा प्रदान की जानी है। अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल॰
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Kumkum Devi has agreed to create mortgage the described property in favour of My client AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, DELHI LAXMI NAGAR BRANCH, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Bhupendra Singh Son of Sh. Devi Singh have agreed to sell his property "Plot of Land Area Measuring 42 Sq. Yds., Out of Khasra No. 153MI, Situated at Harsharan Das Colony, Village Akbarpur Behrampur, Tehsil and District Ghaziabad" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/whosoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated: 07.10.2026
Place: Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I, SANDEEP KUMAR , S/O RAMDEV, R/O - L- 1 2864, GALI NO-31/5, SANGAM VIHAR, DEOLI, PO: DEOLI, SOUTH DELHI - 110062, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RUKHSANA BEGUM W/o MOHD ABBAS, R/o 12, BAGICHI BHARGAV LANE, BOULEVARD ROAD, CIVIL LINES, DELHI-110054, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as ROSHAN KHATUN and ABBAS KHAN in my Voter ID No. BR/31/182/150116. The actual name of mine and my husband are RUKHSANA BEGUM and MOHD ABBAS, respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with all other legal requirements in this connection.

Public Notice
It is for general information that I, Rajeev Aggarwal S/O Purushotam Lal Aggarwal R/O O-92, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, VTC: Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Puri, DIST: North West Delhi, Delhi - 110086, declare that name of mine has been wrongly written as Rajiv Kumar in my minor son Karan Aggarwal aged 15 years in his school records. The actual name of mine is Rajeev Aggarwal

NAME CHANGE
I, Km. Shabeela Khatoon W/O Shamim Akhtar Residence of B-88, Top Floor, Abul Fazal Enclave Part 2, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, Delhi 110025 have changed my name to Shabeela Khatoon.

NAME CHANGE
I, RANA W/O MOHD FIROZ KHAN R/O H NO-67/1, GALI NO-1, NAND RAM MOHALLA, BRAHAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to HABIBA for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सविता राणा पत्नी श्री संपाल, ग्राम देवला, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा संख्या 472मि में से कुल 113 वर्ग गज (लगभग 94.47 वर्ग मीटर) में से 56 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट को श्रीमती रीता से खरीदने का इरादा रखती हैं, श्रीमती रीता उक्त संपत्ति की स्वामिनी हैं, जो उन्हें श्रीमती बीरवती द्वारा निष्पादित दिनांक 26.04.2023 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त हुई थी, जिसका दस्तावेज संख्या 14486, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 23369, पृष्ठ संख्या 337-350, दिनांक 26.04.2023, उप-पंजीयक कार्यालय, दादरी में पंजीकृत है। संपत्ति की श्रृंखला (Property Chain) में विभाजन दस्तावेज (Partition Document) उपलब्ध नहीं है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक तथा अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के दावे एवं हितों से मुक्त है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद का वित्तपोषण वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड, शाखा॰ नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल॰
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रतिमा पत्नी श्री राजू शर्मा, ग्राम शाद खानपुर, नई दिल्ली स्थित फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या 688/335, भूमि क्षेत्रफल लगभग 80 वर्ग गज, खेवट संख्या 67, खतौनी संख्या 447 में से निर्मित भूतल (छत के अधिकार रहित) को श्रीमती राज गंगवानी पत्नी श्री बी.एस. गंगवानी से खरीदने का इरादा रखती हैं, श्रीमती राज गंगवानी उक्त संपत्ति की स्वामिनी हैं, जो उन्हें श्रीमती विनोद कुमारी पत्नी श्री सर्वनारायण द्वारा निष्पादित दिनांक 03.10.2001 की GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से प्राप्त हुई है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, ॠण, दावे तथा अन्य तृतीय पक्ष के अधिकारों से पूर्णत: मुक्त है, उपरोक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए वित्तीय सहायता VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD., शाखा॰ नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल॰
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में छोटे उद्योगों और दुकानों पर भी न्यूनतम मजदूरी का नियम अनिवार्य, श्रम विभाग ने बढ़ाई सख्ती... जानिए क्या है वजह

एजेंसी

बहादुरगढ़। चंडीगढ़- हरियाणा में छोटे प्रतिष्ठानों और दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मजदूरी के नियमों को सख्ती से लागू करने की तैयारी कर ली है। राज्य के श्रम विभाग ने इस दिशा में अपने तेवर कड़े कर दिए हैं और सभी संबंधित अधिकारियों को जमीनी स्तर पर इसका पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। श्रम आयुक्त ने राज्य के सभी उप श्रम आयुक्तों, सहायक श्रम आयुक्तोंऔर श्रम निरीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 9 अप्रैल को

जारी न्यूनतम मजदूरी की अधिसूचना को छोटे-बड़े हर संस्थान और प्रतिष्ठान में पूरी तरह से लागू कराया जाए। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के हर वर्ग के श्रमिक को उसका निर्धारित वेतन अधिकार स्वरूप मिल सके।

यह पूरा प्रशासनिक कदम पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लंबित एक महत्वपूर्ण कानूनी मामले से जुड़ा हुआ है। अदालत में चल रहे इस मामले के दौरान यह बात उठाई गई थी कि 9 अप्रैल को जारी न्यूनतम मजदूरी की अधिसूचना का पालन छोटे प्रतिष्ठानों में प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है, जिसके बाद विभाग हरकत में आया है।

छोटे प्रतिष्ठानों में न्यूनतम मजदूरी के क्रियान्वयन और इससे जुड़े मामलों को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को तय की गई है। अदालत की अगली तारीख से पहले श्रम विभाग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि नियमों की पालना में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

मरीजों की सुरक्षा से समझौता नहीं- सरकारी अस्पतालों में हाथ से लिखी लैब रिपोर्ट पर पाबंदी, टाइप या प्रिंटेड रिपोर्ट देना अनिवार्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में अब नियमित प्रक्रिया के तहत हाथ से लिखी लैब रिपोर्ट जारी नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों व प्रयोगशालाओं को टाइप या प्रिंट रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं। कुछ जिलों में हस्तलिखित रिपोर्ट जारी किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद विभाग ने यह कदम उठाया है। यह मामला मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी उठा था। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक (डीजीएचएस) की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हाथ से लिखी रिपोर्ट में गलती होने की आशंका रहती है। इससे जांच के नतीजों की गलत व्याख्या हो सकती है और मरीज की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। सभी सिविल सर्जनों को अपने जिलों में आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा अधिकारियों, लैब टेक्नीशियन और रिपोर्ट तैयार करने से जुड़े कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी देने को कहा गया है।

आपात स्थिति में ही हस्तलिखित रिपोर्ट जारी होगी

तकनीकी या सिस्टम में खराबी, आपात स्थिति अथवा किसी अन्य बाध्यकारी परिस्थिति में ही हस्तलिखित रिपोर्ट जारी की जा सकेगी। ऐसी स्थिति में रिपोर्ट जारी करने या हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी-कर्मचारी को लिखित वचन देना होगा कि रिपोर्ट में दर्ज परिणामों की सटीकता की जिम्मेदारी उसकी होगी। छूट को नियमित प्रक्रिया नहीं बनाया जा सकता।

हिसार : कैमरी रोड फायरिंग केस में पुलिस का एक्शन, 3 आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे; 2 युवकों पर बरसाई थी गोलियां...एक ने मौके पर तोड़ा दम

एजेंसी

हिसार । हिसार हिसार पुलिस ने कैमरी रोड के पास में हुई गोली चलने की घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन ने बताया की दिनांक 04 अक्टूबर की रात्रि को कैमरी रोड स्थित मिलन प्लेस के पीछे हथियारबंद युवकों द्वारा फायरिंग की गई थी। इस घटना में एक व्यक्ति की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, मृत व्यक्ति

पर भी पूर्व में 09 एवं घायल व्यक्ति पर पूर्व में 07 अभियोग दर्ज पाए गए थे जिनमें लड़ाई झगड़े, आर्म्स एक्ट एवं डकैती जैसी वारदातें शामिल है। उन्होंने बताया की घटना की गंभीरता को देखते हुए हिसार पुलिस द्वारा तीन विशेष पुलिस टीमें गठित की गई। गठित टीमों ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालने, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने तथा अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया।

पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश देते हुए मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किये गये आरोपियों की पहचान सुनील ,अमित व अमित के रूप में हुई है । गिरफ्तार व्यक्तियों पर लड़ाई झगड़े, हत्या, लूट, डकैती जैसी संगीन धाराओं के कुल 15 से अधिक मुकदमे दर्ज है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात के पीछे पुरानी रंजिश से जुड़े विवाद होने की आशंका है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में प्रयुक्त हथियारों एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस अधीक्षक हिसार सिद्धान्त जैन, आईपीएस ने कहा कि हिसार में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। गोलीबारी जैसी गंभीर वारदातों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हिसार पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं तथा घटना के पूरे घटनाक्रम, वारदात में प्रयुक्त हथियारों और इसके पीछे शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी जांच जारी है।

रोहतक : MDU में देर रात छात्रों का हंगामा, VC आवास की दीवार पर चढ़ नारेबाजी; बॉय होस्टल में कूलर पर 2 हजार जुर्माने का आरोप

एजेंसी

रोहतक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय एमडीयू में देर रात छात्रों ने जमकर हंगामा किया। बॉयज हॉस्टल में कूलर लगाने पर लगाए गए जुर्माने के विरोध में बड़ी संख्या में छात्र वीसी आवास के बाहर पहुंच गए। इस दौरान कुछ छात्र वीसी आवास की दीवार पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी की। हंगामे का वीडियो भी सामने आया है।

एमडीयू में देर रात उसे वक्त हंगामा हो गया जब गर्मी से बचने के लिए बॉयज हॉस्टल में छात्रों ने कूलर लगा दिया, जिसके बाद वार्डन ने छापेमारी कर छात्रों पर कूलर लगाने पर जुर्माना लगाया। इसके विरोध में छात्र एकत्रित हुए और एमडीयू के वीसी की आवास की दीवार पर चढ़कर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल में गर्मी से बचने के लिए उन्होंने अपने स्तर पर कूलर लगाए थे। इसके बाद वार्डन और हॉस्टल स्टाफ की ओर से छापेमारी कर कूलर पकड़े गए और छात्रों पर करीब 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। छात्रों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए जुर्माना वापस लेने की मांग की। देर रात छात्रों के प्रदर्शन के बाद एमडीयू प्रशासन भी हरकत में आया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले को सुलझाने के लिए 22 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी छात्रों की शिकायत और हॉस्टल में कूलर लगाने को लेकर बनी व्यवस्था की समीक्षा करेगी। फिलहाल छात्रों का कहना है कि गर्मी के बीच हॉस्टल में पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें कूलर लगाने पड़े। वहीं, प्रशासन की ओर से कमेटी के माध्यम से पूरे मामले की जांच कर समाधान निकालने की बात कही गई है।

फरीदाबाद : CNG भरवाने जा रहे थे तीन दोस्त, रास्ते में चलती टाटा नेक्सॉन कार बनी आग का गोला...ऐसे बची तीनों की जान

फरीदाबाद तिंगाव रोड़ स्थित श्मशान घाट के पास एक टाटा नेक्सॉन कार में अचानक आग लग गई। गाड़ी में बैठे तीन युवक इंजन से धुंआ निकलता देख बिना

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद तिंगाव रोड़ स्थित श्मशान घाट के पास एक टाटा नेक्सॉन कार में अचानक आग लग गई। गाड़ी में बैठे तीन युवक इंजन से धुंआ निकलता देख बिना देरी किए उतर गए। कुछ ही देर में देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग

पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक इस घटना में किसी प्रकार की कोई जन हानि नही हुई है। बल्लभगढ़ के आजाद नगर का रहने वाला मनीष अपनी टाटा नेक्सॉन कार लेकर रात को सीएनजी डलवाने के लिए सेक्टर 8 की तरफ जा रहा था। इसी दौरान वह भीकम कॉलोनी अपने दोस्त हिमांशु और कृष्णा को लेने के लिए गया था। जहां से वह उनको वापस लेकर सीएनजी पंप की तरफ जा रहा था। मनीष के मुताबिक अचानक इंजन से धुंआ निकलने लगा। जिसके बाद उन्होंने गाड़ी को फौरन वहीं पर रोक दिया और उससे नीचे उतर गए। कुछ ही देर में पूरी कार आग का गोला बना गई। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक हादसे में कोई जनहानि नही हुई है।

मामले की सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। शहर थाना पुलिस अधिकारी उमेश ने बताया कि चालक के मुताबिक ऐसा लग रहा है कि कार के८ष्ट में शाट-सर्किट होने के कारण लगी है। हादसे में किसी प्रकार की कोई जन-हानि नही हुई है।

फरीदाबाद : होटल में रोटी देने में हुई देरी तो जमकर चले चाकू, दोनों पक्ष के लोग हुए घायल; इलाके में दहशत

एजेंसी

फरीदाबाद । फरीदाबाद के गौंची इलाके में 'अल करीम'अल नाम के एक होटल/दुकान पर सिर्फ नान और रोटी को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि चाकूबाज़ी और मारपीट की नौबत आ गई। मामूली बात पर शुरू हुआ यह झगड़ा खूनी झड़प में बदल गया, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे बादशाह खान सिविल अस्पताल से इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया लेकिन उसके परिजन उसे पास के ही एक निजी रमे लेकर गए जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

पीड़ित आसिफ ने बताया कि उनकी 'अल अल करीम'अल नाम से होटल की दुकान है। वहां कुछ युवक नान-रोटी लेने आए थे। दुकान पर भीड़ होने के कारण आसिफ ने उनसे 5 मिनट रुकने के लिए कहा। इसी बात पर दबंग युवक भड़क गए और तुरंत रोटी देने का दबाव बनाते हुए गाली-गलौज करने लगे।

पीड़ित दुकानदार आसिफ ने बताया की एक लड़का रोटी लेने आया था उसने बोला बोला 5 मिनट रुक जाओ अभी देता हूँ। वो बोलने लगा पहले हमें रोटी दे, न पैसे दे रहा था न कुछ। फिर 4-5 जने इकट्ठे हो गए और गाली देने लगे। मना करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी और मेरे छोटे भाई मोहसिन को चाकू मार दिया।

वहीं आसिफ का आरोप है कि हमलावरों में अनवर और गोली नाम के युवक अपने अन्य 5-6 साथियों के साथ चाकू और लाठी-डंडों से लैस होकर आए थे। उन्होंने आसिफ के छोटे भाई मोहसिन पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इस मारपीट के दौरान आसिफ का कंधा उतर गया और नाक की हड्डी टूट गई।वहीं होटल संचालक दूसरे पीड़ित ने हमलावरों पर आरोप लगाते हुए कहा की आरोपी इलाके में जुआ और सट्टेबाज़ी जैसे गैर-कानूनी काम भी करवाते हैं और पहले भी ऐसी मारपीट कर चुके हैं।

बड़ा बदलाव: HPSC ने वापस लिया पुराना स्क्रीनिंग रिजल्ट, अब विषय ज्ञान परीक्षा के लिए इतने उम्मीदवार चयनित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने कृषि एवं किसान कल्याण पर विभाग में कृषि विकास अधिकारी (प्रशासनिक संवर्ग) के पदों की भर्ती का 14 नवंबर 2025 को जारी स्क्रीनिंग परीक्षा परिणाम वापस लेते हुए संशोधित नतीजा जारी किया है। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के 26 अगस्त 2025 के आदेश और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के 27 जनवरी 2026 के आदेश के आधार पर संशोधित परिणाम जारी किया है। आयोग ने अब 3778 अभ्यर्थियों को विषय ज्ञान परीक्षा के लिए अस्थायी रूप से शॉर्टलिस्ट किया है। जारी रोल नंबर मेरिट क्रम में नहीं बल्कि क्रमवार हैं। इन अभ्यर्थियों को

आगे की परीक्षा के लिए अन्य सभी पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। जारी आदेश में आयोग ने स्पष्ट किया है कि नया परिणाम कई लंबित अदालती मामलों के अंतिम फैसले के अधीन रहेगा। इनमें हाईकोर्ट में लंबित 12 रिट याचिकाएं और सुप्रीम कोर्ट में लंबित विशेष अनुमति याचिका शामिल हैं। आयोग ने परिणाम अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है और किसी भी त्रुटि को बाद में सुधारने का अधिकार सुरक्षित रखा है। ट्रेजरी ऑफिसर भर्ती... दो पदों का परिणाम घोषित

हरियाणा लोक सेवा आयोग ने वित्त विभाग में ट्रेजरी ऑफिसर और असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर भर्ती का संशोधित परिणाम जारी किया है। 16 मार्च 2026 को घोषित अंतिम परिणाम में अदालत में मामले लंबित होने के कारण तीन पद रिक्त रखे गए थे। अब आयोग ने इनमें से दो पदों पर उम्मीदवारों की सिफारिश की है। अनुशंसित अभ्यर्थियों के रोल नंबर 70443 और 77676 हैं। जारी आदेश में आयोग ने स्पष्ट किया कि सिफारिश लंबित अदालती मामलों के अंतिम फैसले के अधीन रहेगी। हाईकोर्ट में सात मामले और सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका लंबित है। असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर का एक यूआर-डीईएसएम पद अभी रिक्त रखा गया गया है। प्रतीक्षा सूची मुख्य सचिव कार्यालय के 7 जून 2024 के निर्देश के अनुसार तैयार होगी।

"जब तक न्याय नहीं, तब तक संघर्ष": अंकित बालियान हत्याकांड में खाप चौधरियों का बड़ा कदम, 7 को होगी आर-पार की वार्ता

एजेंसी

शामली। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर खाप चौधरी सात अक्तूबर को शामली पहुंचकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करेंगे। खाप चौधरियों ने वांछित आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पांच अक्तूबर तक पुलिस प्रशासन को समय दिया था।

गांव बंतीखेड़ा निवासी हरियाणवी गायक अंकित बालियान के पिता सतबीर फौजी ने बताया कि किसान भवन सिसौली में भाकियू के संस्थापक अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती के अवसर पर चार अक्तूबर से छह अक्तूबर तक धार्मिक कार्यक्रम चल रहा है।

छह इसमें भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत के व्यस्त होने के कारण अक्तूबर को प्रस्तावित अधिकारियों से वार्ता और खाप चौधरियों की बैठक अब सात अक्तूबर को होगी। अंकित के पिता सतबीर फौजी ने कहा कि परिवार को न्याय मिलने तक प्रयास जारी रहेंगे।

हरियाणवी गायक अंकित की 26 अगस्त को शामली में आर्यपुरी नाला पटरी पर जिम से बाहर निकलते समय फायरिंग कर हत्या कर दी थी।

एनआईटी-5 बाल सुधार गृह से भागे तीन शातिर किशोरों में से एक मानेसर से गिरफ्तार...हत्या जैसे गंभीर मामलों में थे बंद

एनआईटी-5 स्थित बाल सुधार गृह से भागे तीनों किशोरों के मामले में पुलिस जांच में सामने आया कि सुधार गृह से निकलने के बाद एक साथ तीनों ने पिकअप में लिफ्ट ली और फरीदाबाद की सीमा से बाहर निकल गए थे। क्राइम ब्रांच सेक्टर

एजेंसी

फरीदाबाद। एनआईटी-5 स्थित बाल सुधार गृह से भागे तीनों किशोरों के मामले में पुलिस जांच में सामने आया कि सुधार गृह से निकलने के बाद एक साथ तीनों ने पिकअप में लिफ्ट ली और फरीदाबाद की सीमा से बाहर निकल गए थे। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने तकनीकी सहायता और विश्वसनीय सूत्रों की मदद से एक किशोर को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से पकड़ लिया है। पकड़ा गया

किशोर वहां घूम रहा था और किसी अन्य स्थान पर जाने की योजना बना रहा था। गौरतलब है कि तीन अक्तूबर को तीनों किशोर बाल सुधार गृह के शौचालय की खिड़की उखाड़कर भाग गए थे। पुलिस आयुक्त ने इनकी तलाश की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 को सौंपी थी।

जांच में सामने आया कि तीनों किशोरों ने जिस समय भागने की कोशिश की, उस दौरान वहां तैनात सुरक्षाकर्मी किसी काम से दूसरे स्थान पर गए हुए थे। तीनों के खिलाफ नूंह, हिसार और गुरुग्राम में हत्या के मामले दर्ज हैं। इनमें से दो किशोर वर्ष 2024 से सुधार गृह में बंद थे, जबकि तीसरा वर्ष 2025 में यहां लाया गया था। अब पकड़े गए किशोर से पूछताछ कर उसके दोनों साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि पकड़े गए। किशोर से उसके दोनों साथियों के संभावित ठिकानों और भागने के रास्तों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

बृजेन्द्र के बाद अब गोकुल सेतिया के निशाने पर कुमारी सैलजा, बोले - 'सांसद जी को मुझसे क्या दिक्कत है, खुलकर बताएं'...

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी गुटबाज़ी और खींचतान एक बार फिर सतह पर आ गई है। सिरसा से विधायक गोकुल सेतिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पार्टी के बड़े नेताओं और स्थानीय सांसद पर सीधे निशाने साधे हैं। उन्होंने नियुक्तियों में अनदेखी किए जाने और पार्टी विरोधी गतिविधियों पर शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

गोकुल सेतिया ने अपनी पोस्ट में लिखा कि सिरसा में पार्टी के प्रभारी और प्रदेश प्रधान ने संगठन की नियुक्तियों के दौरान स्थानीय विधायक (खुद सेतिया) से सलाह करना भी ज़रूरी नहीं समझा। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उन्हें उचाना का प्रभारी बनाया जाता, तो क्या वे वहाँ के दावेदारों से बात नहीं करते?

स्थानीय सांसद पर हमला बोलते हुए सेतिया ने कहा कि उचाना की यात्रा के कुछ ही दिनों बाद वहाँ के नेताओं को सिरसा का प्रभारी बना दिया गया। उन्होंने कहा, क्या सांसद मैडम की अनुमति के बिना यह संभव है? इसमें कोई शक नहीं कि यह नियुक्ति सांसद जी की सहमति से ही हुई है, क्योंकि वे सीनियर नेता हैं। उन्होंने सीधा सवाल दागा कि सांसद जी को आखिर मेरे से क्या दिक्कत है, वे खुलकर बताएं।

जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों से उड़ानें महंगी, सरकार ने संभाला मोर्चा

पश्चिम एशिया संकट के चलते एटीएफ की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की रिकॉर्ड उच्च कीमतों ने नागर विमानन मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि मंत्रालय इस मुद्दे पर विमानन कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के साथ गहन बातचीत कर रहा है, ताकि बढ़ते परिचालन लागत के बोझ को कम किया जा सके। नायडू ने बताया कि एटीएफ किसी भी एयरलाइन की कुल परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत होता है। इसकी लगातार बढ़ती कीमतों के कारण एयरलाइंस को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी के मद्देनजर, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने हाल ही में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की थी। इंडिगो ने बताया कि पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति के बाद से एटीएफ की कीमतों में मासिक आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो इसे पिछले एक दशक के उच्चतम स्तर पर ले गई है। मंत्रालय का लक्ष्य इन चुनौतियों का समाधान निकालना है।

टाटा स्टील को घरेलू इस्पात मांग में 8-10 फीसदी वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील के एक प्रमुख अे धिकारी ने मंगलवार को अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भारत की घरेलू इस्पात मांग में 8-10 प्रतिशत की ठोस वृद्धि देखने को मिलेगी। राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) की संगोष्ठी से इतर उन्होंने इस्पात खपत वाले सभी क्षेत्रों की मजबूती को इस सकारात्मक दृष्टिकोण का कारण बताया। उन्होंने इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्रों की मजबूत स्थिति को बताया, जिससे भारतीय इस्पात उद्योग के लिए एक बेहद सकारात्मक माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा` कि मांग 8-10 प्रतिशत होनी चाहिए, क्योंकि इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्र काफी मजबूत हैं। इसलिए हम इस्पात उद्योग की संभावनाओं को लेकर काफी सकारात्मक हैं। प्रस्तावित नीदरलैंड परियोजना पर उन्होंने बताया कि कंपनी बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर से पहले स्थानीय सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। इसमें कोक ओवन बंद करने और इस्पात स्लैग के वर्गीकरण व प्रबंधन जैसे प्रमुख मुद्दों को हल किया जाना है। टाटा स्टील नीदरलैंड के आईजेमुइडेन स्थित अपने 70 लाख टन वार्षिक क्षमता वाले संयंत्र में कम कार्बन उत्सर्जन वाली प्रक्रियाओं को अपनाकर उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत घटाने और मार्जिन सुधारने पर केंद्रित है।

भारतीय सेवा क्षेत्र में आया बूम, सितंबर में वृद्धि 3 महीने के उच्चतम स्तर पर

मजबूत घरेलू और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग से मिला समर्थन

नई दिल्ली ।

भारत के सेवा क्षेत्र ने सितंबर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण (एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई) के आंकड़ों के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग और नए ऑर्डर में तेजी ने इस क्षेत्र की वृद्धि को महत्वपूर्ण समर्थन दिया है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त के 54.1 से बढ़कर सितंबर में 55.2 हो गया, जो जून के बाद गतिविधियों में सबसे तेज बढ़ोतरी का संकेत देता है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का औसत पिछली अवधि के स्तर से ऊपर नहीं जा सका और मार्च 2022 तक के तीन महीनों के बाद सबसे कमजोर रहा।

सेवा क्षेत्र की यह तेजी डिजिटल समाधान, खाद्य, बीमा, ऋण, सॉफ्टवेयर, परिवहन और पर्यटन एवं यात्रा सहित कई क्षेत्रों में बढ़ती मांग से प्रेरित है। इसके अतिरिक्त, भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार देखा गया, जिसमें जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों से नए ऑर्डर मिले। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने पुष्टि की कि घरेलू और निर्यात मांग दोनों ने सेवा क्षेत्र के सुधार को गति दी है। रोजगार के मोर्चे पर, बेहतर ऑर्डर और आगामी परियोजनाओं के कारण सेवा प्रदाताओं ने सितंबर में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की, हालांकि वृद्धि की दर अगस्त की तुलना में धीमी रही। इस बीच, कच्चे माल की लागत का दबाव भी कम हुआ है, जिससे बिक्री कीमतें बढ़ाने की आवश्यकता में कमी आई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 685, निफ्टी 220 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार सप्ताह के दूसरे करोबारी दिन भी बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआईढ्ढ) की मौद्रिक नीति समीक्षा के परिणामों के पहले निवेशकों ने जमकर खरीदारी की जिससे भी बाजार ऊपर आया है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत संकेतों से भी घरेलू बाजार को बल मिला है।

इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक सेंसक्स 685.34 अंक की बढ़त के साथ ही 73,067.81 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 220.35 अंक बढ़कर 22,776.10 के स्तर पर बंद हुआ।

आज फार्मा और केमिकल के साथ ही प्राइवेट बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी रही।

दूसरी ओर आईटी शेयरों में मुनाफावसूली रही। जिससे निफ्टी आईटी इंडेक्स आज सबसे ज्यादा टूटने वाला सेक्टर बना। निफ्टी के शेयरों में ट्रेंट, बीएसई और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले शेयरों में

शामिल रहे।

वहीं छोटे और मझोले शेयरों में भी तेजी रही। मुख्य सूचकांकों के साथ-साथ छोटे और मध्यम कंपनियों के शेयरों में भी भारी उछाला देखा गया। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ने मुख्य सूचकांकों में भी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 120.22 अंक चढ़कर 72,535.41 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 47.15 अंक की बढ़त के साथ 22,603.10 अंक पर रहा। वहीं आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार कर रहे थे। इसके अलावा रसायन, ऊर्जा, वित्तीय सेवाओं और सीमेंट क्षेत्र के शेयर भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

रुपया सपाट बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 96.36 पर तकरीबन सपाट बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख और डॉलर सूचकांक में कमजोरी ने रुपये को निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.29 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को 10 पैसे टूटकर 96.35 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 102.12 पर रहा।

एलन मस्क फिर ट्रिलियनेयर क्लब में, 1 ट्रिलियन डॉलर पार हुई नेटवर्थ

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयरों में उछाल से संपत्ति में भारी वृद्धि

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एलन मस्क ने एक बार फिर अपनी संपत्ति से दुनिया को चौंका दिया है। उनकी नेटवर्थ का आंकड़ा फिर से 1 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 92 लाख करोड़ रुपये) को पार कर गया है। यह उपलब्धि उनकी कंपनियों, विशेषकर टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल का परिणाम है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार सोमवार को मस्क की कुल संपत्ति 65 अरब डॉलर बढ़कर 1.04 ट्रिलियन डॉलर हो गई। भारतीय मुद्रा में यह आंकड़ा लगभग 92 लाख करोड़ रुपये और एक दिन का इजाफा करीब 5.7 लाख करोड़ रुपये बैठता है। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा टेस्ला और स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी (98 फीसदी से अधिक) से आता है। इन्हीं कंपनियों के शेयरों में हालिया तेजी ने उन्हें फिर इस मुकाम पर पहुंचाया है। गौरतलब है कि मस्क ने जून में पहली बार यह आंकड़ा छुआ था, लेकिन बाद में शेयरों में गिरावट से उनकी नेटवर्थ कम हो गई थी। अब तीन महीने बाद उन्होंने जोरदार वापसी की है। अक्टूबर की शुरुआत से स्पेसएक्स के शेयरों में लगभग 13 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में करीब 6.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्पेसएक्स की यह तेजी अगस्त के निचले स्तरों से 58 फीसदी की रिकवरी दर्शाती है, जिसे मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों का भी समर्थन मिला है। वहीं टेस्ला की तीसरी तिमाही की उम्मीद से बेहतर बिक्री रिपोर्ट ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे शेयरों में उछाल आया।

भारत-ईएफटीए टेपा का एक साल पूरा, व्यापार बाधाएं हटाने को बनेगा विशेष समूह

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को लागू हुए एक साल पूरा हो चुका है। इस महत्वपूर्ण मौके पर, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष समूह गठित करने पर सहमति जाहिर की है। यह समूह दोनों देशों के बीच कारोबार बढ़ाने में आ रही बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपायों पर चर्चा करेगा।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के बीच हुई हालिया बातचीत में टीईपीए के तहत चल रहे सहयोग और इसके क्रियान्वयन में हुई प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। सचिव जॉर्ज ने कहा कि इस समझौते के तहत दोनों पक्षों की ओर से किए गए वादों के क्रियान्वयन में संतोषजनक प्रगति हुई है।

सिबी जॉर्ज ने बताया, दोनों पक्षों ने विशेष समूह गठित करने पर सहमति जाहिर की है, जो व्यापार और निवेश को और बढ़ावा देने तथा दोनों देशों के बीच मौजूद किसी भी अड़चन को दूर करने से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा करेगा। भारत-ईएफटीए टीईपीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में हस्ताक्षरित हुआ था। ईएफटीए में स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय के सचिव ने बताया कि स्विस राष्ट्रपति परमेलिन 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाले प्रॉस्पेरिटी समिट में भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन भारत-ईएफटीए के लागू

होने की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। जॉर्ज ने कहा, प्रॉस्पेरिटी समिट भारत और ईएफटीए देशों के नीति-निर्माताओं तथा कारोबार जगत को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने परमेलिन की स्विट्जरलैंड के फेडरल काउंसलर फॉर इकोनॉमिक अफेयर्स, एजुकेशन एंड रिसर्च के रूप में टीईपीए वार्ताओं में व्यक्तिगत भूमिका को भी रेखांकित किया। टीईपीए के अलावा, भारत और स्विट्जरलैंड के बीच आर्थिक संबंधों से परे विज्ञान, अंतरिक्ष, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। स्विट्जरलैंड यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के कार्यक्रमों का हिस्सा है और द्विपक्षीय स्तर पर भी अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाया गया है, जिसका प्रमाण 2024 में स्विस शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार राज्य सचिव का इसरो दौरा है। परमेलिन की मौजूदा भारत यात्रा इसी व्यापक साझेदारी को और मजबूत करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

कर्नाटक में बीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

आबकारी राजस्व में बंपर उछाल

बेंगलुरु ।

शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से जबरदस्त कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे क्वार्टर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य कारण बीयर और इंडियन मेड लिकर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है।

कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में बीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स बीयर बेची गई, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69 प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। बीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इंडियन मेड लिकर (आईएमएल) की बिक्री में भी वृद्धि हुई, हालांकि यह बीयर जितनी तेज नहीं रही। इस दौरान 171.69 लाख केस बॉक्स आईएमएल बिकी, जो पिछले साल के 169.12 लाख केस बॉक्स से 1.52 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएल से सरकार को 9,033.21 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष के 7,968.69 करोड़ रुपये से 13.36 प्रतिशत अधिक है। लाइसेंस फीस और जुर्माने जैसे अन्य स्रोतों से प्राप्त राजस्व लगभग स्थिर रहा, जो 1,099.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

अदाणी पावर और भूटान ने 770 मेगावाट जलविद्युत परियोजना पर किए हस्ताक्षर

- निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद

मुंबई ।

अदाणी पावर और भूटान की सरकारी बिजली कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) ने भूटान में 770 मेगावाट की चामखारछू-1 जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए एक शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय भूटान के झेमगांग जिले में चामखारछू नदी पर स्थित यह परियोजना, भूटान की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने और क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग मजबूत करने का लक्ष्य रखती है। यह दोनों साझेदारों के बीच दूसरी बड़ी जलविद्युत परियोजना है। भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन दाशो शेरिंग तोबगे की उपस्थिति में हुए इस समझौते के तहत, परियोजना बीओटी (बनाओ-चलाओ और सौंप दो) मॉडल पर अदाणी पावर (49 फीसदी) और डीजीपीसी (51फीसदी) की साझेदारी से विकसित होगी। इसकी रियायत अवधि वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से 30 साल होगी। निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है, और इसे छह साल के भीतर चालू करने का लक्ष्य है। अदाणी पावर के एक अे धिकारी ने कहा कि यह परियोजना ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करेगी, कार्बन उत्सर्जन घटाएगी और गर्मियों में अतिरिक्त हरित बिजली भारत को निर्यात करने में सहायक होगी।

घरेलू इस्पात मांग में बड़ी उछाल की उम्मीद- टाटा स्टील

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने घरेलू इस्पात उद्योग के लिए एक सकारात्मक तस्वीर पेश की है।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में देश में इस्पात की मांग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है। इसके साथ ही, उन्होंने नीदरलैंड स्थित संयंत्र के प्रस्तावित परिवर्तन कार्यक्रम को लेकर डच सरकार से जारी बातचीत की भी जानकारी दी।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) की संगोष्ठी 2026 से इतर भारतीय इस्पात उद्योग की संभावनाओं पर बात करते हुए यह अनुमान लगाया।

उन्होंने बताया कि इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्र काफी मजबूत स्थिति में हैं, जिससे इस्पात उद्योग की संभावनाओं को लेकर कंपनी काफी सकारात्मक है।

प्रस्तावित नीदरलैंड परियोजना के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि कंपनी वहां की सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है ताकि बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कुछ अहम मुद्दों को सुलझाया जा सके।

इन मुद्दों में कोक ओवन को बंद करना और इस्पात स्लैग का वर्गीकरण एवं प्रबंधन शामिल हैं। टाटा स्टील का नीदरलैंड के आईजेमुइडेन में लगभग 70 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला एक इस्पात संयंत्र है। कंपनी का लक्ष्य इस संयंत्र में कम कार्बन उत्सर्जन वाली उत्पादन प्रक्रियाएं स्थापित कर लागत कम करना, उत्पाद मिश्रण एवं मार्जिन बेहतर बनाना है।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सितंबर में बढ़कर रिकॉर्ड 4.27 लाख इकाई पहुंची- फाडा

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों में भी जोरदार उछाल

मुंबई ।

सितंबर में भारत के वाहन खुदरा बाजार ने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल डीलर्स (फाडा) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 25,36,920 इकाई पर पहुंच गई। फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने यात्री वाहन बिक्री 32.1 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,27,213 इकाई रही। दोपहिया वाहनों की मांग भी 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई तक पहुंच गई, जबकि तिपहिया वाहनों की बिक्री 22.25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,32,570 इकाई दर्ज की गई। वाणिज्यिक वाहनों ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिनकी बिक्री 37.62 प्रतिशत बढ़कर 1,03,557 इकाई हो गई। फाडा के एक अे धिकारी ने इस प्रदर्शन को भारतीय वाहनों की खुदरा बिक्री के लिहाज से अब तक का सबसे अच्छा सितंबर बताया। उन्होंने कहा कि फाडा द्वारा ट्रैक की जाने वाली छह में से पांच श्रेणियों ने इस बार रिकॉर्ड स्तर पर बिक्री दर्ज की है।

8वें वेतन आयोग से बढ़ेगा कर्मचारियों का बैंक बैलेंस, लाखों के एरियर की तैयारी!

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है। केंद्र सरकार हर 10 साल में एक वेतन आयोग का गठन करती है, और चूंकि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से प्रभावी थीं, जिसका कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, इसके बाद 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इसका अर्थ यह है कि जब भी नया वेतन आयोग आधिकारिक तौर पर लागू होगा, कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से लेकर लागू होने की तारीख तक का पूरा अंतर एकमुश्त एरियर के रूप में मिलेगा।

वर्तमान में, वेतन आयोग देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर कर्मचारी यूनियनों और पेंशनभोगियों से उनके काम और वेतन संबंधी सुझाव ले रहा है। आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट जमा करने के लिए 18 महीने का समय मिलेगा, जिसका मतलब है कि यह रिपोर्ट मई 2027 के आसपास केंद्र सरकार को सौंपी जा सकती है। इसके बाद, सरकार मंत्रियों के एक समूह का गठन करेगी जो सिफारिशों की समीक्षा करेगा, और अंत में केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में अतिरिक्त 3 से 6 महीने लग सकते हैं, जिससे अंतिम लागू होने की तारीख 2027 के अंत तक जा सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होने के कारण, कर्मचारियों को लगभग 20 से 24 महीनों का मोटा एरियर प्राप्त होगा।

आप समझते हैं कि 50,000 रुपये की मूल सैलरी पर एरियर की गणना कैसे होगी। मान लीजिए किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है और उस 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिल रहा है, तब उसकी कुल सैलरी 80,000 रुपये (50,000 + 30,000) होगी। अगर सरकार 8वें वेतन आयोग के तहत 2.57 का फिटमेंट फैक्टर चुनती है, तब नई बेसिक सैलरी बढ़कर 1,28,500 रुपये हो जाएगी। इस स्थिति में, मौजूदा सैलरी से मासिक अंतर 48,500 रुपये का होगा।

वाणिज्य मंत्री ने अमेरिकी दिग्गजों को भारत में निवेश का न्योता दिया

न्यूयॉर्क में प्रमुख कंपनियों के सीईओ से मुलाकात

वॉशिंगटन ।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में वैश्विक बीमा, प्रौद्योगिकी और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने इन कंपनियों को भारत में उपलब्ध अपार अवसरों का लाभ उठाने और अपने संबंधित क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया, खासकर बीमा, वित्तीय सेवाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में देश की बढ़ती क्षमता को रेखांकित करते हुए।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में एआईए ग्रुप के चेयरमैन मार्क टकर, मेटलाइफ के अध्यक्ष मिशेल ए. खलाफ, जनरल अटलांटिक के चेयरमैन विलियम ई. फोर्ड और आईबीएम के चेयरमैन अरविंद कृष्णा से अहम बैठकें कीं। गोयल ने एआईए और मेटलाइफ के साथ अपनी चर्चा में भारत के व्यापक नियामकीय सुधारों और बढ़ती बीमा कवरेज मांग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि '2047 तक सभी के लिए बीमा' की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप, भारत वैश्विक बीमा कंपनियों के लिए दीर्घकालिक वृद्धि का एक आदर्श मंच प्रदान करता है। मंत्री ने भारत के तेजी से बढ़ते बीमा एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विशाल प्रतिभा उपलब्धता को भी रेखांकित किया, जो सहयोग के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

जनरल अटलांटिक के साथ बैठक में गोयल ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था से पैदा हो रहे निवेश अवसरों का लाभ उठाने और द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। आईबीएम के चेयरमैन अरविंद कृष्णा के साथ उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर बात की।

इसमें भारत की बड़ी प्रतिभा क्षमता और तेजी से बढ़ते डिजिटल उपयोग का लाभ उठाकर वैश्विक समाधान विकसित करने पर जोर दिया गया। गोयल ने अमेरिकी कारोबारियों और भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

मोदी के 25 वर्ष : निर्णायक नेतृत्व से बदलते भारत तक

विनोद सिंह 'तकियावाला'

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक ढाई दशक की शासन-यात्रा, कैबिनेट के फैसलों में दिखाई देती नीति-निरंतरता और विकसित भारत के संकल्प की कहानी...

भारत की राजनीति में ढाई दशक का समय किसी भी नेतृत्व की कार्यशैली, सोच और प्रशासनिक क्षमता को परखने के लिए पर्याप्त होता है। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन के 25 वर्ष पूरे होना इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दिशा तय करने वाले नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। इस लंबे कालखंड को केवल चुनावी सफलताओं के आधार पर नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, नीतिगत फैसलों और उनके दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखना अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की शासन शैली की एक प्रमुख विशेषता निर्णय लेने की स्पष्टता रही है। कैबिनेट की बैठकें इसी प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक कैबिनेट निर्णय अपने आप में केवल एक सरकारी प्रस्ताव की स्वीकृति नहीं होता, बल्कि वह सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का संकेत भी देता है। कैबिनेट ब्रीफिंग के माध्यम से जब सरकार अपने निर्णयों को देश के सामने रखती है तो उसमें अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, शिक्षा, रोजगार, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, विज्ञान-तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों की समग्र तस्वीर दिखाई देती है।

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

2014 के बाद केंद्र सरकार की कार्यशैली में कैबिनेट के फैसलों को मिशन आधारित दृष्टिकोण से जोड़ने की कोशिश स्पष्ट दिखाई दी। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता, उज्ज्वला से रसोई गैस, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, जल जीवन मिशन से नल से जल और डिजिटल इंडिया से डिजिटल सेवाओं तक अनेक योजनाओं ने शासन को सीधे नागरिकों के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

मोदी सरकार की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को समयबद्ध कार्यक्रमों में बदलने की रही है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा और विकसित भारत 2047 जैसे अभियानों में इसी सोच की झलक मिलती है। हाल के वर्षों में कैबिनेट के निर्णयों में भी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, रेलवे और राजमार्गों का विस्तार करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को गति देने पर लगातार जोर दिखाई देता है।

भारत के बुनियादी ढांचे में आया परिवर्तन इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। रेलवे के आधुनिकीकरण से लेकर समर्पित माल गलियारों, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, नए हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तक विकास का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हुआ है। कैबिनेट द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के बाद उनके क्रियान्वयन की निगरानी और समयबद्ध पूरा करने पर भी सरकार का जोर रहा है। इससे शासन में केवल घोषणा के बजाय परिणाम को महत्व देने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है। ऊर्जा क्षेत्र में भी पिछले वर्षों में नीति का फोकस बदलता दिखाई दिया है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हुआ है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसे कार्यक्रम भारत को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की कोशिश हैं। यह परिवर्तन केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार, निवेश और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा हुआ है।

डिजिटल शासन ने भी मोदी युग की प्रशासनिक पहचान बनाई है। आधार, मोबाइल और बैंक खाते के त्रिकोण से लेकर डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन विस्तार तक तकनीक को शासन का माध्यम बनाया गया। कोविड-19 के कठिन दौर में डिजिटल प्रणालियों ने सरकारी सहायता, टीकाकरण और भुगतान व्यवस्था को बड़े पैमाने पर संचालित करने में भूमिका निभाई। आज भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना मॉडल दुनिया में चर्चा का विषय है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी पिछले 25 वर्षों की यात्रा को अलग दृष्टि से देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में निवेश और वैश्विक संपर्क पर जोर देने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत की कूटनीतिक पहुंच को व्यापक बनाया। भारत ने एक ओर अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए, वहीं दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी सक्रिय संबंध बनाए रखे। जी-20 की अध्यक्षता और भारत की वैश्विक भूमिका ने इस कूटनीतिक विस्तार को नई पहचान दी।

मोदी के शासन के 25 वर्ष केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों और फैसलों का मूल्यांकन निरंतर होना चाहिए। रोजगार, कृषि आय, सामाजिक असमानता, महंगाई, संस्थागत जवाबदेही और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन जैसे सवाल लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने रहेंगे। यही लोकतंत्र की शक्ति है कि उपलब्धियों के साथ चुनौतियों पर भी चर्चा होती रहे।

फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ढाई दशक तक लगातार सत्ता और शासन की जिम्मेदारी संभालने वाले भारतीय नेताओं की सूची बहुत छोटी है। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन इसलिए भी विशिष्ट है कि उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर लंबे समय तक प्रशासन चलाया है। मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त अनुभव ने प्रधानमंत्री के रूप में उनकी शासन शैली को प्रभावित किया और प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त राष्ट्रीय अनुभव ने भारत की विकास यात्रा को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया।

आज कैबिनेट ब्रीफिंग में जब किसी नई परियोजना, नीति या सुधार की घोषणा होती है तो उसके पीछे केवल तत्कालीन आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करने वाली सोच भी दिखाई देती है। यही कारण है कि कैबिनेट के फैसलों को मोदी के 25 वर्षों के शासन-अनुभव से जोड़कर देखना उपयोगी है। इन फैसलों में निरंतरता, विस्तार और भविष्य की तैयारी–तीनों तत्व दिखाई देते हैं।

ढाई दशक की यह यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य सामने है। अगले वर्षों में भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने, विनिर्माण और तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती है। इन लक्ष्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती हैं और शासन व्यवस्था कितनी जवाबदेह तथा जनकेंद्रित रहती है। नरेंद्र मोदी के शासन के 25 वर्षों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में दीर्घकालिक लक्ष्य, निर्णायक निर्णय और प्रशासनिक निरंतरता को एक साथ जोड़ने की कोशिश की है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा दिल्ली तक पहुंची और अब उसका लक्ष्य विकसित भारत है। कैबिनेट के निर्णय इस यात्रा के तत्कालीन पड़ाव हैं, जबकि 2047 का संकल्प उसकी दीर्घकालिक मंजिल।

इसलिए मोदी के 25 वर्ष केवल एक राजनीतिक उपलब्धि का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शासन व्यवस्था में आए बदलावों को देखने की एक महत्वपूर्ण खिड़की हैं।आने वाला समय इन फैसलों और नीतियों के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन करेगा, लेकिन यह निर्विवाद है कि पिछले 25 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति और शासन की कार्यशैली पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

संपादकीय

जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत 'कैरी मी बैक' अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है। उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं।

जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

रूस की लैब में प्लेग के वायरस-सुरक्षा चूक या जैविक युद्ध की तैयारी?

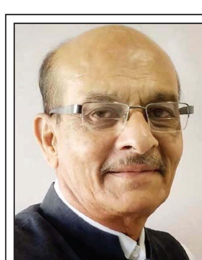

सनत जैन

रूस के साइबेरिया मे इरकुत्स्क स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय, प्रयोगशाला कर्मचारी दार्या शिपिलोवा की मौत ने दुनिया का ध्यान एक बार फिर हाई-कंटेनमेंट लैबोरेटरीज और जैव-सुरक्षा की ओर खींचा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है, काम के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से भरी टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। उसके बाद महिला गंभीर रूप से बीमार हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को निगरानी में रखे जाने की खबर सामने आई है। यहां सबसे जरूरी बात है, घटना को लेकर विरोधाभासी जानकारी मिल रही है। रूसी स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोशपोटरेबनादर का कहना है, महिला की मौत का कारण अभी ्रअज्ञात निमोनियाह्व के वायरस हैं। जांच में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्म जीव की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना, कि टेस्ट ट्यूब टूटने से ही प्लेग संक्रमण हुआ। उसी से महिला की मौत हुई, फिलहाल यह स्थापित तथ्य नहीं है। फिर भी सवाल गंभीर है। यरसिंया पेस्ट्रीस नामक बैक्टीरिया ही प्लेग का कारण है। यह सामान्यतः छोटे स्तनधारियों और उनके पिस्सुओं में पाया जाता है। प्लेग का न्यूमोनिक रूप संक्रमित व्यक्ति से निकलने वाले श्वसन कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। समय पर एंटीबायोटिक उपचार मिलने पर इसका इलाज संभव है। लेकिन इलाज में देरी अत्यंत घातक हो सकती है। जो मौत का कारण बन सकती है।

यही कारण है, दुनिया में ऐसी प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। हालिया वैज्ञानिक मैपिंग के अनुसार दुनिया में 3,625 बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशालाएं चिन्हित की गई हैं। इनमें 3,515 बीएसएल-3 और 110 बीएसएल-4 की उन्नत सुविधाएं वाली लेब हैं। बीएसएल-4 को अधिकतम स्तर की जैव-सुरक्षा वाली प्रयोगशाला माना जाता है। जहां अत्यधिक गंभीर जोखिम वाले बैक्टीरिया और वायरस के साथ तरह-तरह का प्रयोग किया जाता है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी लैब में खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया पर शोध होना, जैविक हथियार बनाने का प्रमाण नहीं माना जाता है। संक्रामक रोगों की पहचान, वैक्सीन, दवाओं, निदान और महामारी की तैयारी के लिए ऐसे शोध आवश्यक होते हैं। इसी की आड़ में जैविक हथियारों का एक नया खेल शुरू हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं उच्च- संक्रमण जोखिम वाले जैविकों के सुरक्षित अध्ययन के लिए जोखिम- आकलन और कड़े जैव-सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर नियम भी बनाता है। दूसरी तरफ इस चिंता को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता है, दुनिया में बढ़ते सैन्य तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन के बीच की प्रतिस्पर्धा, वैश्विक अविश्वास के दौर में जैविक अनुसंधान की पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय निगरानी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के 1972 का बायोलॉजिकल वेपन्स कान्वेंशन जैविक एवं रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, हस्तांतरण, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। कोविड-19 के बाद दुनिया ने यह भी जाना है, किसी प्रयोग शाला की छोटी-सी सुरक्षा चूक से वास्तव में संक्रमण बाहर निकल जाए, तो उसका प्रभाव केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहता। हालांकि रूस की मौजूदा घटना को कोविड या वुहान लैब से जोड़ने का अभी कोई प्रमाण सामने नहीं आया है।

इसी तरह 2021 में ताइवान की किसी लैब में कर्मचारियों के संक्रमण को रूस की घटना के साथ जोड़ना भी बिना ठोस प्रमाण के उचित नहीं होगा। फिर भी चिंता इस बात की है, अमेरिका ने इराक के ऊपर रासायनिक हथियारों का जखीरा होने और रासायनिक हथियारों की आशंका पर हमला किया था। युद्ध में इराक को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। वर्तमान स्थिति में जैविक हथियारों को लेकर भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई दिख रही है] जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबक यही है, खतरनाक रोग-जनकों पर शोध बंद करना समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है। जैविक प्रशिक्षण में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र निरीक्षण, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निगरानी को मजबूत करना ही समस्या का समाधान हो सकता है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा, मानव जीवन बचाने के लिए बनाई गई प्रयोगशालाएं स्वयं मानवता के लिए खतरा न बन जाएं। रूस की घटना में जांच का निष्कर्ष चाहे जो निकले, एक सवाल पूरी दुनिया के सामने खड़ा है, क्या 21वीं सदी में परमाणु हथियारों की तरह जैविक अनुसंधान मे अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही और निगरानी को अनिवार्य बनाने का समय आ गया है? दुनिया के शक्तिशाली देशों में जिस तरह की होड देखने को मिल रही है। ज्यादा से ज्यादा पैसा और ज्यादा से ज्यादा प्रभाव की यह लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात दिखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के शोध पर विशेष निगरानी की जरूरत है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सभी देशों को इस मामले में एकजुट होना चाहिए।

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया?

नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने माफी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की?

असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था।

क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलितों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजूद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ ्रमायावती के भतीजेह्व नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती।

देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी।

ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया।

लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सामने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कही जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए? युवा वोटरों को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था?

यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का ठीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं? क्योंकि मान लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा? वह किसी दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा।

यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लाने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं।

इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। कांशीराम ने परिवार की राजनीति नहीं की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अब पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले आगे किया गया। फिर हटाया गया। ईशान आनंद को जिम्मेदारी मिली। फिर आकाश को वापस लाया गया। दीपिका आनंद के नाम की चर्चा भी सामने आई। कभी कहा गया कि परिवार के किसी सदस्य को राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और फिर घटनाक्रम कुछ ही समय में दूसरी दिशा में जाता दिखाई दिया।

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन कार्रवाई के एक साल बाद लाओस का नागरिक रिहा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई के तहत एसवातिनी भेजे गए लाओस के नागरिक फोन चोमसावन को रविवार को एक साल से अधिक समय बाद अधिकतम सुरक्षा वाली जेल से रिहा कर दिया गया। उनके वकील टिन थान गुयेन के अनुसार, चोमसावन को जुलाई 2025 में चार अन्य प्रवासियों के साथ एसवातिनी भेजा गया था, जबकि उनका इस अफ्रीकी देश से कोई संबंध नहीं था। उन्हें सैन्य मालवाहक विमान से वहां पहुंचाए जाने से कुछ समय पहले ही बताया गया था कि उन्हें एसवातिनी भेजा जा रहा है। वकील के मुताबिक, चोमसावन अब लाओस भेजे जा रहे हैं और एसवातिनी से निकलकर जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। पांचों प्रवासियों ने अमेरिका में गंभीर अपराधों की सजा पूरी कर ली थी। मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स फर्स्ट के अनुसार, तीसरे देश भेजने की इस योजना के तहत करीब 500 प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अफ्रीकी देशों में भेजा गया है। एसवातिनी को 5.1 करोड़ डॉलर का भुगतान किया गया।

ईरान की दो-टूक, सात शर्तें पूरी हों तभी खुलेगा होर्मुज; गालिबाफ

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर होर्मुज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ जून में हुए अंतरिम समझौते में तय सात शर्तें पूरी होने तक होर्मुज को दोबारा नहीं खोला जाएगा। गालिबाफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान को अपने कूटनीतिक प्रस्ताव पर वाशिंगटन का जवाब मिले कुछ दिन हो चुके हैं। गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका सार्वजनिक रूप से कुछ और कहता है, जबकि हाल में उसने मध्यस्थ के जरिये प्रस्ताव भेजे हैं। अब प्रक्रिया को लंबा खींचने और एकतरफा मांगें थोपने का दौर खत्म हो चुका है। ईरान का रुख स्पष्ट है। इस्लामाबाद में हुए समझौते के आधार पर तय सात शर्तें पूरी होने के बाद ही होर्मुज को जहाजों की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलमार्ग में एक बार फिर मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

जोखिमों की अनदेखी पर ओपनएआई के सेफ्टी लीडर रॉबिन्सन का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के सेफ्टी सिस्टम्स टीम के प्रमुख डेविड रॉबिन्सन ने पद से इस्तीफा दे दिया है। रॉबिन्सन ने जाते-जाते कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस्तीफे के साथ ही एक लेख भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि एआई कंपनियां नई और शक्तिशाली तकनीकों को विकसित करने में बिल्कुल भी सावधानी नहीं बरत रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के मामले में गलतियां करके सीखने का दौर अब खत्म हो चुका है, क्योंकि अब एक छोटी सी विफलता भी विनाशकारी हो सकती है। रॉबिन्सन ने आरोप लगाया कि सिलिकॉन वैली और ओपनएआई में बिना सोचे-समझे केवल आगे बढ़ने का एक 'अंधा आशावाद' चल रहा, जो इस खतरनाक तकनीक के लिए एक असुरक्षित माहौल तैयार कर रहा है। रॉबिन्सन ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एजेंट्स स्वायत्त हो रहे हैं, उनके लिए विमानन या परमाणु संयंत्रों जैसी सख्त और बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां अपनाई जानी चाहिए।

श्रीलंका में राष्ट्रपति की माफी रद्द होने के बाद बौद्ध भिक्षु को हिरासत में भेजा गया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने रविवार को बौद्ध भिक्षु गलागोडा अट्ठे ज्ञानसारा को हिरासत में भेज दिया। कई सप्ताह तक फरार रहने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी राष्ट्रपति से मिली माफी रद्द किए जाने के करीब एक महीने बाद हुई। सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवादी नेता और बोदु बाला सेना यानी फोर्सेज ऑफ बुद्धिस्ट पावर के प्रमुख ज्ञानसारा को शनिवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। सितंबर में शीर्ष अदालत द्वारा उनकी 2019 की राष्ट्रपति माफी को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बाद से वह अधिकारियों से बच रहे थे। 2018 में ज्ञानसारा को अदालत की अवमानना और राजनीतिक कार्टूनिस्ट प्रगीत एकनालिगोडा की पत्नी संध्या एकनालिगोडा को आपराधिक धमकी देने का दोषी ठहराया गया था।

ब्राजील चुनाव: पहले दौर में लूला से आगे रहे फ्लावियो बोल्सोनारो, 25 अक्टूबर को होगा दूसरा मुकाबला

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में 98.81 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने तक बोल्सोनारो को 47.24 प्रतिशत वोट मिले, जबकि लूला को 44.91 प्रतिशत वोट हासिल हुए। पहले दौर में दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से आगे रहे। हालांकि, वह सीधे जीत के लिए जरूरी 50 प्रतिशत वोट हासिल नहीं कर सके। अब दोनों उम्मीदवारों के बीच 25 अक्टूबर को दूसरे दौर का मुकाबला होगा। ब्राजील की चुनाव व्यवस्था के मुताबिक, पहले दौर में जीतने के लिए किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करना जरूरी है। दोनों में से कोई भी इस आंकड़े तक नहीं पहुंच सका, इसलिए अब दोनों दूसरे दौर में आमने-सामने होंगे। पहला दौर फ्लावियो बोल्सोनारो के लिए मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है। वह ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। पूर्व दक्षिणपंथी नेता जायर बोल्सोनारो पिछले चुनाव के नतीजे को सैन्य तख्तापलट के जरिए पलटने की नाकाम कोशिश की साजिश रचने के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 27 साल की जेल की सजा काट रहे हैं। पहले दौर का मुकाबला शुरू से ही करीबी रहने की उम्मीद थी। हालांकि, चुनाव प्रचार के दौरान ओपिनियन पोल में लूला मामूली बढ़त बनाए हुए थे। इसके बावजूद फ्लावियो बोल्सोनारो का प्रदर्शन उम्मीद से

बेहतर रहा और इससे दूसरे दौर से पहले ब्राजील की राजनीतिक तस्वीर काफी बदल गई है। पहले दौर के नतीजे बोल्सोनारो के लिए फायदेमंद भी साबित हो सकते हैं, क्योंकि दूसरे दौर में जगह नहीं बना पाने वाले कई उम्मीदवार दक्षिणपंथी खेमे से थे। अगर बोल्सोनारो इन उम्मीदवारों के समर्थकों का वोट अपने पक्ष में लाने में कामयाब रहते हैं, तो 25 अक्टूबर के मुकाबले में यह अहम साबित हो सकता है।

वहीं, लूला अब अपने मौजूदा वोटरों का समर्थन बनाए रखने के साथ-साथ उन लोगों को भी अपने पक्ष में लाने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने पहले दौर में बाहर हो चुके उम्मीदवारों को वोट दिया था। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिणपंथी खेमे को ब्राजील की सत्ता में आने से रोकने की होगी। ब्राजील के चुनाव पर पूरे लैटिन अमेरिका की नजर है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र के कई देशों में दक्षिणपंथी नेता राष्ट्रपति चुने गए हैं। इनमें से कई नेताओं के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ करीबी राजनीतिक रिश्ते हैं। यही वजह है कि ब्राजील में दूसरे दौर का चुनाव सिर्फ देश के अंदर ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अहम माना जा रहा है। 25 अक्टूबर को लूला और फ्लावियो बोल्सोनारो के बीच होने वाला मुकाबला तय करेगा कि ब्राजील में वामपंथी नेतृत्व जारी रहेगा या लैटिन अमेरिका के कुछ हिस्सों में बढ़ते दक्षिणपंथी रुझान के बीच देश की सत्ता भी दक्षिणपंथ की ओर जाएगी।

ट्रंप के सामने खड़े होने का लूला को फायदा : कभी बेहद लोकप्रिय रहे लूला के तीसरे कार्यकाल में उनकी लोकप्रियता और समर्थन में काफी गिरावट आई है। लेकिन अमेरिका के सामने मजबूती से खड़े होने से उन्हें फायदा मिला है। उनके पास अब भी समर्थकों का एक मजबूत आधार है। ये समर्थक मानते हैं कि उनकी सामाजिक नीतियों से लाखों ब्राजीलियाई लोगों की जिंदगी बेहतर हुई है। मौजूदा राष्ट्रपति लूला ने ब्राजील के चुनाव में अमेरिकी दखल के खतरे की बात कई बार कही है। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील से होने वाले सामान के निर्यात पर भारी टैरिफ लगाया है। उसने ब्राजील के राजदूत का वीजा भी रद्द किया है।

अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के एक जज पर भी प्रतिबंध लगाया है। यही जज जेर बोल्सोनारो की जांच की अध्यक्षता कर रहे थे। इसी जांच के बाद बोल्सोनारो को सजा सुनाई गई। रविवार को मतदान करने के बाद लूला ने पत्रकारों से कहा कि दोबारा चुने जाने पर उन्हें 'हमने जो किया है, उसका दोगुना करना होगा'। उन्होंने पहले दौर में ही जीत हासिल करने का भरोसा भी जताया।

लेकिन लूला के सामने कड़ी चुनौती है। देश में लोगों के लिए चीजें खरीदना महंगा हो रहा है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार का एक मामला भी सामने आया है। इसमें वही जज घिरे हैं, जिन्होंने जेर बोल्सोनारो के खिलाफ जांच का नेतृत्व किया था।

साओ पाउलो की इंस्पर यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर कार्लोस मेलो ने कहा, कुछ हफ्ते पहले लूला के अभियान से जुड़े कई लोगों को इतनी मुश्किल चुनावी स्थिति की उम्मीद नहीं थी। अब उनके लिए साफ है कि मौजूदा चुनाव एक कठिन लड़ाई है।

रूस के ड्रोन हमलों के बीच कीव पहुंचे जर्मन चांसलर मर्जः एक अरब यूरो की मदद का एलान

कीव, एजेंसी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने रविवार को कहा कि जर्मनी को डराकर यूक्रेन के समर्थन से पीछे नहीं हटाया जा सकता। उन्होंने कीव की यात्रा के दौरान यूक्रेन के लिए 1 अरब यूरो यानी करीब 1.1 अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद का एलान किया। मर्ज की यह यात्रा ऐसे समय हुई, जब रूस ने कीव पर ड्रोन हमले किए। मर्ज और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने चार साल से जारी युद्ध में मारे गए सैनिकों के स्मारक का दौरा किया। इस दौरान यूक्रेन की राजधानी में बार-बार हवाई हमले के सायरन और धमाकों की आवाज सुनाई दी। दोनों नेता विज्ञान अकादमी भी गए। पिछले हफ्ते यहां हुए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हुई थी। रूस ने हाल के हफ्तों में कीव और यूक्रेन के दूसरे शहरों पर ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों में दूरसंचार, बिजली और परिवहन ढांचे के साथ-साथ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। जेलेंस्की के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्ज ने कहा कि मॉस्को यूक्रेन के लोगों का हौसला तोड़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र की मरम्मत के लिए 350 मिलियन यूरो की मदद का भी एलान किया। मर्ज ने कहा कि जर्मनी यूक्रेन का सबसे मजबूत समर्थक बना हुआ है।

मर्ज ने कहा, हम ऐसा सिर्फ यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए नहीं कर रहे हैं। हम यह अपने हित में भी कर रहे हैं, क्योंकि यह यूरोप की सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि रूस साइबर हमले और दुष्प्रचार अभियान चला रहा है। ये हमले यूरोप की लोकतांत्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहे हैं। मर्ज ने कहा, यह दिखाता है कि हम डरने वाले नहीं हैं। रूस ने हाइब्रिड युद्ध के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। रूस का कहना है कि ये आरोप रूस विरोधी उन्माद का नतीजा हैं। अधिकारियों ने बताया कि मर्ज के साथ जर्मनी की कंपनियों के अधिकारी भी यूक्रेन गए थे। इन अधिकारियों ने यूक्रेन सरकार और कारोबारों के साथ 16 समझौते किए। इन समझौतों की कुल कीमत करीब 6.5 अरब यूरो है। इनमें यूक्रेन ने जर्मनी की कंपनी डील डिफेंस के साथ आईआरआईएस-टी एयर डिफेंस मिसाइलों की आपूर्ति का समझौता किया। इसके अलावा, हेंसोल्ड्ट के साथ रडार उपकरण और क्वांटम सिस्टम्स के साथ जेट ड्रोन इंटरसेप्टर की आपूर्ति का समझौता हुआ। जेलेंस्की ने क्वांटम सिस्टम्स की ओर से बनाए गए नए जेट ड्रोन इंटरसेप्टर की तारीफ की। इसका नाम एसपीवाईएस बताया गया है। उन्होंने कहा कि इसके नतीजे उम्मीद के मुताबिक अच्छे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और जर्मनी एक बड़े रक्षा समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। उन्होंने पहले कहा था कि इस समझौते में ड्रोन, मिसाइल और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर का उत्पादन शामिल होगा। गर्मियों से रूस हर दिन यूक्रेन के नागरिक और सैन्य ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों में दर्जनों तेज रफ्तार जेट इंजन वाले ड्रोन इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

जापान में बवाल: ओकिनावा में महिला की हत्या के आरोप में अमेरिकी मरीन गिरफ्तार

टोक्यो , एजेंसी। जापान के ओकिनावा में एक स्थानीय महिला की कथित हत्या और लूट के मामले में एक अमेरिकी मरीन को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद जापान में खासकर ओकिनावा के लोगों में भारी नाराजगी है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी को लेकर पहले से असंतोष के बीच इस घटना ने विवाद को और बढ़ा दिया है। ओकिनावा प्रीफेक्चरल पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय अमेरिकी मरीन को शनिवार तड़के नाहा शहर के एक होटल में 39 वर्षीय महिला की हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। आरोपी फुतेंमा एयर स्टेशन पर तैनात है। उस पर महिला का बटुआ और बैकपैक ले जाने का भी आरोप है। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो के अनुसार, महिला का शव होटल के कमरे में मिला। शुरुआती जांच में आशंका है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला के साथ होटल में प्रवेश करता दिखाई दिया। कुछ समय बाद वह अकेले होटल से बाहर निकला। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात नाहा के मनोरंजन क्षेत्र में आरोपी को अकेले घूमते हुए देखा गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ओकिनावा के नवनिर्वाचित गवर्नर जेंता कोजा ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना से ओकिनावा के लोगों को बड़ा झटका लगा है और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों में डर बढ़ गया है। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों के अनुशासन और प्रशिक्षण पर भी सवाल उठाए। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने भी घटना को बेहद दुखद और गंभीर अपराध बताया। उन्होंने कहा कि जापान सरकार ने अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। साथ ही जांच में पूरा सहयोग देने, अमेरिकी सैनिकों पर कड़ा अनुशासन लागू करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की मांग की गई है। विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने अमेरिकी राजदूत जॉर्ज ग्लास को तलब कर घटना पर जापान का आक्रोश जताया।

ट्रम्प के कामकाज से 70% अमेरिकी संतुष्ट नहीं: मिडटर्म चुनाव हार सकते हैं ट्रम्प

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं।

एपी-एनओआरसी सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 30% अमेरिकी ट्रम्प के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रूवल रेटिंग 26% है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17% है। 65% से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों के लिए ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं।

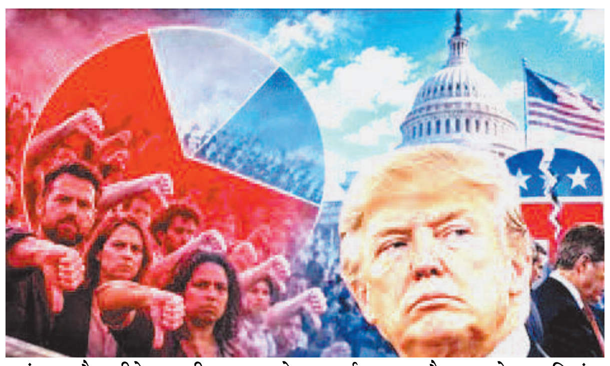

ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ कई रिपब्लिकंस : आयोवा से सांसद और सीनेट उम्मीदवार एश्ले हिंसन और मिशिगन के सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। दोनों पहले ट्रम्प की सैन्य कार्रवाई के समर्थक थे। आयोवा के सांसद जैक नन और मैरियानेट मिलर-मीक्स ने ट्रम्प की युद्ध शक्तियां सीमित करने के लिए डेमोक्रेट्स के साथ वोट किया। फ्लोरिडा की सांसद मारिया ने ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन नीति पर सवाल उठाए हैं। कई उम्मीदवारों ने कहा है कि वे ट्रम्प का प्रचार नहीं चाहते। रिपब्लिकन उम्मीदवारों की बेचैनी के पीछे सबसे बड़ा कारण अर्थव्यवस्था है। 24 से 28 सितंबर के एपी-एनओआरसी सर्वे में केवल 17% अमेरिकियों ने कहा कि वे ट्रम्प के जीवनयापन की लागत संभालने के तरीके से संतुष्ट हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रूवल रेटिंग सिर्फ 26% रही, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65% से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मान रहे हैं। 64% का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रम्प जरूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है कि वे महंगाई के खिलाफ प्रचार तो करना चाहते हैं, लेकिन व्हाइट हाउस में अपनी ही पार्टी के राष्ट्रपति की आर्थिक नीतियों से खुद को पूरी तरह अलग भी नहीं कर सकते। ट्रम्प से दूरी बनाने वालों की सूची में गवर्नर पद पर लड़ रहे विस्कॉन्सिन के टॉम टिफनी, एरिजोना के एली क्रेन और जॉर्जिया के रिक जैक्सन जैसे नाम शामिल हैं। सांसदों से जुड़े चेहरों में जॉर्जिया की मार्जरी टेलर, केंटकी के जेम्स कोमर, ओहायो के जिम जॉर्डन और साउथ कैरोलिना की नैन्सी मेस हैं। ये लंबे समय तक ट्रम्प के समर्थक रहे हैं। ओहायो गवर्नर चुनाव में भारतवंशी विवेक रामास्वामी के लिए बड़ी परीक्षा बन गया है। ट्रम्प ने 2024 में यह राज्य 11 पॉइंट से जीता था, लेकिन 24 से 27 सितंबर के मैरिस्ट सर्वे में डेमोक्रेट एमी एक्टन 50% समर्थन के साथ रामास्वामी से 44% से आगे हैं। इसी सर्वे में ट्रम्प का अप्रूवल 42% रहा। 41% वोटर्स ने कहा कि चुनाव में उनका वोट मुख्य रूप से ट्रम्प के खिलाफ होगा।

क्या साइबेरिया में फैला प्लेग?: 28 साल की महिला रिसर्चर की मौत से उठे सवाल, 200 लोगों को किया गया क्वारंटीन

मास्को, एजेंसी। रूस के साइबेरिया इलाके में एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में कथित लैब हादसे के बाद एक महिला कर्मचारी की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। घटना इरकुत्स्क के पास शेलखोव स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की बताई जा रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि संक्रमण किस बीमारी या किस रोगाणु का है। रूस की सरकारी संस्था रोस्पोत्रेबनादजोर ने इसे 'अज्ञात कारण वाली निमोनिया' का मामला बताया है, जबकि एक स्थानीय अधिकारी ने आशंका जताई कि महिला की मौत प्लेग से हुई हो सकती है। लैब कर्मचारी की मौत के बाद शुरू हुई जांच रूसी सरकारी समाचार

एजेंसी टी ए एस एस के मुताबिक, घटना के बाद संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने जरूरी कदम उठाए हैं। मरने वाली कर्मचारी की उम्र 28 साल बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, उसे ऐसी निमोनिया थी जिसका कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। रूस की उपभोक्ता अधिकार और मानव स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोस्पोत्रेबनादजोर ने कहा कि इरकुत्स्क क्षेत्र, इरकुत्स्क शहर और शेलखोव में फिलहाल स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। संस्था ने यह भी बताया कि एंटी-प्लेग इंस्टीट्यूट के एक कर्मचारी के मामले को लेकर विशेष सैनिटरी और महामारी नियंत्रण उपाय किए गए हैं। प्लेग की आशंका ने बढ़ाई चिंता पड़ोसी क्षेत्र बुर्यातिया के प्रमुख अलेक्सी त्सिदेनोव ने इससे पहले कहा था कि 28 वर्षीय महिला की मौत 'संभवतः प्लेग' से हुई है। हालांकि, उन्होंने साथ ही साफ किया कि बुर्यातिया में प्लेग का कोई प्रकोप नहीं है। इस बयान के बाद इलाके में चिंता बढ़ गई, लेकिन रूसी अधिकारियों ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि महिला की मौत वास्तव में प्लेग से हुई थी। इरकुत्स्क के गवर्नर इगोर कोबजेव ने शुक्रवार को लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय एंटी-एपिडेमिक आयोग की एक आपात बैठक हुई, जिसमें रूस के मुख्य सरकारी स्वास्थ्य अधिकारी भी शामिल हुए। कोबजेव के मुताबिक, बैठक एक ऐसे व्यक्ति में 'बेहद खतरनाक संक्रमण के संदिग्ध मामले' के कारण बुलाई गई थी।

इस्राइली सेना की कार्रवाई: युद्धविराम के बीच खान यूनिस में हमला, हमास के कमांडर समेत दो लड़ाके ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार (स्थानीय समय) को कहा कि उसने गाजा पट्टी के खान यूनिस इलाके में अलग-अलग हमलों में हमास की मिलिट्री विंग के एक कमांडर और ग्रुप की ऑब्जर्वेशन यूनिट के एक लड़ाके को मार गिराया।

टेलीग्राम पर एक बयान में, आईडीएफ ने कहा कि उसने रविवार को पहले खान यूनिस इलाके में हमला किया। हमास की मिलिट्री विंग के कमांडर मुआद जमाल अबू नुसेरा को मार गिराया। इसमें कहा गया है कि शनिवार को एक अलग हमले में, उसने महमूद इब्राहिम डिब अलयान को मार गिराया, जिसे उसने हमास की ऑब्जर्वेशन यूनिट का लड़ाका बताया। आईडीएफ के अनुसार,अलयान की पहचान हाल ही में 'येलो लाइन' इलाके में आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ गतिविधियों को आगे बढ़ाने और हमास की क्षमताओं को बहाल करने के लिए काम करने वाले व्यक्ति के तौर पर हुई थी। आईडीएफ ने कहा कि यह युद्धविराम समझौते का व्यवस्थित उल्लंघन था।

आईडीएफ ने कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कदम उठाए गए थे, जिसमें सटीक हथियारों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल शामिल था।आईडीएफ ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार दक्षिणी कमान के तहत सैनिक इलाके में तैनात हैं और वे उन खतरों के खिलाफ अभियान जारी रखेंगे जिन्हें उसने 'तत्काल खतरे' बताया है। आईडीएफ ने क्या आरोप लगाया? इससे पहले, आईडीएफ ने कहा कि उसने खान यूनिस इलाके

में भी हमला किया और साक्र नबील मूसा कैसी को मार गिराया, जिसे उसने हमास का नुखबा लड़ाका बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी 7 अक्तूबर के नरसंहार के दौरान इस्राइली इलाके में घुस आया था। इसके साथ ही आरोप लगाया कि वह तुर्की संगठन 'डेनिज फेनेरी' का डायरेक्टर भी था, जो खुद को मानवीय सहायता संगठन बताता है। लेकिन असल में हमास लड़ाके संगठन के सीनियर नेताओं और तुर्की नेतृत्व के कुछ लोगों के साथ संबंध रखता है। आईडीएफ ने आगे आरोप लगाया कैसी, 'संगठन में अपनी भूमिका के तहत, वह लड़ाके नियमित रूप से कई लड़ाको को काम पर रखने और हमास के लड़ाके को आर्थिक मदद देने का काम करता था। संगठन और उसके वरिष्ठ नेता अपनी गतिविधियों को मानवीय प्रयासों के तौर पर पेश करते हैं, लेकिन असल में वे हमास लड़ाके संगठन की मदद के लिए फंड जुटाने को बढ़ावा देते हैं।' आईडीएफ ने इस कथित गतिविधि को हमास की सैन्य गतिविधियों में मदद के लिए मानवीय क्षेत्र का गलत इस्तेमाल बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी ने युद्ध के दौरान उसके सैनिकों और इस्राइली नागरिकों के खिलाफ गतिविधियां तेज़ की थीं। हमास की क्षमताओं को फिर से बनाने का काम किया था।

ईरान के साथ टकराव ट्रंप के कार्यकाल के बाद भी रह सकता है जारी, पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ब्रेट मैकगर्क ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ चल रहा टकराव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाकी कार्यकाल के दौरान जारी रह सकता है और अगली अमेरिकी सरकार को भी इससे निपटना पड़ सकता है। वहीं, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरह का दबाव बनाए हुए है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के कोऑर्डिनेटर रहे ब्रेट मैकगर्क ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ किसी बड़े और पूरी तरह समाधान वाले समझौते का फिलहाल कोई साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक दबाव, बीच-बीच में सैन्य टकराव और कुछ समय के लिए सीजफायर होने की संभावना जताई। मैकगर्क ने सीएनएन के फरीद जकारिया से कहा, 'अगर मुझे अनुमान लगाना हो, तो यह मामला ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के आखिर तक चलता रहेगा और फिर अगले राष्ट्रपति को भी ईरान की इस पुरानी समस्या से निपटना होगा। जिमी कार्टर के समय से ही लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की इस व्यवस्था से जुड़ी चुनौती का सामना किया है।'

उन्होंने कहा, 'यह लंबे समय से चली आ रही समस्या है। मैंने खुद अलग-अलग सरकारों के

दौरान इससे जुड़े मामलों पर काम किया है। मैकगर्क के मुताबिक, सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद से मिडिल ईस्ट में ताकत का संतुलन 'बुनियादी तौर पर' बदल गया है। उन्होंने इसके बाद ईरान से जुड़े दो सैन्य अभियानों का जिक्र किया। इनमें ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' और इस साल 28 फरवरी से शुरू हुआ मौजूदा संघर्ष शामिल है। मैकगर्क ने कहा कि उनकी एक चिंता यह है कि हालिया संघर्ष की शुरुआत ऐसे मकसद से हुई, जिसमें सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य साफ तौर पर खुला रखा गया था। 'एक बार जब आप इस रास्ते पर आगे बढ़ जाते हैं, तो फिर यह तय करना बहुत मुश्किल हो सकता है कि इस टकराव को आखिर खत्म कैसे किया जाए।' मैकगर्क ने कहा कि उन्हें तब तक इस संघर्ष का कोई साफ अंत नजर नहीं आता, जब तक ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अपने तौर-तरीकों और नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं करती या फिर यह व्यवस्था किसी समय बिखर नहीं जाती। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति आने में अभी काफी समय लगेगा।' फिलहाल मैकगर्क ने लंबे समय तक टकराव जारी रहने की संभावना जताई। 'मुझे लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं, जो कुछ समय तक चलने वाला है। ईरान पर भारी आर्थिक दबाव रहेगा। बीच-बीच में दोनों तरफ से सैन्य कार्रवाई हो सकती है। कभी-कभी कुछ समय के लिए सीजफायर या अंतरिम समझौते भी हो सकते हैं। मैकगर्क के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई बड़ा समझौता होना और भी मुश्किल नजर आता है। उन्होंने कहा कि तेहरान में फैसले लेने वाले अधिकारी शायद ईरान के परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने की स्थिति को अपने लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बेहद मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रखे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फेस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिनमें कहा गया है कि अमेरिका खाड़ी देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

चेहरे को निखारती आईब्रोज

आंखों की खूबसूरती के किस्से और कहानियां कई हैं, लेकिन इस खूबसूरती को बनाए रखने या बढ़ाने के लिए कोशिश भी करनी पड़ती है। आंखें न केवल खूबसूरती के लिए हैं बल्कि ये हमारे अंदर की भावनाओं को भी जाहिर करती हैं। आंखों की बात करते समय हम अक्सर आईब्रोज के महत्व को भूल जाते हैं, जबकि आंखों में डैंड्रफ, पसीना या अन्य छोटे कण जाने से आईब्रोज ही बचाती हैं। मोटे आईब्रोज को यदि सही शेप दिया जाए तो चेहरा साफ और खूबसूरत दिखने लगता है।

महिलाओं के लिए आईब्रोज शुरुआत में मोटी और अंत तक जाते-जाते पतली हो जानी चाहिए। पुरुषों के आईब्रोज को बाहर की तरफ मोटी और आंखों के ठीक ऊपर थोड़ा पतली होनी चाहिए। आर्च आईब्रोज बेहद खूबसूरत दिखती हैं लेकिन हर तरह के चेहरे पर नहीं। पतली आईब्रोज जहां चेहरे को लंबा दिखाती हैं तो दूसरी तरह के चेहरों को विपरीत लुक भी दे सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने आईब्रोज को शेप देने से पहले आप यह जानें कि आप पर किस तरह की आईब्रोज सूट करेंगी।

चौकोर चेहरे वालों को अपने ब्रोज को ऊंचा आर्च और बाहरी ओर गोलाकार कर्व देना चाहिए। गोल चेहरे वालों को अपने चेहरे को ओवल दिखाने के लिए आईब्रोज को आर्च शेप देने के साथ ही चीक बोन पर खत्म करना चाहिए। नजदीक आंखों वाले चेहरे को आंखें दूर करने के लिए आंखों के इनर कॉर्नर से नजदीक रखना चाहिए और बाहरी छोर को थोड़ा ऊपर होना चाहिए।

यूं तो सभी आईब्रोज को सही शेप देने के लिए ब्यूटी पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाते हैं, लेकिन कई बार एक-दो बाल इधर-उधर से उग जाने पर हम ट्वीजर का इस्तेमाल करते हैं। ट्वीजर का इस्तेमाल करते समय कई बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। इसके इस्तेमाल का सही समय नहाने के तुरंत बाद है। इस समय हेयर फॉलिकल्स सॉफ्ट रहते हैं और इन्हें बाहर निकालना आसान हो जाता है। चाहें तो गर्म पानी में डूबे तौलिए का इस्तेमाल ब्रोज को लूज करने के लिए कर सकती हैं। ट्वीजर तीन तरह के टिप वाले आते हैं- चौकोर टिप वाले का प्रयोग कई बालों को एक साथ हटाने के लिए किया जाता है, ढाल टिप वाले की ग्रिप अच्छी रहती है और पतले टिप वाले से छोटे नरम बाल आसानी से निकल जाते हैं। ब्रोज पर मॉयश्चराइजर लगाकर ही ट्वीजर का प्रयोग करें। यह ध्यान रखना जरूरी है कि आर्च जितनी ऊंची होगी, आईब्रोज उतनी ही पतली। फॉलिकल्स और आंखों के आस-पास की स्किन को राहत पहुंचाने के लिए आईब्रोज पर इस्तेमाल हो चुके रेफ्रिजरेटेड टी-बैग्स को रखें।

कुछ आसान ब्यूटी टिप्स

- चेहरे की रंगत निखारने के लिए और बालों को छुपाने के लिए 15 दिन के अंतराल पर ब्लीचिंग करवाएं। ब्लीच कराने से बालों का रंग त्वचा के रंग के अनुरूप हो जाएगा।
- अपने हाथों पर सुबह और रात के समय हैण्ड बाडी लोशन लगाएं। घरेलू कार्य करने के बाद हाथों पर कोल्ड क्रीम अवश्य लगाएं। सप्ताह में एक बार मेनीक्योर कराएं या घर पर स्वयं भी कर सकती हैं।
- चमकदार और मुलायम केशों के लिए केशों को धोने से पूर्व 2-3 घंटे पूर्व कुनकुने तेल से मालिश जरूर करें। केशों को सौम्य शैम्पू से ही साफ करें। शैंपू के पश्चात कंडीशनिंग भी अवश्य करें। कंडीशनर के रूप में आप नींबू का रस, चाय की पत्ती, अण्डे, हिना का प्रयोग कर सकती हैं।
- ब्लैक हैड्स से सुरक्षा पाने के लिए त्वचा को अच्छी तरह साफ करें ताकि रोमकूपों में जमी गंदगी समाप्त हो जाए। ब्लैकहैड्स को साफ करने के लिए सप्ताह में एक बार 5 मिनट तक भाप लें। इससे रोमकूपों में जमे ब्लैकहैड्स बाहर आ जाएंगे और आप ब्लैकहैड्स रिमूवर से इन्हें साफ कर लें।
- प्राकृतिक नमी बरकरार रखने के लिए रात को सोने से पूर्व एंटी रिंकल या नरिशिंग क्रीम लगाएं।
- होठों को गुलाबी बनाने के लिए रात को सोने से पूर्व वैसलीन या लिपगार्ड लगाएं।

चूज योर शूज

- हील की साइज के बारे में प्रैक्टिकल होकर सोचें।
- ऐसे रंग चुनें जो आपके वार्डरोब से मिक्स-मैच हो सकें।
- ब्लैक और ब्राउन के अलावा रेड, व्हाइट जैसे रंगों के जूते भी जरूर खरीदें।
- एक्सपेरिमेंट करने से पीछे नहीं हटें। चाहें तो बीच, इंडिगो, बेबी पिक, गोल्डन कलर के सैंडिल्स/शू भी खरीद सकती हैं।
- यदि आपने व्हाइट कलर की कुर्ती पहनी है और उस पर यलो कलर का डिजाइन है तो आप यलो कलर की सैंडिल भी पहन सकती हैं।
- आपकी लंबाई कम है और आप स्टिलेटोज में कंफर्ट नहीं फील करती तो वेज हील्स आपके लिए सही है।
- वेज हील की खासियत है कि कुर्ता, साड़ी, स्कर्ट, जीन्स के साथ ये सही दिखते हैं। बस ट्राउजर और प्लीटेड स्कर्ट के साथ जमते नहीं।
- इन दिनों मेटेलिक टच ट्रेंड में है लेकिन ध्यान रखें कि यह बहुत हार्ड न हो।
- बकल, स्टड, चेन शू पर लगे हों तो अच्छे लगते हैं। यह सिपल ड्रेस को ग्लैमरस लुक देता है।
- यदि आपकी सैंडिल के अगले हिस्से पर कोई स्टोन लगा है तो यह पार्टी के लिए सही है।
- यदि आप स्टिलेटोज में कंफर्ट फील करती हैं तो स्ट्रैपी स्टिलेटोज जरूर खरीदें। यह डेलिकेट लुक देता है।
- नी लेंथ ड्रेस या स्कर्ट के साथ स्टिलेटोज बेस्ट दिखते हैं।
- ब्लैक कलर की हाई हील किसी भी ड्रेस को परफेक्ट लुक देती है।
- मीटिग के लिए जाते समय कम हील वाली सैंडिल पहनें।
- ट्रेडिशनल ड्रेसेज के साथ सैंडिल ही अच्छी दिखती हैं लेकिन ब्लैक, ब्राउन के अलावा अन्य रंगों में भी सैंडिल्स खरीदिए।
- ऑफिस के लिए भी सैंडिल्स ही ठीक हैं। इसके अलावा क्लॉग्स पहन सकती हैं। ये कम, मीडियम और हाई हील्स में मिलते हैं, आप अपनी पसंद का ले सकती हैं।
- कॉलेज जाने वाली लड़कियों के बीच भी क्लॉग्स फेमस है।
- मोजरी तो आपके शू रैक में होना ही चाहिए। इन्हें पहनकर आप क्लासिक और स्टाइलिश दिख सकती हैं।
- प्लेन व्हाइट टी-शर्ट और जीन्स को क्लासी टच देना है तो ऑरेंज या रेड कलर की मोजरी पहनिए।
- चाहें तो लांग स्कर्ट, छोटी कुर्ती के साथ भी मोजरी पहन सकती हैं। इससे इंडो-वेस्टर्न लुक मिलता है।
- आपके वार्डरोब में व्हाइट और रेड कलर के स्नीकर्स की जगह हो तो बढ़िया है।
- कैजुअल, वॉकिग, फिटनेस, रनिग, टेनिस कई तरह के स्नीकर्स मार्केट में उपलब्ध हैं। अपने कलेक्शन में वॉकिग या कैजुअल स्नीकर्स को जरूर शामिल कीजिए।
- जीन्स, कैप्री स्कर्ट के साथ ये सूट करते हैं।
- सलवार-कमीज या लांग स्कर्ट के साथ ये बिल्कुल अच्छे नहीं दिखते।
- लेदर, वेलवेट या रेक्सीन के बूट अगर आपके पास हों तो अच्छा है। वैसे वेलवेट के बूट में पैर सांस ले पाते हैं।
- बूट्स छोटी बॉडी हगिग स्कर्ट के साथ फिट दिखते हैं।
- चाहें तो लूज बैगी पैंट के साथ भी इसे पहन सकती हैं।

बच्चों का झूठ

क्या आपके बेटे/बेटी को झूठ बोलने की आदत है? कई बार दूसरों के सामने उसकी इस आदत से आपको शर्मिन्दा भी होना पड़ता है। दरअसल बच्चे बड़ों की तरह इरादतन झूठ नहीं बोलते। कुछ बच्चों को तो झूठ बोलने में मजा भी आता है। कुछ बच्चे पैरेंट्स की मार या उनकी डांट के डर से झूठ बोलते हैं। उनकी इस आदत से आपको ही डील करना है लेकिन इसके लिए बच्चों की साइकोलॉजी को समझना होगा

कम्युनिकेशन गैप

आमतौर पर बच्चे पैरेंट्स की मार या डांट के डर से झूठ बोलते हैं। आपको बच्चे के मन से अपना डर निकालना चाहिए। इसके लिए आपको और आपके पति को बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहिए।

ट्यूट न करें

बच्चों को ट्यूट करने की कोशिश मत कीजिए। इससे वह इरिटेट होने लगते हैं। मेहमानों के सामने उसे पोयम-जिंगल्स सुनाने के लिए मत कहिए। धीरे-धीरे वे कोई न कोई बहाना करने लगते हैं। छोटी-छोटी बातों पर सवाल मत कीजिए जैसे तुमने ब्रश कर लिया, तुमने ऐसा क्यों किया और वैसा क्यों नहीं किया।

सवाल-जवाब न करें

दूसरों के सामने बच्चे से ज्यादा सवाल-जवाब मत कीजिए। इससे वह झेंप जाते हैं और झूठ बोलने लगते हैं। कुछ भी पूछना हो तो उससे इत्मीनान से पूछें।

विश्वास जीतें

बच्चे का विश्वास जीतना बहुत जरूरी है। उसे इस बात का अहसास कराएं कि आप उसके दुश्मन नहीं हैं और वह सबसे ज्यादा आपके साथ सेफ है। जब तक आप उसे सुरक्षा का भाव नहीं देंगे वह आपसे झूठ बोलेगा।

पजेसिव न बनें

कुछ माएं बच्चे की गलती पर उसे डांटती हैं पर जब ग्रैंडपैरेंट्स या परिवार का कोई डांटता है तो वह नाराज हो जाती हैं। इससे बच्चे को शह मिलती है और वह ज्यादा शरारती हो जाता है। आपका हक उस पर ज्यादा है पर वह परिवार का लाडला है इसलिए बच्चे को डांटने का अधिकार उन्हें भी है।

ताना न मारें

बच्चे को किसी बात पर ताना न मारें। इससे उनकी स्ट्रेंथ वीक होती है। यदि आप उसके लिए कुछ करती हैं तो यह आपका फर्ज है। वह आपके साथ मिसबिहेव करता है तो आप उस पर नाराज हों या डांटें भी। थोड़ी बहुत पिटाई भी जरूरी है लेकिन ताना मारना और जानवरों की तरह पिटाई करना ठीक नहीं है। इससे वह आपसे बातें छुपाने की कोशिश करेगा।

पनीर मलाई टिक्का

सामग्री : 8-10 पनीर के बड़े टुकड़े, 50 ग्राम काजू-चीज पेस्ट, क्रीम, नमक स्वादानुसार, 5 ग्राम अदरक, 5 ग्राम लहसुन, 5 ग्राम काला नमक, 3 ग्राम इलायची पाउडर, 3 ग्राम व्हाइट पेपर।

विधि : पनीर को टुकड़ों में काट लें। क्रीम, काजू, चीज, नमक, अदरक-लहसुन का पेस्ट, व्हाइट पेपर, काला नमक व इलायची पाउडर-इन सबको अच्छी तरह मिला लें। इस पेस्ट में पनीर को मेरिनेट करें और तंदूर में 6-7 मिनट तक सेंक लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-4-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ङ्कचताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2609

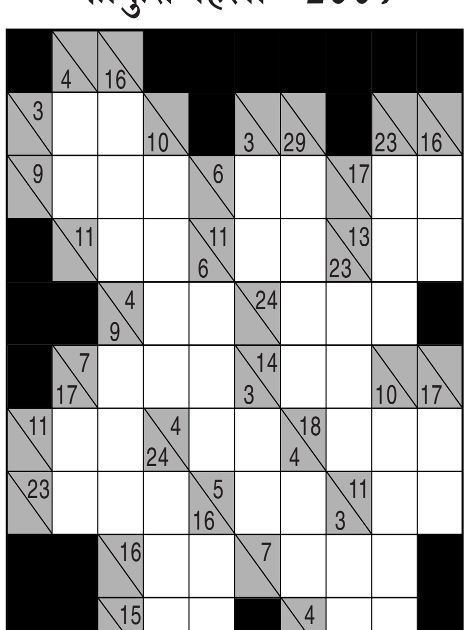

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

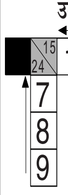

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2608 का हल

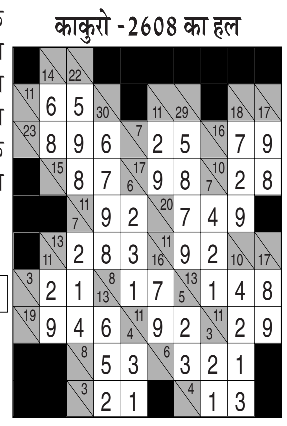

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

फिल्म वर्ग पहेली- 2609

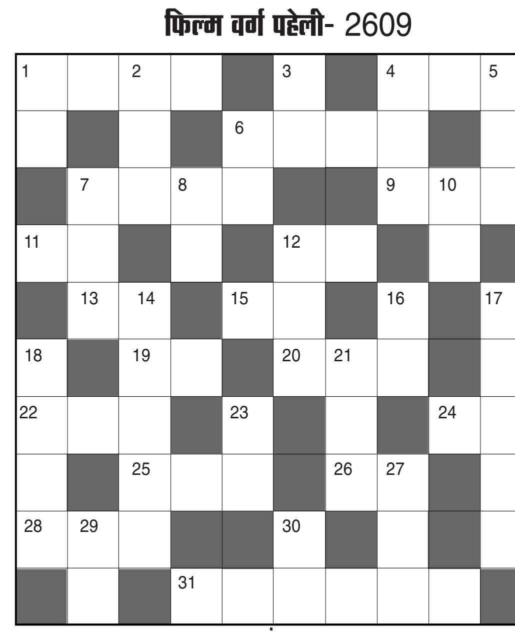

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2608

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	ग		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -2609

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2608 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली -2609

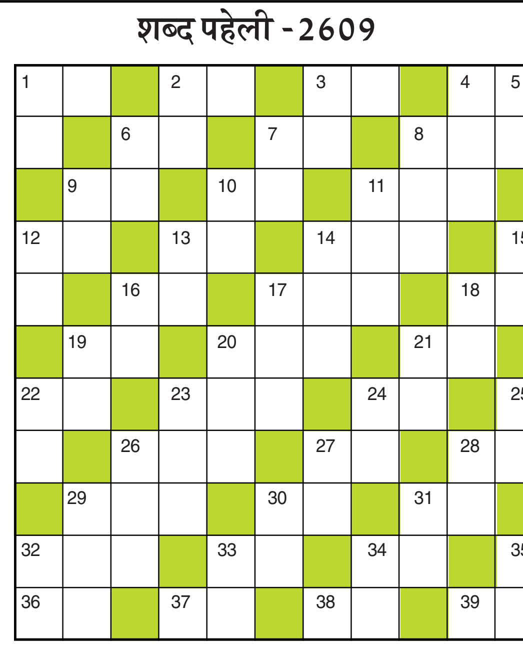

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -2608 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		हू	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

टीचर दंपति का कातिल निकला वैन ड्राइवर, चोरी करते पकड़ा तो मार डाला; ट्रांजेक्शन से खुली पोल

सुल्तानपुर के कादीपुर में शिक्षक दंपति की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। स्कूल बस चालक राकेश यादव ने पट्टीदार आशीष संग चोरी करते पकड़े जाने पर फावड़े-कुल्हाड़ी से दंपति की हत्या की थी। हत्या के बाद शिक्षिका के मोबाइल से हुए 5 हजार रुपये के ट्रांजेक्शन से पुलिस को सुराग मिला।

एजेंसी

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के कादीपुर के कुम्ही डढिया गांव में शिक्षक दंपति की हत्या उनके ही स्कूल बस चालक राकेश यादव ने पट्टीदार संग चोरी करते पकड़े जाने पर फावड़े-कुल्हाड़ी से की थी। पुलिस को चकमा देने के लिए चालक ने अगले दिन सुबह स्कूल पहुंचकर दोनों के शव मिलने की सूचना दी थी। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और पूछताछ में पुलिस को चालक पर शक हुआ। हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने वारदात कबूल ली। उसके निशानदेही पर पट्टीदार आशीष को भी गिरफ्तार कर लिया। इस दोहरे हत्याकांड में शिक्षिका विनीता के मोबाइल से घटना के बाद हुए पांच हजार रुपये के ट्रांजेक्शन ने पुलिस को अहम सुराग दिया।

रुपयों के ट्रांजेक्शन से खुली पोल

पोस्टमार्टम में दंपति की मौत का समय रात करीब 12 बजे सामने आने के बाद पुलिस ने मोबाइल ट्रांजेक्शन की पड़ताल की। देर रात विनीता के मोबाइल से रुपये ट्रांसफर किए जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस का शक गहराया। पूछताछ में बस चालक राकेश ने हत्या के बाद विनीता के मोबाइल से पांच हजार रुपये ट्रांसफर करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार उसे मोबाइल का पासवर्ड भी पता था। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद आरोपियों ने विनीता का मोबाइल कुएं में फेंक दिया था। पुलिस टीम मोबाइल और घटना में इस्तेमाल हथियार की तलाश कर रही है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 34,950 रुपये बरामद किए गए हैं।

आरोपी चोरी के इरादे से स्कूल परिसर में घुसे थे

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि कुम्ही डढिया निवासी मुकेश सिंह परिषदीय विद्यालय में शिक्षक और प्राथमिक शिक्षक संघ मोतिगरपुर ब्लॉक अध्यक्ष थे। पत्नी विनीता कुम्ही डढिया में मनराजी शिक्षण संस्थान चलाती थीं। दोनों स्कूल परिसर में ही आवासीय मकान बनाकर रहते थे। 28-29 सितंबर की रात चालक राकेश यादव ने पट्टीदार आशीष उर्फ डब्बू के साथ चोरी के इरादे से स्कूल परिसर में प्रवेश किया था। विनीता ने दोनों को देख लिया तो पहचान उजागर होने के डर से राकेश ने उनकी हत्या कर दी। यह देखकर भाग रहे मुकेश को भी मार डाला।

पहचान होने पर किया आरोपियों ने हमला

पुलिस के मुताबिक राकेश अपने पट्टीदार आशीष यादव उर्फ डब्बू के साथ चोरी के इरादे से शिक्षक दंपति के घर में घुसा था। राकेश को घर में रुपये की तिजोरी के बारे में जानकारी थी। तोड़फोड़ की आवाज सुनकर विनीता मौके पर पहुंचीं और दोनों को देख लिया। पहचान उजागर होने के डर से आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया। शोर न मचा सकें, इसके लिए मौके पर पड़े फावड़े से उनके सिर पर वार किया, जिससे उनकी मौत हो गई। पत्नी पर हमला होते देख शिक्षक मुकेश कुमार सिंह जान बचाकर भागे।

CCTV भी पकड़ न पाए! विग लगाकर बाइक चोरी करता हिस्ट्रीशीटर, फिर उतार देता

बिजनौर के अफजलगढ़ में पुलिस ने विग लगाकर बाइक चोरी करने वाले हिस्ट्रीशीटर सोनू उर्फ सोहेल को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की बाइक और एक जली हुई बाइक बरामद हुई। आरोपी पहचान छिपाने के लिए नकली बालों की विग पहनकर वारदात करता था।

एजेंसी

बिजनौर। अपनी पहचान छिपाने के लिए विग लगाकर बाइक चोरी करने वाले हिस्ट्रीशीटर को बिजनौर की अफजलगढ़ पुलिस ने चोरी की बाइक समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। इसके अलावा एक जली हुई बाइक भी मिली है। सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि ग्राम मानियावाला निवासी विशाल ने चार अक्टूबर को अफजलगढ़ थाने में तहरीर देकर बताया था कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पांच अक्टूबर को सूचना पर सोनू उर्फ सोहेल निवासी डूडा कॉलोनी, अफजलगढ़ को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद हुई। साथ ही एक काले रंग की बाइक भी मिली, जिसे पेट्रोल डालकर जलाया गया था।

विग लगाकर करता था वारदात

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने दो दिन पहले नैनीताल के रामनगर से अपाचे बाइक चोरी की थी। इस बाइक से अन्य वारदात की और पहचान छिपाने के लिए चोरी में इस्तेमाल की गई इस बाइक को जला दिया था। इसके बाद चार अक्टूबर की रात उसने विशाल की बाइक चोरी की। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट समेत मुकदमे पहले से दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अन्य मामलों में भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में हिस्ट्रीशीटर सोहेल ने बताया कि वह पुलिस की नजरों से बचने के लिए नकली बालों की विग पहनकर वारदात करता था। घटना के बाद बिग उतार देता था।

चार साल से लापता चल रहा था हिस्ट्रीशीटर सोहेल

सीओ अफजलगढ़ आलोक कुमार ने बताया कि सोहेल अफजलगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। जिसकी हिस्ट्रीशीट नंबर 84 ए है। सोहेल पिछले चार साल से जिले से लापता चल रहा था। उस पर चोरी, एनडीपीएस एक्ट सहित 11 मुकदमे दर्ज हैं।

स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदर्शन

उत्तराखंड के विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर परेड ग्राउंड में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार से जल्दी समाधान की अपील करते हुए बताया कि लंबे समय से काम करने के बावजूद उन्हें स्थायी नियुक्ति का लाभ नहीं मिल रहा है।

एजेंसी

देहरादून। पंजाब और हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर उत्तराखंड के विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी मंगलवार को परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से विभिन्न विभागों में सेवाएं देने के बावजूद उन्हें स्थायी नियुक्ति का लाभ नहीं मिल रहा है। कई बार मांग उठाने के बावजूद सुनवाई नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकार की उदासीनता के चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उत्तराखंड में एक बार फिर मौसम की करवट; 11 तक येलो अलर्ट, आज कहां-कहां बारिश

उत्तराखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है। 11 अक्टूबर तक येलो अलर्ट है। आज देहरादून-नैनीताल समेत 6 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

एजेंसी

देहरादून। मॉनसून की विदाई के बाद उत्तराखंड में मौसम फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने छह से 11 अक्टूबर तक उत्तराखंड में येलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच, सोमवार को प्रदेश के कई इलाकों में तेज हवाएं चलीं जबकि देहरादून समेत कई शहरों में बारिश और बूंदाबांदी हुई। मंगलवार सुबह भी देहरादून के कई इलाको में झमाझम बारिश हो रही है। मौसम निदेशक डॉ.सीएस तोमर के अनुसार, छह से आठ अक्टूबर तक 4200 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी हो सकती है। कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गर्जन और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

हालांकि, अधिकांश मैदानी जिलों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इसके बाद नौ से 11 अक्टूबर के बीच करीब 3800 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी के आसार हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम बदलने से तापमान गिरने की संभावना है।

सात जिलों में अलर्ट

चमोली, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, रुद्रप्रयाग व उत्तरकाशी में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। इनमें गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

इन जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक, छह-सात अक्टूबर को नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, देहरादून, टिहरी व पौड़ी में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना भी है। पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम का असर मैदानी इलाकों के तापमान पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में बिहार से दो हिन्दू युवक गिरफ्तार, एक बेगूसराय का

एजेंसी

गुवाहाटी/पटना। भारत की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं कथित तौर पर पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने बिहार से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि दोनों पाकिस्तान के एक खुफिया ऑपरेटिव के संपर्क में थे और सुरक्षा बलों से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा कर रहे थे। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने पूर्वी चंपारण के अभिषेक कुमार सिंह (31), बेगूसराय के रीतेश सिंह (39) को पकड़ा है। दोनों गुवाहाटी के सतगांव थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित एक किराये पर रह रहे थे। पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि देश विरोधी गतिविधियों में संलग्न युवक की गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। स्थानीय स्तर पर परिवार और पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जारी बयान में कहा कि सुरक्षा संबंधी जानकारी पाक को मुहैया कराने के आरोप में सेना के जवान समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने कहा कि सेना के सेवानिवृत्त जवान को अनुबंध के आधार पर फिर से नियुक्त किया गया था। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के आधार पर की गई।

दोनों आईएसआई को भेज रहे थे जानकारी

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सेना की खुफिया इकाई (मिलिट्री इंटेलिजेंस) से मिले शुरुआती इनपुट के आधार पर की गई। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अभिषेक कुमार सिंह कथित तौर पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है और उसके संबंध एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव से हैं।

हजारीबाग डिटेंशन सेंटर में बांग्लादेशी महिला से रेप; अदालत ने पूछा- सजा पूरी होने के बाद भी क्यों नहीं छोड़ा

हजारीबाग डिटेंशन सेंटर में बांग्लादेशी महिला से रेप मामले में तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड हुए हैं। हाई कोर्ट ने सवाल पूछा है कि सजा पूरी होने के बाद भी महिला को क्यों नहीं छोड़ा गया?

एजेंसी

झारखंड। झारखंड में हजारीबाग डिटेंशन सेंटर में रखी गई बांग्लादेशी महिला से दुष्कर्म मामले में तीन सिपाहियों पर एफआईआर दर्ज कर तीनों को निलंबित कर दिया गया है। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को यह जानकारी दी। कोर्ट में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की ओर से पेश सीलबंद रिपोर्ट में भी महिला से तीन पुलिसकर्मियों द्वारा दुष्कर्म का उल्लेख है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी। अदालत ने प्रार्थी से राज्य सरकार की ओर से दाखिल जवाब पर प्रत्युत्तर मांगा है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि महिला को बांग्लादेश भेजने के लिए वर्ष 2023 से ही विदेश मंत्रालय को पत्राचार किया जा रहा है। हालांकि, अब तक जवाब नहीं मिला है। इस पर अदालत ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता से जवाब दाखिल करने को कहा।

बता दें कि हाईकोर्ट में एक सामाजिक कार्यकर्ता ने रिट याचिका में बताया कि लोहसिंघना थाने से संबंधित मामले में महिला कोर्ट से बरी होने के बावजूद महिला डिटेंशन सेंटर में पड़ी है। वहीं मामले की सुनवाई के दौरान महिला ने डिटेंशन सेंटर में वर्ष 2020 से 2022 के बीच उससे दुष्कर्म किए जाने की बात कही थी।

2018 में दर्ज हुए थे दो मामले

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि महिला के खिलाफ वर्ष 2018 में दो मामले दर्ज किए गए थे। इनमें एक बच्चे के अपहरण और दूसरा विदेशी अधिनियम से जुड़ा था। अपहरण केस में महिला को दो साल की सजा हुई थी, जबकि वर्ष 2021 में विदेशी अधिनियम के मामले में उसे तीन साल की सजा हुई। सजा के बाद महिला को डिटेंशन सेंटर भेजा गया था। वह वर्ष 2025 में वहां से भाग गई थी। इसके बाद उसपर विदेशी अधिनियम के तहत एक और मामला दर्ज किया गया, जिसमें वर्ष 2026 में उसे बरी कर दिया गया।

सजा पूरी होने के बाद भी नहीं छोड़ा

सुनवाई के दौरान अदालत ने महिला को लंबे समय तक हिरासत में रखने पर सवाल उठाए। अदालत ने मौखिक रूप से पूछा कि यदि महिला को वर्ष 2021 में विदेशी अधिनियम के मामले में तीन साल की सजा हुई थी तो सजा पूरी होने के बाद उसे बांग्लादेश क्यों नहीं भेजा गया? डिटेंशन सेंटर में रखने की जरूरत क्यों पड़ी।

केवाईसी नहीं कराने वाले हजारों एलपीजी गैस कनेक्शन सस्पेंड, नहीं हो सकेगी बुकिंग

केवाईसी नहीं कराने वाले हजारों एलपीजी गैस उपभोक्ताओं का कनेक्शन सस्पेंड कर दिया गया है। सभी को सितंबर तक केवाईसी कराने का मौका दिया गया था। इसके बाद भी काफी लोगों ने नहीं कराया। कनेक्शन सस्पेंड होने से अब बुकिंग नहीं हो सकेगी।

एजेंसी

सुल्तानपुर। अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद गैस कंपनियों ने नए कनेक्शन पर रोक लगा दी है। इस बीच ईकेवाईसी नहीं कराने वाले हजारों उपभोक्ताओं का कनेक्शन सस्पेंड कर दिया गया है। इससे यह उपभोक्ता अब बुकिंग नहीं करा सकेंगे। ईकेवाईसी कराने के बाद ही उनकी बुकिंग होगी। इधर घरेलू उपभोक्ताओं की बुकिंग 25 दिन के अंतराल पर होने से गैस उपभोक्ताओं को कई माह से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गैस कनेक्शन से वंचित और ईकेवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को जुगाड़ से 1800 रुपए में घरेलू सिलेंडर मिल पा रहा है। दुर्गापूजा-दशहरा में घरेलू गैस सिलेंडर की खपत बढ़ने से बैंकलाग बढ़ने से एक बार फिर एंजेंसियों पर भीड़ बढ़ सकती है।

यूपी के सुल्तानपुर में ईंधन की सुविधा के लिए विभिन्न कंपनियों की 48 गैस एजेंसियां संचालित है। इन एजेंसियों के माध्यम से पांच लाख 59 हजार 521 उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया गया है। इसमें आईओसीएल,एचपीसीएल, बीपीसीएल गैस कंपनी के कनेक्शन शामिल है। युद्ध के बाद गैस कंपनियों ने ईकेवाईसी को अनिवार्य कर दिया। बुकिंग के समय ओटीपी अनिवार्य करने से ईकेवाईसी करने वाले उपभोक्ताओं की भीड़ लगने लगी।

सितंबर महीने तक थी डेडलान

नए कनेक्शन पर रोक लगा दी गई है। इससे 50 हजार से अधिक परिवार गैस कनेक्शन से वंचित रह गए है। ईकेवाई कराने के लिए सितम्बर माह तक समय दिया गया था। कंपनी की ओर से निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद दो अक्तूबर को ईकेवाईसी नही कराने वाले उपभोक्ताओं का कनेक्शन सस्पेंड कर दिया गया। इससे 50 हजार ईकेवाईसी नही कराने वाले उपभोक्ताओं की बुकिंग पर रोक लग गई है।

कंपनी ईकेवाईसी कराने के बाद बुकिंग पर लगाई गई रोक हटाएगी। सोमवार को सुबह 10 बजे सुलतानपुर गैस एजेंसी की पड़ताल की गई। एजेन्सी पर सात से आठ उपभोक्ता दिखाई दिए। इसमें ईकेवाईसी के उपभोक्ता भी शामिल थे। गैस एजेन्सी के संचालक जियाउल हसनैन ने बताया कि ईकेवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के बुकिंग पर रोक लगा दी गई है, लेकिन ईकेवाईसी कराने वाले लोगों की संख्या रोजाना चार से पांच रहती है।

ईकेवाईसी न कराने वालों में विदेश और अन्य शहर में रहने वाले ज्यादातर उपभोक्ताओं का नाम शामिल है। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि गैस कंपनियों की ओर से ईकेवाईसी न कराने वाले उपभोक्ताओं का स्पष्ट आंकड़ा नहीं भेजा गया है।

25 दिन का अंतराल, तीन से चार दिन में डिलेवरी

खाड़ी युद्ध के बाद गैंस बुकिंग के समय में भी परिवर्तन कर दिया गया है। इस समय शहर और ग्रामीण क्षेत्र में गैस सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन के अंतराल पर हो रही है। शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बुकिंग के तीसरे दिन और ग्रामीण क्षेत्र में बुकिंग के चौथे या पांचवें दिन सिलेंडर मिलता है।

केवाईसी न कराने वालों को कामर्शियल सिलेंडर का भरोसा

जिले में नया घरेलू कनेक्शन पर रोक लगी है। 40 हजार से अधिक परिवारों के पास कनेक्शन नहीं है। खाड़ी युद्ध के बाद उनके सामने समस्या हो गई है। ईकेवाईसी नही करा पाने वाले 50 हजार परिवारों की बुकिंग भी बंद हो गई। जिससे इन परिवारों को पांच किलोग्राम के सिलेंडर की गैस 806 रुपए में खरीदना होगा।

इसके अलावा एचपी कंपनी की ओर से नया कनेक्शन के तहत 10 किलोग्राम गैस का प्लास्टिक बाडी का सिलेंडर मुहैया कराया जा रहा है।

आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की दौड़ में शैफाली, चरणी और अटापट्टू शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारत की शैफाली वर्मा और श्री चरणी के साथ ही श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को सितंबर महीने के आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की रेस में शामिल किया गया है। शैफाली वर्मा ने सितंबर के महीने में सात टी20 मैचों में कुल 360 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 72 और स्ट्राइक रेट 184.61 का प्रभावशाली रहा। बल्ले के साथ-साथ, शैफाली ने अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से भी योगदान दिया और पूरे महीने में छह महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। महिला एशिया कप में वह पांच पारियों में 236 रन बनाकर टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 64 और श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 68 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे भारत को रिकॉर्ड आठवां एशिया कप खिताब जीतने में मदद मिली। जापान में हुए एशियाई खेलों में भी शफाली ने तीन पारियों में 188 रन बनाए। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में, उन्होंने सिर्फ 49 गेंदों पर धमाकेदार 100 रन बनाकर अपने करियर का पहला टी20 शतक लगाया।

वहीं, भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने पूरे सितंबर में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैचों में कुल 18 विकेट लिए, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 4.83 और इकॉनमी रेट 3.30 रहा। महिला एशिया कप में चरणी ने भारत की खिताबी जीत में अपनी अहम भूमिका निभाई, जहां उन्होंने टूर्नामेंट में 12 विकेट हासिल किए। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 4/20 का उनका स्पेल मैच विजेता रहा। एशियन गेम्स में भी चरणी ने अपना दबदबा कायम रखा, जापान के खिलाफ 4/10, बांग्लादेश के खिलाफ 2/7 और श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में 2/13 के आंकड़े दर्ज करते हुए कुल आठ विकेट लिए। चरणी ने सितंबर के अंत में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी बनाया, जब वह आईसीसी महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग्स में 817 रेटिंग अंकों के साथ महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शुट्ट के 806 अंकों का रिकॉर्ड तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

इसके अलावा श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू भी इस अवॉर्ड की मजबूत दावेदार हैं। उन्होंने सितंबर में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए सात टी20 में 226 रन बनाए, जिसमें उनका बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट 140.37 रहा। साथ ही, उन्होंने अपनी ऑफ-स्पिन से 14 विकेट भी हासिल किए, उनका गेंदबाजी औसत 10.21 रहा।

इस प्रकार, शफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी, श्री चरणी की रिकॉर्डतोड़ गेंदबाजी, और चामरी अटापट्टू के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की दौड़ को बेहद रोमांचक बना दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि किसे ये अवॉर्ड मिलता है।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि कि गांगुली जैसे अनुभवी के कोच बनने से टीम आईपीएल 2027 सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गांगुली पहली बार आईपीएल में मुख्य कोच के तौर पर नजर आयेंगे हालांकि वह पहले भी दिल्ली फ्रेंचाइजी में डायरेक्टर रहे थे। उन्हें हेमंग बदानी की जगह मुख्य कोच बनाया गया है। बदानी पिछले दो साल से दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे पर टीम कुछ खास सफलता हासिल नहीं कर पायी। बदानी के अलावा, टीम ने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल, सहायक कोच इयान बेल और टीम डायरेक्टर वेणुगोपाल राव को भी हटाने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि गांगुली अपनी टीम को अपनी रणनीतिक सोच के अनुरूप ढालने के लिए अपना खुद का सहयोगी स्टाफ बनाना चाहते हैं, जिसके चलते ये बड़े बदलाव किए गए हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले दो आईपीएल सीज़न बेहद निराशाजनक रहे थे। टीम आईपीएल 2025 में पांचवें और 2026 में छठे स्थान पर रही थी, दोनों बार प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रही। ऐसे में, गांगुली जैसे अनुभवी और सफल लीडर की नियुक्ति को टीम के भाग्य को पलटने के एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गांगुली साल 2019 से ही फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं, जहां उन्होंने पुरुष और महिला दोनों टीमों में डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी।

कोचिंग स्टाफ में गांगुली को पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज युवराज सिंह का साथ मिल सकता है, हालांकि इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हेड कोच के तौर पर गांगुली का यह पहला आईपीएल अनुभव होगा, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी लीग एसए 20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच रहते हुए वे अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में सफल रहे थे, जो उनके कोचिंग कौशल का प्रमाण है।

गांगुली ने इस नई भूमिका को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हेड कोच का पद संभालने को उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी मेरे दिल के बहुत करीब रही है और पिछले सालों इसके साथ मेरे रिश्ते और मजबूत हुए हैं। उन्होंने एक मजबूत और निडर टीम बनाने का दावा किया, जो मैदान पर अपने प्रदर्शन से विरोधियों को चुनौती दे सके।

गांगुली दिल्ली कैपिटल्स की टीम में अक्षर पटेल और केएल राहुल जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के साथ काम करते दिखेंगे। इस सीज़न से पहले टीम में एक और बड़ा बदलाव ऋषभ पंत की वापसी के रूप में हुआ है। पंत ने दो साल लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी, लेकिन आईपीएल 2026 के समापन के बाद दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए एक बड़े ट्रेड के तहत वे दिल्ली लौटे।

सूर्यकुमार को मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव जब से टीम से बाहर हुए हैं उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही है। यहां तक कि अब उन्हें मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली है, जिससे उनके प्रथम श्रेणी करियर पर गंभीर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ये इससे भी समझा जा सकता है कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की चयन समिति ने आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले मैच के लिए सूर्यकुमार से उनकी उपलब्धता पूछी थी। सूर्यकुमार ने 11 अक्टूबर से वानखेड़े स्टेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले के लिए खेलने के लिए सहमति दी थी। इसके बाद भी उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया, जिसने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं।

एमसीए के चयन प्रमुख राजेश पवार ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि सूर्यकुमार ने पिछले 18 महीनों से कोई लाल गेंद का क्रिकेट मैच नहीं खेला है, इसलिए चयन समिति चाहती है कि वे कुछ मैच खेलकर अपनी लय हासिल करें और फिर टीम में वापसी करें। हालांकि, इस तर्क पर सवाल उठ रहे हैं कि जब चयनकर्ताओं को उनकी हालिया प्रथम श्रेणी फॉर्म का पता था, तो उन्होंने पहले उनसे संपर्क कर उपलब्धता क्यों पूछी? यह घटना चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और सूर्यकुमार के प्रति रवैये पर संदेह पैदा करती है। पूर्व कप्तान सूर्यकुमार को जिस तरह से पहले कप्तानी से हटाकर टीम से बाहर किया गया और अब रणजी टीम में भी जगह नहीं दी गई, वह किसी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। सूर्या के लिए यह एक बड़ा झटका है, जिससे उनके आत्मविश्वास पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आईसीसी के सितंबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शुभमन, अभिषेक और रजा में होगा मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के अलावा जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा को सितंबर 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने इस सीरीज में 76.33 की शानदार औसत से कुल 229 रन बनाए। सीरीज के पहले मैच में ही उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेलकर भारत को धमाकेदार जीत दिलाई थी। उनकी प्रतिभा का असली सबूत सीरीज के तीसरे मैच में देखने को मिला, जब उन्होंने महज 45 गेंदों पर 108 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो टी20 में सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड बन गया। उनकी इस अद्भुत पारी में 11 छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 317.64 रहा। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने तीसरे मैच में पावरप्ले में 100/0 का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। उन्हें इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और वह पूरी सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरा स्थान मजबूत किया, जिससे उनकी पहचान एक उभरते हुए सुपरस्टार के रूप में स्थापित हुई।

वहीं भारतीय टीम के एक और सितारे, शुभमन गिल ने सितंबर माह में एकदिवसीय क्रिकेट में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 108 गेंदों पर 110 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर भारत को 296 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। यह गिल के एकदिवसीय करियर का 10वां शतक था। इसके अलावा, गिल ने सितंबर में एक और यादगार प्रदर्शन करते हुए मात्र 62 गेंदों में शतक और 117 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया, जिससे उन्होंने 223 रन की नाबाद पारी खेली। यह सफल वनडे रन चेज में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। कप्तान के रूप में भी उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

वहीं जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी इस अवॉर्ड की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अपनी टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भले ही जिम्बाब्वे वह सीरीज हार गया, लेकिन रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। पहले वनडे में उन्होंने 57 रन बनाकर जिम्बाब्वे की पारी को संभाला, जो उनके अनुभव और कौशल का प्रमाण था। सितंबर के इस रोमांचक महीने में अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और सिकंदर रजा तीनों ने ही अलग-अलग फॉर्मेट में अपने खेल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके इन उत्कृष्ट प्रदर्शनों ने इस महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना दिया है।

भुवनेश्वर हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान बने

मुम्बई ।अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।भुवनेश्वर के अलावा स्पिन ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया गया है।भूवी के नाम से लोकप्रिय भुवनेश्वर ने भारतीय टीम के लिए पिछला मुकाबला नवंबर 2022 में खेला था। हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भुवनेश्वर को भारतीय टीम की कप्तानी दी गयी है।टीम में भुवनेश्वर के अलावा आईपीएल से भी कुछ खिलाड़ियों को अवसर मिला है।हांगकांग सिक्स सीरीज की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी।वहीं टूर्नामेंट का समापन 01 नवंबर को होगा।इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी।इन टीमों को 4 पूल्स में बांटा गया है। पूल-ए में- हांगकांग चीन, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है।वहीं पूल-बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड है। पूल-सी में- भारत, पाकिस्तान और यूएई है। पूल-डी में- दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और ओमान है।

विश्व कप से पहले 47 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम ने अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियां शुरु कर दी हैं।इसी के तहत ही भारतीय टीम अब विश्वकप से पहले कुल 18 टी20, 20 एकदिवसीय और 9 टेस्ट मैच खेलेगी, इससे विभिन्न प्रारूपों में खिलाड़ियों की क्षमता और अनुकूलनशीलता की असली परीक्षा होगी। इन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के अलावा, विश्व कप में संभावित रूप से चुने जाने वाले भारतीय खिलाड़ी प्रतिष्ठित आईपीएल और एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में भी अपनी उतरेंगे। ।यह कार्यक्रम टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों के लिए कार्यभार प्रबंधन और चोट से बचाव की रणनीति बनाने में एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।एकदिवसीय विश्व विश्व कप से पहले भारतीय टीम का यह व्यस्त कार्यक्रम मार्च 2027 तक चलेगा, जिसके बाद विश्व कप से ठीक पहले कुछ और अहम दौरे संभावित हैं।सितंबर और अक्टूबर 2026 में, भारतीय टीम अपने घर में तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की एक सीरीज खेलेगी। इसके तुरंत बाद, अक्टूबर और नवंबर 2026 में, टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी, जहाँ उसे पांच टी20, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलनी होगी। वहीं दिसंबर 2026 में, भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज श्रीलंका के साथ खेलेगी। वहीं नए साल, यानी जनवरी 2027 की शुरुआत, भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज से करेगी।जनवरी से मार्च 2027 के बीच, क्रिकेट प्रेमियों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच टेस्ट मैचों की रोमांचक सीरीज देखने को मिलेगी।इस कड़ी टेस्ट सीरीज के बाद, भारतीय खिलाड़ी आईपीएल और एशिया कप जैसे टूर्नामेंटों की तैयारी में जुट जाएंगे। विश्व कप से ठीक पहले, भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे की संभावना भी प्रबल है, जहाँ टीम को पांच टी20, तीन एकदिवीसय और दो टेस्ट मैच खेलने पड़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एकदिवसीय विश्व कप से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी संभावित है, इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच छह वनडे मैच खेले जाने की उम्मीद है।

हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया

मंधाना को मिल सकती है कमान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अचानक ही तीनों प्रारुपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। महिला क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था। इस घोषणा के बाद, भारतीय महिला टीम की अगली कप्तान के नाम पर अटकलें तेज हो गई हैं, इसमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना सबसे आगे हैं। मंधाना लंबे समय से टीम की उप-कप्तान रही हैं और तीनों प्रारुपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, इस कारण से उन्हें इस पद के लिए सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

अपनी पोस्ट में, हरमनप्रीत ने लिखा, आज, मैं सभी प्रारुपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान के पद से हट रही हूं हालांकि यह मेरे लिए कोई आसान फैसला नहीं था। उन्होंने अपने कप्तानी केको याद करते हुए कहा कि इसमें इसमें कई यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल शामिल हैं जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने टीम को अपना सब कुछ दिया-अपना खून, अपना पसीना, अपना समय र कई बार, अपने खेल और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को भी एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि उनका मानना था कि टीम पहले आनी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि एक कप्तान के रूप में, उन्हें मुश्किल फैसले लेने पड़े, जो हमेशा समझ में नहीं आए या आसान नहीं थे, और कभी-कभी उन्हें व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन हर फैसले का एक ही लक्ष्या था और वह ये कि टीम को बेहतर बनाना और अन्य खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेन।

हरमनप्रीत ने अपने कप्तानी करियर के दौरान सबसे बुरे पल, दिल टूटना, संदेह और ऐसे दिन देखे जब कुछ भी टीम के पक्ष में नहीं गया, और साथ ही जीत, जश्न, देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और हर कुर्बानी के सफल होने के ऊंचे पल भी देखे। उन्होंने शांति और भावनाओं से भरे दिल के साथ कप्तानी छोड़ने की बात कही, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी टीम अच्छी स्थिति में है प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य से भरी हुई है। अपनी पोस्ट के अंत में, उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। अब, मेरे लिए पन्ना पलटने का समय आ गया है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी नहीं होगा। उन्होंने सभी टीममेट्स, कोच, सपोर्ट स्टाफ, मैनेजमेंट, बीसीसीआई, परिवार और प्रशंसकों का धन्यवाद किया।

हरमनप्रीत ने पिछले लगभग एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट को अपनी सेवाएं दी हैं, जिसमें उन्होंने 2016 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी। उनकी अगुवाई में भारत ने एकदिवसीय विश्वकप के साथही कई एशिया कप खिताब और हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, जो उनकी कप्तानी की प्रमुख उपलब्धियां हैं। हरमनप्रीत ने कहा है कि अब वह बतौर खिलाड़ी भारतीय टीम को अपनी सेवाएं देती रहेंगी।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद : 2027 विश्व कप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली ।दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप, जिसे दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ मिलकर होस्ट करेगा, देश के क्रिकेटरों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया था।दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक 50 ओवर के इस मेगा इवेंट की सह-मेजबानी करेगा।डिविलियर्स ने एक विशेष चैट में बताया, 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया।मुझे याद है कि यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक में एडम गिलक्रिस्ट ने मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया था।तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला।उन्होंने आशा व्यक्त की कि 2027 वर्ल्ड कप का भी दक्षिण अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं।डिविलियर्स ने इस आयोजन के आर्थिक लाभों और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर भी जोर दिया, साथ ही उम्मीद जताई कि प्रोटियाज टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी, क्योंकि 2003 में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था।

चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट : प्रशंसक की आंख में शॉट लगाने से मेदवेदेव हुए अयोग्य, जोकोविच फाइनल में पहुंचे

बीजिंग।यहां खेले गये चीन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में रूसी टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव का एक शॉट सीधे एक प्रशंसक की आंख में लगने से अयोग्य होकर बाहर हो गये।इससे सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सीधे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए।यह घटना जब हुई तब मेदवेदेव सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच से 7-5, 5-3 से पीछे चल रहे थे।रूसी खिलाड़ी ने गुस्से में एक शॉट मारा जो सीधे स्टैंड्स में बैठे एक दर्शक की आंख में लग गया।इस अप्रत्याशित हादसे से सभी लोग सकते में पड़ गये।ये हादसा तब हुआ जब मेदवेदेव एक अंक हारने से निराशा थे। उन्होंने बैकबोर्ड से टकराकर वापस आ रही गेंद पर इतनी तेजी से शॉट लगाया कि गेंद सामने बैठे एक दर्शक की बाईं आंख में जा लगी।दर्शक तुरंत अपनी आंख पकड़कर दर्द से कराह उठा, जिससे खेल कुछ समय के लिए रुक गया।घायल दर्शक को तुरंत स्टेडियम कर्मचारियों की मदद से उपचार के लिए बाहर ले जाया गया।इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, अंपायर मोहम्मद लाहयानी और एटीपी अधिकारियों ने मेदवेदेव को मैच से आगे खेलने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया।मेदवेदेव ने घटना के बाद नेट के पास आकर जोकोविच से हाथ मिलाया और कहा कि उन्हें इस घटना का बेहद दुख है और वह दर्शक से भी माफी मांगना चाहते हैं।वहीं जोकोविच ने इस घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मेदवेदेव के प्रति सहानुभूति जताई।साथ ही कहा कि साल 2020 यूएस ओपन में उन्हें भी इसी तरह एक लाइन जज को अनजाने में गेंद लगने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था।जोकोविच ने कहा, मुझे उम्मीद है कि उस व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं आई होगी।दूसरी ओर मुझे डेनिलमेदवेदेव के लिए भी बुरा लग रहा है क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूं कि किसी बड़े मैच में अयोग्य घोषित होने पर कैसा महसूस होता है।मुझे भरोसा है कि उसने जानबूझकर ऐसा नहीं किया होगा।ये एक मानवीय भूल थी।

पाक सरकार पर बरसे शास्त्री, बोले इमरान खान को तत्काल रिहा किया जाये

मुम्बई ।भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि पाक टीम के पूर्व कप्तान इमरान खान को तत्काल जेल से रिहा किया जाये।शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार द्वारा इमरान के साथ किए जा रहे व्यवहार को अमानवीय बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की और कहा कि देश को पहला एकदिवसय विश्व कप दिलाने वाले खिलाड़ी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। शास्त्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की सरकार इमरान खान के साथ जो कर रही है, वह किसी भी मायने में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।शास्त्री ने इस स्थिति पर गहरा दुख जताया।उन्होंने कहा, मैं कोई राजनेता नहीं हूं, लेकिन उनके साथ जिस तरह का सलूक किया जा रहा है, वह देखना वास्तव में हैरान करने वाला है।कोई भी किसी इंसान के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करता।इमरान के साथ इस समय जो हो रहा है, वह उसके बिल्कुल भी हकदार नहीं हैं।मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपने बारे में नहीं कह रहा, बल्कि पूरे विश्व में ऐसे कई क्रिकेटर होंगे जो मेरी इस बात का समर्थन करेंगे।

अर्जेंटीना के लिए आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे लियोनेल मेस्सी, भावुक होगी विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी मंगलवार को अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मैत्री मुकाबले को मेस्सी की विदाई के लिए खास बनाया गया है। इस मुकाबले को 'द नाइट दैट नो वन वॉन्ट्स टू एंड' यानी 'वह रात जिसे कोई खत्म नहीं करना चाहता' नाम दिया गया है।

हजारों फैंस रहेंगे मौजूद

39 वर्षीय मेस्सी के आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को देखने के लिए ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में हजारों प्रशंसकों के जुटने की उम्मीद है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (स्न) ने इस मुकाबले को सिर्फ एक फुटबॉल मैच के बजाय मेस्सी के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को सम्मान देने वाला खास पल बताया है।

मेस्सी ने कहा- 'इन पलों की कमी महसूस होगी'

मेस्सी ने अर्जेंटीना की टीम से जुड़ने और अपने आखिरी अभ्यास सत्र की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि ये ऐसे खास पल हैं, जिनकी उन्हें आगे कमी महसूस होगी। मेस्सी ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का संकेत देते हुए कहा था कि अब समय आ गया है। इसके बाद, स्न ने उन्हें एक आखिरी मुकाबला खेलने के लिए मनाया, ताकि उन्हें सम्मानजनक विदाई दी जा सके।

विश्व कप जीतना रहा करियर का सबसे बड़ा पल

मेस्सी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को विश्व कप जिताकर अपने करियर का सबसे बड़ा सपना पूरा किया था। इस खिताब के साथ उन्होंने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की उपलब्धि की बराबरी भी की।

हालांकि, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना जुलाई में लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने से चूक गया। न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा गोल

मेस्सी ने अर्जेंटीना के लिए अब तक 207 मुकाबले खेले हैं और उनके नाम 125 गोल हैं। वह राष्ट्रीय टीम के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। विश्व कप में भी मेस्सी के नाम 21 गोल दर्ज हैं। वह और उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने छह विश्व कप में हिस्सा लिया है।

2016 के बाद बदला मेस्सी का अंतरराष्ट्रीय सफर

मेस्सी ने 2016 में कुछ समय के लिए अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम से संन्यास लिया था। हालांकि, इसके बाद उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार दौर में पहुंचा। उन्होंने 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका का खिताब जीता, जबकि 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप चैंपियन बनाया।

इसके बाद अर्जेंटीना की टीम ने लगातार बड़े टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया।

क्लब फुटबॉल में इंटर मियामी से जारी रहेगा सफर

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदाई के बाद मेस्सी क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे। वह फिलहाल इंटर मियामी का हिस्सा हैं। हाल ही में उन्होंने टीम के साथ कैम्पियोनेस कप जीता, जो क्लब के लिए उनका चौथा खिताब है। मेस्सी की अर्जेंटीना से विदाई के साथ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के एक ऐतिहासिक अध्याय का अंत होगा, लेकिन क्लब स्तर पर उनका सफर जारी रहेगा।

लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

'यारियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। 'मुजफ्फर नगर', 'जंक्शन वाराणसी', 'बेखुदी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य 'श्री रामायण कथा' से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, 'हां, यह सच है। 'रामायण' में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।'

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद 'रामायण' मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, 'मैं आपको लक्ष्मण के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।' उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी 'रामायण' में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।'

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ 'कृष 3' में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, 'जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला।

फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।

अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, 'देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।'

बिग बॉस से बाहर आते ही छलका ईशा रिखी का दर्द

सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है। इसमें कुल 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो प्रतियोगी रोहैद खान और ईशा रिखी अभी तक बाहर हो गए हैं। तीन हफ्ते घर में रहने के बाद अब बादशाह की एक्स वाइफ ने शो से बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, 'बिग बॉस के घर के अंदर बिताए तीन हफ्ते... तीन हफ्ते जिनमें मैंने बहुत सारी भावनाएं, अनुभव, चुनौतियां, हंसी, आंसू और ऐसी यादें जी हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। वापस आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है।' ईशा ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया, जो मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, मुझे चीयर किया। उनका भी शुक्रिया, जिन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मैं हर राय, हर मैसेज और इस सफर का किसी भी तरह हिस्सा रहे हर एक इंसान के लिए आभारी हूं।' ईशा ने आगे बताया, 'पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे। मेरे कुछ इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, कुछ ऐसे पल आए जब मैं अपनी बात ठीक से नहीं कह पाई और कुछ मौकों पर शायद मैं वैसा नहीं दिख पाई, जैसा मैं खुद को दिखाना चाहती थी। मुझे पता है कि शायद मैंने आपमें से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है तो मुझे सच में अफसोस है। मैं अभी भी इन सब चीजों को समझ रही हूं, खुद को बेहतर तरीके से जानने की कोशिश कर रही हूं और इस पूरे अनुभव से सीख रही हूं।'

ईशा ने क्यों कहा शुक्रिया

अपनी बात खत्म करते हुए ईशा ने लास्ट में लिखा, 'लेकिन एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वह यह है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया। भले ही मैं खुद ज्यादा कुछ जाहिर नहीं कर पाई, लेकिन यह बात मेरे लिए शब्दों में बयां करने से कहीं ज्यादा मायने रखती है। मेरे साथ खड़े रहने, मुझे समझने और लगातार मेरा सपोर्ट करने के लिए आपका शुक्रिया। मैं सच में, बहुत-बहुत आभारी हूं।'

कौन हैं ईशा रिखी

ईशा रिखी पंजाबी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2013 में आई फिल्म 'जट्ट बॉयज पुत्त जट्टा दे' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'हैप्पी गो लकी', 'अरदास' और 'मिंडो तसीलदारनी' जैसी कई फिल्मों में दिखाई दीं। इस साल की शुरुआत में ईशा रैपर-सिंगर बादशाह से शादी करने को लेकर सुर्खियों में आई थीं। हालांकि, दोनों का रिश्ता पांच महीने ही चला और दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अपने अलग होने का ऐलान भी कर दिया। इसके बाद ईशा ने 'बिग बॉस 20' में हिस्सा लिया था और अब वह वहां से भी बाहर हो गई हैं।

ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई है

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे 'कोविड-19' लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, 'ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।' उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम 'नोआ' है। उदिति सिंह ने कहा, 'हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, 'तुम्हें नहीं आता।' क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि 'तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।', 'तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी।' तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।' उदिति ने आगे कहा, 'ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।' उदिति का यह बयान 'बिग बॉस 20' के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है। दोनों के रिश्ते के बारे में साल 2019-20 के आसपास सभी को पता था, उस वक्त करण ने उदिति के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। बताया जाता है कि उनका रिश्ता काफी सीरियस था। उदिति ने पहले घरवालों को बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक साथ रहे थे और शादी तक की बात भी हुई थी।

इश्वाक सिंह ने वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।' बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।' वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'

लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाईं अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई 'लस्ट स्टोरीज 3' को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।

यूं पाएं 5 मिनट में स्टाइल और Glamorous लुक्स

त्योहारों का मौसम आते ही हम घर के कामों में इतने ज्यादा व्यस्त हो जाते हैं कि हमे पार्लर जाना तो दूर, हमें घर में भी खुद पर ध्यान देने का मौका नहीं मिल पाता। इसलिए हम आपको बताएंगे कि घर पर ही आप 5 मिनटों में अपना चेहरा कैसे निखार सकती है और एक अलग लुक पा सकती हैं। जिससे सभी की नजरें आप पर ही टिकी रहे।

- अगर आपने अपने फ्रैंड के घर पार्टी पर जाना हो और आपके बालों में काफी ऑयल लगा है, जिससे लेकर आप बहुत ही ज्यादा परेशान है तो ऐसे में हम आपको बताएगे कि 2-3 मिनटों में आपकी ये परेशानी कैसे दूर हो सकती है। सबसे पहले आप सिर झुकाएं और बालों को पलटकर अच्छी तरह से ब्रश करें। इसके बाद आप चाहे तो हल्का सा पफ बनाकर क्लचर या बनाना पिंन भी लगा सकती हैं।

- अगर आप गहरे रंग रूप वाली, गोरी, सावंली, मोटी, लम्बी, पतली मोटे होठों वाली लड़की है तो आप भी उन लडकियों की तरह सुंदर मानी जाएगी। बस, फर्क इतना सा है कि उन्हें अपने रूप-रंग से जुडे दर पहलू पर नाज होता है। ऐसे में आपकी हर कमी को छुपाया जा सकता है।

- सबसे पहले तो जो खुद पर सूट करे, वो पहने। अपने बेसिक स्टाइल को दोहराते रहें, सिर ऊंचा और पीठ सीधी करके चलें। इस कॉन्फिटेंन्स के साथ जो आपको खूबसूरत ना माने ले, उसका सौन्दर्यबोध संदिग्ध होगा। - तैयार होने से पहले आप अपने आपको आइने के सामने देखें और सोचें कि आपका कलर यलो नहीं फेयर है। ऐसे देखने से ही मेंकअप करें जिसे करने से आपको कोई काला नहीं कह सकता, कलर भी तो चॉकलेटी हो सकते हैं। - अगर आपको कोई मोटा कहता है तो उसकी बात पर बिल्कुल ध्यान ना दें। आप मोटी नहीं हेल्दी हैं तो अगली बार जब खुद की व्याख्या करनी हो, तो इस ख्याल से कीजिएगा कि आपकी गहरी आंखों वाली आकर्षक मुस्कुराहट की स्वामिनी हैं। आपके जैसे ओर कोई नहीं और नहीं आपके जैसा दिखना आसान काम है। - स्टाइल में रहने का मतलब यह नहीं कि आप ढेर सारे कपडों को खरीदना होता, रूचिपूर्ण तरीके से त्यौहार पर तैयार होने से भी व्यक्ति सौम्य लगता है और जो आपमें खूबियां है उन्हें निखारें।

नाक पर बने जिद्दी ब्लैकहैड्स हटाने का सबसे आसान तरीका

आजकल हर कोई ब्लैकहेड्स की समस्या से परेशान रहता है। खास कर जब यह ब्लैकहेड्स आपके नाक पर हो जाए। नाक के ब्लैकहेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को पूरी तरह से खराब कर जाते है। यह नाक पर हो जाने से नाक काला और भदा नजर आता है। आज हम आपको उन तरीकों के बारे में बताएंगे जिन्हें आप घर पर ही अपना कर इनहें दूर कर सकते है। आप इन दिए हुए नुस्खों को केवल कुछ दिन नियमित रूप से आजमाएं और फिर देखें कि ना केवल ब्लैकहेड्स ही हटेंगे बलकि चेहरे से धूल, मिट्टी और डेड स्किन भी साफ होगी।

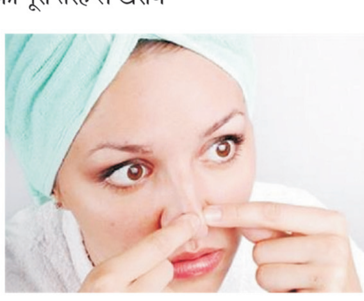

1. नमक और रोज वॉटर एक कटोरी में एक छोटा चम्मच नमक और रोज वाटर को मिकस कर लें। गुलाबजल आपके चेहरे की चमक को बढ़ाता है। इसे नाक पर उस जगह पर रगड़े यहां पर ब्लैकहेड्स हों।
2. शक्कर कटोरी में एक चम्मच शक्कर और नमक मिलाएं। इससे हल्के हाथों से 15 मिनट तक नाक पर गोलाई में मसाज करें। जब यह सूख जाए तब गीले कॉटन बॉल से पोछ लें।
3. शहद एक चम्मच शहद में 2 चम्म्मच काला नमक मिलाएं। इसे लगाने से ब्लैकहेड के साथ डेड स्किन भी साफ होती है। इसे आप हफ्ते में दो बार ट्राई कर सकते है।
4. बेसन एक कटोरी में एक चम्मच बेसन, दो चम्म्मच दूध और एक चम्मच नमक मिक्स करें। इस पेस्ट को गाढा बनाएं और नाक के ब्लैकहेड पर लगाएं। 15 मिनट के बाद इसे रगड़ कर साफ कर दें। इससे लगाने से ब्लैकहेड्स तो साफ होंगे ही साथ में चेहरा भी ग्लो करेगा।
5. नींबू का रस सबसे पहले नाक पर ब्लैकहेड वाली जगह को नींबू के रस से मसाज कर लें। फिर उसी गीने चेहरे पर नमक लगा कर गोलाई में हल्के हाथों से मसाज करें। 10 मिनट के बाद गरम पानी लेकर चेहरा धो लें। 6. टूथपेस्ट अगर आप को माक पर ब्लैकहेड्स है तो नाक या अन्य जगह पर टूथपेस्ट लगाएं और बाद में नमक उस पर रगड़े। इसे ऊपर के डायरेक्शन पर रगड़ें। ऐसा करने के से ब्लैकहेड्स के साथ यह रूखी त्वचा को भी साफ कर देता है।
7. दही ब्लैकहेड्स वाली जगह को नमक वाले पानी से मसाज करें और 15 मिनट बाद उस पर गाढी दही लगा कर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे आपके चेहरे पर पैदा होनी वाली जलन दूर हो जाएगी।

फ्रेश और तरो-ताजा दिखने के लिए अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स

आजकल काम का प्रेशर इतना ज्यादा हो जाता है कि ऐसे में हमरें चेहरे से ही हमारी थकावट के बारे में पता चल जाता है। ऐसे में हमें प्राकृतिक चमक के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए और ताज़ा फल और सब्ज़ियां खानी चाहिए। यह हमारे चेहरे पर अंदर से निखार लाने के लिए सबसे कारगर प्राकृतिक उपाय है।

कई बार कुछ कारणों से हम यह करना भूल जाते हैं और इससे हमारा चेहरा सुस्त और बेजान लगने लगता है। आज हम आपको अपनी थकी हुई त्वचा को फ्रेश और चमकदार बनाने के कुछ आसान उपाय बातएगें। तो आइए जानें ये कौन से उपाय है...

1. ब्लश जब आप थके हुए होते है तो उस समय आपके चेहरे से ही पता चल जाता है कि आप बहुत ही ज्यादा थके है। ऐसे में आपके थके हुए चेहरे में जान लाने के लिए गाल पर रोसी क्रीम ब्लश लगाएं। इससे आपकी थकी हुई आंखों पर से ही ध्यान हट जाएगा।
2. बरौनी के बाद मस्कारा लगा लें
यह चेहरे को तरोताजा और चमकदार दिखने का सबसे कारगर उपाय है। यह आपकी आंखों को खोल देगा और आपको तरोताज़ा कर देगा। बरौनी को मोड़ने के बाद मस्कारा लगा लें।
3. कंसीलर लगा लें कभी भी पूरे चेहरे पर कंसीलर न लगाएं, सिर्फ थोड़ा सा आंखों के नीचे लगाएं ताकि आप तरोताज़ा लगें। इससे आंखों के नीचे की त्वचा बराबर हो जाएगी और आपकी आंखें बड़ी, फ्रेश लगेंगी।
4. स्क्रब करें
चेहरे को ठन्डे पानी से धोएं और उसके बाद उसे स्क्रब करें। आप ओट्स को स्क्रबर की तरह इस्तमाल कर सकती हैं। इससे डेड सेल हट जाते हैं और आपकी त्वचा गोरी हो जाती है।
5. बर्फ आप अपनी आंखों को बंद करके उन पर बर्फ को 5 मिनट तक रखें। इससे आपकी थके हुई आंखों की सूजन कम हो जाएगी। आप बर्फ को चेहरे पर भी घिसा सकते हैं जिससे आपके चेहरे की सूजन भी कम हो जाएगी।
6. क्रीम को फिज में रखें आंखों की क्रीम को फिज में रखें और सुबह को इसी क्रीम को आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे की त्वचा कसेगी और सूजन भी कम होगा।
7. मसाज करें आंखों के नीचे और ऊपर क्रीम लगाते हुए त्वचा का मसाज करें। इससे खून का प्रवाह इस क्षेत्र में बढ़ेगा और आंखों की सूजन कम होगी।

छोटे से नींबू के हैं सौंदर्य के लिए अनेको लाभ

सर्दी हो या गर्मी, नींबू एक ऐसा फल है जो हर घर में हर समय आसानी से मिल जाता है। यह केवल खाने का स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि इसमें कई ऐसे औषध गुण भी मौजूद हैं जो कई सुंदर साधन भी है। इसमें विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है और पोटैशियम घुलनशील, जिसके चलते ज्यादा मात्रा में इसका सेवन भी नुकसानदायक नहीं होता। विटामिन सी से भरपूर नींबू शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने का अहसास होने लगता है। आज हम आपको नींबू के कुछ ब्यूटी टिप्स के बारे में बताएगें..

1. बर्तन साफ करने से हाथों की दरारें मैली हो जाती हैं। नींबू के छिलकों को रगड़-रगड़ कर साफ करने से आपके हाथ ही नहीं नाखून तक साफ हो जाएगे। इन छिलको से कोहनियों का कालापन भी दूर हो जाता है।
2. चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोडी देर बाद धो लें।
3. नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर रात में सिर में हल्के हाथ से लगाएं, हफ्ते में कम से कम 2-3 दिन तक मालिश करें। बालों की खुश्की दूर हो जाती है।
4. अगर आप मालिश ना भी करें तो सिर धोने के पानी में दो नींबू निचोडकर एक हफ्ता लगातार प्रयोग करने से बाल मुलायम होते हैं, उनका झड़ना कम होता है और खुश्की या रूसी भी कम होती है।
5. सुबह स्नान करने से पहले नींबू के छिलकों को चेहरे पर धीरे-धीरे मलकर दो या तीन मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। ऐसे 10-15 दिन लगाता करने से चेहरे का रंग साफ हो जाता है।
6. नींबू का रस और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, कुछ दिनों के लगातार प्रयोग से चेहरा बेदाग और स्किन कोमल व स्वच्छ हो जाती है।
7. नींबू और तुलसी की पत्तियों का रस एक समान मात्रा में मिलाकर किसी कांच के बर्तन में रख लें और दिन में कम से कम दो बार हल्के हाथ से चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के लगाकर इस्तेमाल से चेहरे पर झाइयां या किसी भी प्रकार के निशान मिट जाते हैं।